नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009

वर्ष : 16

अंक : 13

सोमवार, 11 से 17 मई 2026

मूल्य : 5 रूपए

रू 250 वार्षिक

महिला स्टार्टअप्स को 10 करोड़ तक का कोलैटरल-फ्री लोन, गारंटी सरकार की: रेखा गुप्ता 03

महंगे डीजल की आग से झुलसेगी खेती 08

धर्मशाल में आरसीबी की धमाकेदार जीत 10

क्या 30 साल के बाद भी बढ़ सकती है लंबाई? 11

NCR समाचार

BY C.R.O. TEAM

इस्माईल खान

www.ncrsamacharlive.in

twitter-@ncrsamacharlive

भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

पति से तलाक की चर्चाओं पर मौनी रॉय ने तोड़ी चुप्पी 12

भारत और नीदरलैंड ने सेमीकंडक्टर, रक्षा और हरित ऊर्जा पर ध्यान केंद्रित किया

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और नीदरलैंड के प्रधानमंत्री रॉब जेटेन ने भारत-नीदरलैंड संबंधों को 'रणनीतिक साझेदारी' के स्तर तक बढ़ाने की घोषणा की है। उन्होंने वैश्विक स्तर पर बढ़ते भू-राजनीतिक और आर्थिक बदलावों के मद्देनजर रक्षा, सेमीकंडक्टर, साइबर सुरक्षा, स्वच्छ ऊर्जा, जल प्रबंधन और व्यापार क्षेत्रों में सहयोग के लिए एक व्यापक रोडमैप का अनावरण किया है।

नीदरलैंड में शनिवार को दोनों नेताओं के बीच हुई सीमित और प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता के बाद इस निर्णय की घोषणा की गई। वार्ता में दोनों पक्षों ने राजनीतिक, आर्थिक, तकनीकी और सुरक्षा क्षेत्रों में नियमित सहयोग को संस्थागत रूप देने के लिए एक रणनीतिक साझेदारी रोडमैप को भी अपनाया।

एक संयुक्त बयान में कहा गया है कि दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच दीर्घकालिक और ऐतिहासिक व्यापारिक संबंधों, गहरे जन-संबंधों और मजबूत द्विपक्षीय संबंधों को याद किया और इस बहुआयामी संबंध को और अधिक विस्तारित और गहरा करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

यह नया ढांचा भारत और यूरोपीय साझेदार के बीच संबंधों में सबसे व्यापक सुधारों में से एक है। ऐसे समय में जब भारत उन्नत प्रौद्योगिकियों, लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं और रक्षा विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में यूरोप के साथ रणनीतिक जुड़ाव को मजबूत कर रहा है।

दोनों देशों ने सेमीकंडक्टर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम सिस्टम और साइबर सुरक्षा सहित महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों में सहयोग को बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। दोनों पक्षों ने सेमीकंडक्टर और संबंधित उभरती प्रौद्योगिकियों पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर का स्वागत किया, जिसका उद्देश्य निवेश, अनुसंधान सहयोग और प्रतिभा आदान-प्रदान को बढ़ावा देना है।

एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक और औद्योगिक पहल के तहत, दोनों देशों ने डच विश्वविद्यालयों और आईआईटी दिल्ली, आईआईटी बॉम्बे, आईआईटी मद्रास और भारतीय विज्ञान संस्थान बेंगलुरु सहित प्रमुख भारतीय तकनीकी संस्थानों के बीच सहयोग का भी समर्थन किया, ताकि एएसएमएल, एनएक्सपी सेमीकंडक्टर्स, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और सीजी सेमी जैसी कंपनियों की उद्योग भागीदारी के साथ सेमीकंडक्टर अनुसंधान और नवाचार में एक सेतु बनाया जा सके।

दोनों नेताओं ने डच सेमीकंडक्टर कॉम्पिटेंस सेंटर को भारत के सेमीकंडक्टर मिशन से जोड़ने की योजनाओं का भी स्वागत किया, जो भारत को वैश्विक सेमीकंडक्टर विनिर्माण और नवाचार केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए व्यापक प्रयासों को दर्शाता है।

रक्षा एवं सुरक्षा के मुद्दे पर, दोनों प्रधानमंत्रियों ने रक्षा सहयोग पर आशय पत्र पर हस्ताक्षर का स्वागत किया और नियमित रक्षा वार्ता, अनुसंधान सहयोग, स्टाफ स्तर के आदान-प्रदान और औद्योगिक साझेदारी के माध्यम से सैन्य संबंधों को और मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की। दोनों पक्षों ने रक्षा प्रणालियों और उपकरणों के सह-विकास, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और संयुक्त उत्पादन को शामिल करने वाले रक्षा औद्योगिक रोडमैप पर विचार करने पर भी सहमति जताई।

प्रधानमंत्री जेटेन ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में अप्रैल 2025 में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की और सीमा पार आतंकवाद सहित आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के प्रति एकजुटता और अटूट समर्थन व्यक्त किया। दोनों नेताओं ने आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता का आह्वान किया और आतंकवादी नेटवर्क, वित्तपोषण और सुरक्षित ठिकानों के खिलाफ समन्वित अंतरराष्ट्रीय कार्रवाई का आग्रह किया।

यह रणनीतिक पहल भारत-यूरोपीय संघ के बढ़ते संबंधों की पृष्ठभूमि में हुई है। श्री मोदी और श्री जेटेन ने इस वर्ष की शुरूआत में भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते के लिए वार्ता के सफल समापन का स्वागत किया और कहा कि यह समझौता बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के दौर में दुनिया की दूसरी और चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच आर्थिक संबंधों को मजबूत करेगा।

दोनों नेताओं ने कहा कि यह समझौता आर्थिक खुलेपन और नियम-आधारित व्यापार के प्रति साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है। नीदरलैंड पहले से ही यूरोप में भारत के सबसे बड़े निवेश और व्यापारिक साझेदारों में से एक है। उसे संयुक्त बयान में भारतीय निर्यातकों के लिए यूरोप का रणनीतिक प्रवेश द्वार बताया गया, क्योंकि इसका उन्नत लॉजिस्टिक्स तंत्र और रॉटरडैम बंदरगाह भारत के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र है।

दोनों देशों ने वैध व्यापार को सुगम बनाने और सीमा शुल्क सहयोग को बेहतर बनाने के लिए सीमा शुल्क मामलों में पारस्परिक प्रशासनिक सहायता पर एक समझौते पर भी हस्ताक्षर किए। जलवायु और ऊर्जा परिवर्तन साझेदारी का एक और प्रमुख स्तंभ बनकर उभरा।

प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की जी20 अध्यक्षता के दौरान शुरू किए गए ग्लोबल बायोफ्यूल एलायंस में नीदरलैंड के शामिल होने का स्वागत किया है। दोनों देशों ने संयुक्त रूप से हरित हाइड्रोजन सहयोग पर भारत-नीदरलैंड रोडमैप लॉन्च किया। इस रोडमैप से भारत की हरित हाइड्रोजन के प्रमुख उत्पादक और निर्यातक के रूप में उभरने की महत्वाकांक्षाओं को समर्थन मिलने की उम्मीद है। इसके साथ ही दोनों देशों में स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों को अपनाने में तेजी आएगी।

दोनों नेताओं ने नवीकरणीय ऊर्जा, चक्रीय अर्थव्यवस्था परियोजनाओं, स्मार्ट मोबिलिटी सिस्टम और बैटरी प्रौद्योगिकियों पर सहयोग को और गहरा करने पर भी सहमति व्यक्त की। जल प्रबंधन में नीदरलैंड की वैश्विक विशेषज्ञता को मान्यता देते हुए, दोनों देशों ने जल पर मौजूदा रणनीतिक साझेदारी के तहत नदी प्रबंधन, अपशिष्ट जल उपचार, डेल्टा प्रबंधन और जलवायु-लचीले शहरी जल प्रणालियों पर सहयोग बढ़ाने का संकल्प लिया। दोनों पक्षों ने डच अधिकारियों के सहयोग से आईआईटी दिल्ली में जल उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना का स्वागत किया और गुजरात की कल्पसर परियोजना पर सहयोग बढ़ाने पर भी सहमति व्यक्त की। इस दौरान समुद्री सहयोग चर्चा का प्रमुख विषय रहा, जिसमें नेताओं ने सतत जहाजरानी, स्मार्ट बंदरगाहों और लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं को बढ़ावा देने के लिए भारत और नीदरलैंड को जोड़ने वाले हरित और डिजिटल समुद्री गलियारेह्व के विकास का समर्थन किया।

एक नजर

सुप्रीम कोर्ट को मिलेंगे 4 नए जज, अब जजों की संख्या हुई 37

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने एक बड़ा कदम उठाते हुए सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या को 33 से बढ़ाकर 37 कर दिया है। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सोशल मीडिया के माध्यम से यह महत्वपूर्ण जानकारी साझा की है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन अध्यादेश, 2026 को अपनी आधिकारिक मंजूरी दे दी है। इस नए अध्यादेश के लागू होने के साथ ही सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) अधिनियम, 1956 में आवश्यक संशोधन कर दिया गया है। इस फैसले की खास बात यह है कि जजों की इस बढ़ी हुई संख्या में भारत के मुख्य न्यायाधीश शामिल नहीं हैं। इसका सीधा मतलब यह है कि मुख्य न्यायाधीश को मिलाकर अब सर्वोच्च न्यायालय में कुल न्यायाधीशों की संख्या बढ़कर 38 हो जाएगी। केंद्रीय कानून मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) पर पोस्ट कर बताया कि राष्ट्रपति द्वारा जारी इस अध्यादेश के माध्यम से मुख्य न्यायाधीश को छोड़कर सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या को 33 से बढ़ाकर 37 करने का रास्ता अब पूरी तरह से साफ हो गया है। केंद्र सरकार द्वारा लिया गया यह फैसला देश की सबसे बड़ी अदालत में लंबित मुकदमों के भारी बोझ को कम करने के उद्देश्य से प्रेरित है। वर्तमान समय में न्यायालयों पर मामलों का अत्यधिक दबाव है, जिसके कारण न्याय प्रक्रिया में देरी होती है।

देश के 19 से अधिक राज्यों में आंधी-तूफान और भारी बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। मौसम विभाग ने देश के 19 से अधिक राज्यों में आंधी-तूफान और भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है जबकि बिहार और अंडमान में 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली हवाएं चलने की चेतावनी दी है। दिल्ली में अधिकतम तापमान में लगभग 1-2 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि और न्यूनतम तापमान में 1-2 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान 40-41 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24-25 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इस दौरान आसमान आम तौर पर साफ रहा। मौसम विभाग ने शनिवार को बताया कि मानसून आज दक्षिण-पूर्वी अरब सागर, बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व हिस्सों, अंडमान सागर के अधिकांश क्षेत्रों, संपूर्ण निकोबार द्वीप समूह और श्री विजयपुरम सहित अंडमान द्वीप समूह के कुछ हिस्सों में प्रवेश कर गया है। मौसम विभाग ने अनुमान लगाया है कि इस बार मानसून समय से पहले केरल पहुंच सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक दक्षिण-पश्चिम मानसून के 26 मई के आसपास केरल पहुंचने के आसार हैं , हालांकि इसमें चार-पांच दिन की घटत-बढ़त हो सकती है। अगर ऐसा होता है तो किसानों और गर्मी से परेशान लोगों को जल्द राहत मिल सकती है।

एनटीए में दो संयुक्त सचिव और दो संयुक्त निदेशकों की नियुक्ति को मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। नीट पेपर लीक विवाद के बाद चर्चा में रही राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) में केंद्र सरकार ने बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए शनिवार को दो संयुक्त सचिव और दो संयुक्त निदेशकों की नियुक्ति को मंजूरी दी। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) की ओर से जारी आदेशों के अनुसार मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने सिविल सेवा बोर्ड की सिफारिशों के आधार पर इन नियुक्तियों को स्वीकृति दी है। जारी आदेश के अनुसार भारतीय सांख्यिकी सेवा (आईएसएस) 1998 बैच की अधिकारी अनुजा बापट को एनटीए में संयुक्त सचिव नियुक्त किया गया है। वहीं भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस-सी एंड आईटी) 2004 बैच की अधिकारी रुचिता विज को भी संयुक्त सचिव बनाया गया है। दोनों अधिकारियों की नियुक्ति पदभार ग्रहण करने की तिथि से पांच वर्षों अथवा अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, के लिए की गई है।

बार-बार पेपर लीक पर जवाब दें मोदी, शिक्षा मंत्री को करें बर्खास्त : राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बार-बार हो रही पेपर लीक की घटनाओं पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी पर हैरानी जताई और कहा कि इसके लिए उन्हें तत्काल शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को बर्खास्त करना चाहिए। श्री गांधी ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर अपनी मांग दोहराते हुए कहा कि मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट के पेपर बार-बार लीक होने की घटना से शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं और श्री मोदी को इस मुद्दे पर जवाब देना चाहिए।

उन्होंने इस पर आगे लिखा कहा 2024 में नीट परीक्षा का पेपर लीक हुआ था लेकिन परीक्षा रद्द नहीं की गई, मंत्री ने इस्तीफा नहीं दिया, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराई गई और एक समिति बनाई गई। अब 2026 का भी पेपर लीक हुआ, परीक्षा रद्द करनी पड़ी, मंत्री ने फिर भी इस्तीफा नहीं दिया, सीबीआई जांच कर रही है और एक अन्य समिति बनाए जाने की बात हो रही है।

श्री गांधी ने प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा, मोदी जी, देश आपसे कुछ सवाल पूछ रहा है, जवाब दो। बार-बार पेपर लीक क्यों हो रहे हैं। इस परीक्षा पे चर्चा पर आप चुप क्यों हैं। बार-बार विफल हो रहे शिक्षा मंत्री को आप बर्खास्त क्यों नहीं कर रहे हैं।

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि परीक्षा प्रणाली में लगातार हो रही गड़बड़ियों से छात्रों और अभिभावकों का भरोसा कमजोर हो रहा है तथा प्रधानमंत्री को इसकी जवाबदेही तय करनी चाहिए।

मध्य प्रदेश के रतलाम में राजधानी एक्सप्रेस में सुबह लगी आग

68 यात्रियों को सुरक्षित निकाला गया

- गार्ड की सतर्कता से टला बड़ा हादसा
- यात्रियों के लिए भोजन और वैकल्पिक व्यवस्था
- रेलवे और दमकल विभाग ने संभाला मोर्चा

रतलाम, एजेंसी। केरल के तिरुवनंतपुरम से हजरत निजामुद्दीन (दिल्ली) जा रही राजधानी एक्सप्रेस में रविवार तड़के अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। घटना मध्य प्रदेश के रतलाम जिले के आलोट क्षेत्र में लूणी रीछा और विक्रमगढ़ आलोट स्टेशन के बीच हुई। आग ट्रेन के एसी कोच बी-1 में लगी, जिसमें उस समय 68 यात्री सवार थे।

घटना सुबह करीब 5:15 से 5:30 बजे के बीच की बताई जा रही है। ट्रेन संख्या 12431 त्रिवेंद्रम-हजरत निजामुद्दीन राजधानी एक्सप्रेस रतलाम जंक्शन से रात लगभग 3:45 बजे रवाना हुई और उसका अगला ठहराव कोटा जंक्शन था, लेकिन राजस्थान में प्रवेश करने से पहले ही ट्रेन हादसे का शिकार हो गई।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, सबसे पहले ट्रेन के गार्ड ने बी-1 कोच से धुआं और आग की लपटें उठती देखीं। उन्होंने तत्काल लोको पायलट को सूचना दी, जिसके बाद इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन को तुरंत रोका गया। इसके बाद रेलवे कर्मचारियों और स्टाफ ने तेजी से कार्रवाई करते हुए करीब 15 मिनट के भीतर सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। यात्रियों को दूसरे डिब्बों में शिफ्ट किया गया। समय रहते रेस्क्यू होने के कारण किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, पर आग की चपेट में आने से कोच को भारी नुकसान पहुंचा। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार दो डिब्बे प्रभावित हुए हैं।

सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन और फायर ब्रिगेड की टीमें सक्रिय हो गईं। रतलाम कंट्रोल रूम को सुबह 5:20 बजे कोटा कंट्रोल से हादसे की सूचना मिली। इसके बाद रतलाम से एक्सीडेंट रिलीफ ट्रेन (एआरटी), मेडिकल रिलीफ इकाई (एआरएमई) और टावर वैगन को तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। रतलाम रेल मंडल के डीआरएम अश्विनी कुमार भी वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मौके के लिए रवाना हो गए। राहत और बचाव कार्य के दौरान रेलवे कर्मचारियों ने प्रभावित कोच का बिजली कनेक्शन काट दिया और उसे ट्रेन से अलग कर दिया, ताकि आग अन्य डिब्बों तक न फैल सके। इसका असर देश के सबसे व्यस्त रेल मार्गों में शामिल दिल्ली-मुंबई ट्रैक पर भी पड़ा।

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन सिक्किम से लौटे

गंगटोक। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने सिक्किम की अपनी एक दिवसीय आधिकारिक यात्रा पूरी कर लौट गए। उपराष्ट्रपति राज्य के 51वें राज्य दिवस समारोह में भाग लेने के लिए शनिवार सिक्किम पहुंचे।

आज सुबह लोक भवन से रवाना होने से पहले उपराष्ट्रपति ने पुराने लोक भवन के परिसर में रोडोडेंड्रोन (लालीगुरांस) का पौधा लगाया। इस अवसर पर राज्यपाल ओमप्रकाश माथुर और मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग भी उपस्थित रहे। उपराष्ट्रपति खराब मौसम के चलते राष्ट्रीय राजमार्ग 10ए के रास्ते बागडोगरा हवाईअड्डा (पश्चिम बंगाल) के लिए रवाना हो गए हैं। सिक्किम की यह उनकी पहली आधिकारिक यात्रा थी। उपराष्ट्रपति ने शनिवार को राजधानी के मनन केंद्र में आयोजित 51वें राज्य स्थापना दिवस समारोह में भाग लिया। उन्होंने विभिन्न प्रमुख विकास परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी और राज्य में संपर्क, शिक्षा, पर्यटन और सार्वजनिक सेवाओं को मजबूत करने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन किया।

नीट पेपर लीक मामला: कोर्ट ने टीचर मनीषा मांधरे को 14 दिन की सीबीआई कस्टडी में भेजा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने नीट पेपर लीक मामले में आरोपी मनीषा गुरुनाथ मंधारे को 14 दिन की सीबीआई हिरासत में भेजा है। पुणे की रहने वाली और एनटीए की एक्सपर्ट टीचर मनीषा गुरुनाथ मंधारे पर बायोलॉजी के प्रश्न पत्र लीक करने की साजिश में शामिल होने का शक है। वहीं, केमिस्ट्री के प्रोफेसर पीवी कुलकर्णी को पेपर लीक का मुख्य आरोपी माना जा रहा है।

राऊज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई के दौरान सीबीआई ने कहा कि मनीषा वनस्पति बॉटनी (वनस्पति विज्ञान) और जूलॉजी (प्राणी विज्ञान) के प्रश्नपत्रों का अनुवाद करने में विशेषज्ञ थी। इसके साथ ही, वह पीवी कुलकर्णी और मनीषा वाघमारे के साथ साजिश में शामिल थी। उसने प्रश्नपत्र आरोपी शुभम को दिया था।

सीबीआई ने कस्टडी की मांग करते हुए अदालत में कहा कि देशभर में एक साथ जांच चल रही है। जांच के उद्देश्य से हमें उसे देश के अलग-अलग हिस्सों में ले जाना है, क्योंकि प्रश्नपत्र उसके पास था।

वहीं, अदालत में मनीषा के वकील ने गिरफ्तारी का विरोध किया। उन्होंने कहा, जिस तरीके से मनीषा को गिरफ्तार किया गया, वह अवैध है। उसे सूर्यास्त के बाद गिरफ्तार किया गया और फिर रात 1 बजे दिल्ली लाया गया। इस पर अदालत ने बचाव पक्ष के वकील को इस संबंध में एक अर्जी दाखिल करने का निर्देश दिया। साथ ही, कोर्ट ने मनीषा के वकील को रोज 15 मिनट के लिए मिलने की इजाजत दी।

इसके साथ ही, राऊज एवेन्यू कोर्ट ने मनीषा गुरुनाथ मंधारे को 14 दिन की सीबीआई हिरासत में भेजने का फैसला दिया।

नीट पेपर लीक मामले में 14 मई को मनीषा गुरुनाथ मंधारे की गिरफ्तारी हुई थी। पिछले 24 घंटों में सीबीआई ने देशभर में छह जगहों पर तलाशी ली और कई अहम दस्तावेज, लैपटॉप, बैंक स्टेटमेंट और मोबाइल फोन जब्त किए। एक अधिकारी ने बताया कि जब्त की गई चीजों का विस्तार से विश्लेषण किया जा रहा है।

बता दें कि सीबीआई ने 12 मई को शिक्षा विभाग से मिली लिखित शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया था। यह शिकायत नीट-यूजी 2026 परीक्षा के कथित पेपर लीक से जुड़ी थी।

एनसीआर समाचार, साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालय :
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली- 62

फोन :
9210761111

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार पत्र के समस्त पाठकों तथा समाचार पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टर जी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृव में हो रहा है।

अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ङ्घ नए कार्यालय जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062, दूरभाष (मोबाईल) 9210761111 सम्पर्क करें।

लखपति दीदियों संग डीएम का संवाद, बैंकिंग समस्याओं के त्वरित समाधान के दिए निर्देश

रामकेश विश्वकर्मा

उत्तर प्रदेश: जनपद गाजीपुर में संचालित राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत लखपति महिला कार्यक्रम से जुड़ी महिलाओं/लखपति दीदियों के साथ आज जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला द्वारा रायफल क्लब, गाजीपुर में संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विकास खण्डों से आई लखपति दीदियों द्वारा अपने स्वरोजगार, बैंकिंग सेवाओं, ऋण वितरण, सीसीएल स्वीकृति एवं मार्केटिंग से संबंधित समस्याओं एवं अनुभवों को साझा किया। संवाद के दौरान अधिकांश महिलाओं द्वारा बैंकों से संबंधित समस्याएं प्रमुख रूप से उठाई गईं। महिलाओं ने बताया कि ऋण स्वीकृति में अनावश्यक विलंब, शाखाओं में समुचित सहयोग न मिलना, दस्तावेजों की बार-बार मांग तथा बैंक स्तर पर समन्वय की कमी के कारण उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। जिलाधिकारी द्वारा उपस्थित बैंक अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि स्वयं सहायता समूहों एवं लखपति दीदियों को शासन की प्राथमिकता योजनाओं का लाभ समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि समूह की महिलाओं को अनावश्यक रूप से बैंक शाखाओं के चक्कर न लगाने पड़ें तथा ऋण संबंधी प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण एवं त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि समूह की महिलाओं से प्राप्त समस्याओं का संकलन कर उनका शीघ्र समाधान कराया जाए इसकी पाक्षिक समीक्षा की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि लखपति महिला कार्यक्रम महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का महत्वपूर्ण माध्यम है, उन्होने सभी विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर महिलाओं को स्वरोजगार एवं आजीविका गतिविधियों में पूर्ण सहयोग प्रदान करें।जिलाधिकारी द्वारा उपायुक्त स्वतः रोजगार को निर्देशित किया गया कि विकास भवन परिसर एवं कलेक्ट्रेट में समूहों द्वारा उत्पादित उत्पादों के बिक्री हेतु सरस शो रूम स्थापित कराएं। सी.एम. युवा के आवेदन जो समूह सदस्यों द्वारा किये गए हैं, उन्हें दो दिवस में वितरण कराये जाने हेतु सम्बन्धित बैंक अधिकारियों एवं उपायुक्त उद्योग को निर्देशित किया गया, सभी समूह सदस्यों को सामाजिक सुरक्षा की योजनाओं यथा ढटरइ, PMJJ एवं अटल पेंशन योजना से आच्छादित किये जाने हेतु बैंकर्स एवं उपायुक्त स्वतः रोजगार को निर्देशित किया गया। उपस्थित सभी ब्लाक मिशन प्रबंधकों को निर्देशित किया गया कि सभी पात्र समूह सदस्यों का श्रम विभाग में पंजीकरण कराते हुए उनकी योजनाओं से लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। विकास खण्ड देवकली के ग्राम पंचायत पहाड़पुर की उन्नति SHG जो ODOP के अंतर्गत जूट वाल हैंगिंग का कार्य कर रही है, उसे सीएम युवा उद्यमी योजना का ऋण दिलाये जाने हेतु निर्देशित किया गया। संवाद कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी आलोक प्रसाद, उपायुक्त स्वतः रोजगार, उपायुक्त उद्योग, यूनियन बैंक आफ इंडिया व यू पी ग्रामीण बैंक के क्षेत्रीय प्रबन्धक, अग्रणी जिला प्रबन्धक, जिला मिशन प्रबंधक, समस्त सहायक विकास अधिकारी, ब्लाक मिशन प्रबन्धक एवं स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं उपस्थित रहीं।

पंचायत में कथित फर्जी पट्टा मामला गरमाया, ग्रामीणों ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

भारत बुनकर

राजस्थान: भीलवाड़ा ग्राम पंचायत चीडखेड़ा (सहाड़ा) में कथित फर्जी पट्टा जारी करने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। गांव की निवासी गंगा देवी जाट सहित कई ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर पंचायत प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। शिकायत में तत्कालीन प्रशासक, ग्राम विकास अधिकारी और सरपंच पति पर पद का दुरुपयोग कर फर्जी तरीके से पट्टे जारी करने, रिकॉर्ड में हेराफेरी तथा वित्तीय अनियमितता करने का आरोप लगाया गया है। ग्रामीणों के अनुसार ग्राम बाड़ा स्थित आराजी संख्या 1573 पर गंगा देवी का परिवार पिछले 60 से 70 वर्षों से निवास कर रहा है और वहां मवेशियों का बाड़ा भी बना हुआ है। आरोप है कि संबंधित अधिकारियों ने मिलीभगत कर बिना नीलामी प्रक्रिया और बिना सार्वजनिक सूचना के लगभग 18 से 22 पट्टे अपने चहेते लोगों के नाम जारी कर दिए।

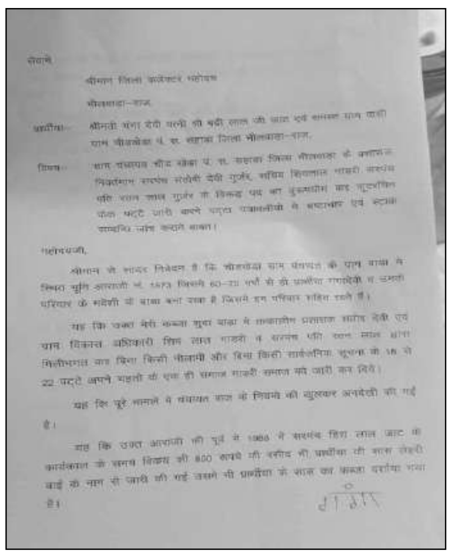

शिकायतकर्ताओं का कहना है कि पंचायत राज नियमों की अनदेखी करते हुए एक विशेष वर्ग के लोगों को लाभ पहुंचाया गया। उन्होंने यह भी बताया कि वर्ष 1988 में तत्कालीन सरपंच हीरालाल जाट के कार्यकाल में गंगा देवी की सास लेहरी बाई के नाम 800 रुपये की रसीद जारी की गई थी, जिसमें उक्त भूमि पर कब्जा दर्ज बताया गया है। मामले में पंचायत रिकॉर्ड को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि पट्टा दस्तावेजों में अलग-अलग तारीखें दर्ज हैं और कई मामलों में वसूली गई राशि का स्पष्ट लेखा-जोखा पंचायत या बैंक रिकॉर्ड में नहीं मिल रहा। उनका कहना है कि यदि पंचायत खातों और बैंक रिकॉर्ड की निष्पक्ष जांच कराई जाए तो पूरे मामले का खुलासा हो सकता है।

ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ पट्टों की रजिस्ट्री हो चुकी है, जबकि मौके पर जमीन पर कब्जा आज भी गंगा देवी परिवार का ही है। साथ ही उन्होंने वर्ष 2020 से 2026 तक पंचायत में हुए निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, भुगतान प्रक्रिया और स्टॉक रजिस्टर की जांच कराने की भी मांग की है। ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर से जिला परिषद स्तर पर विशेष जांच कमेटी गठित कर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। अब प्रशासनिक जांच के बाद ही मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।२

मान्धाता में महाराणा प्रताप जयंती पर निकली विशाल शोभायात्रा, हजारों लोग शामिल

प्रशांत

उत्तर प्रदेश: आज दिनांक 9 मई 2026, शनिवार को विश्वनाथगंज विधानसभा क्षेत्र के मान्धाता में महाराणा प्रताप जयंती के उपलक्ष्य में विशाल शोभायात्रा निकाली गई।

भावी प्रत्याशी ठाकुर सुरेंद्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस शोभायात्रा में हजारों की संख्या में लोग मोटरसाइकिल और चारपहिया वाहनों के साथ शामिल हुए। हनुमान मंदिर से शुरू, जेठवारा पर समापन शोभायात्रा मान्धाता के पौराणिक हनुमान मंदिर से गाजे-बाजे के साथ शुरू हुई। "जय महाराणा", "जय वीर योद्धा" के नारों के बीच शोभायात्रा सराय भीमसेन, सराय नाहर राय, लक्ष्मीगंज, लोकापुर होते हुए जेठवारा चौराहा पहुंचकर संपन्न हुई। पूरे मार्ग पर जगह-जगह लोगों ने पुष्प वर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया। महाराणा प्रताप को किया नमन जेठवारा चौराहा पहुंचकर ठाकुर सुरेंद्र प्रताप सिंह ने वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप स्वाभिमान, त्याग और राष्ट्रभक्ति के प्रतीक हैं। हमें ऐसे देश रक्षक योद्धा के बताए मार्ग पर चलने की प्रेरणा लेनी चाहिए।

जीवन संघर्ष से कराया परिचित ठाकुर सुरेंद्र प्रताप सिंह ने उपस्थित जनसमूह को महाराणा प्रताप के जीवन, हल्दीघाटी युद्ध और उनके अदम्य साहस के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे महाराणा प्रताप के आदर्शों को आत्मसात कर राष्ट्र निर्माण में योगदान दें। शोभायात्रा में केसरिया ध्वज, राजपूताना वेशभूषा और पारंपरिक वाद्य यंत्र विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य लोग, युवा और सर्व समाज के लोग भारी संख्या में मौजूद रहीं।

अंबेडकर यूनिवर्सिटी दिल्ली का 14वां दीक्षांत समारोह सम्पन्न, मेधावी विद्यार्थियों को मिली डिग्रियां

नितिन शर्मा

दिल्ली: राजधानी दिल्ली में आज डॉ. बी. आर. अंबेडकर यूनिवर्सिटी दिल्ली का 14वां वार्षिक दीक्षांत समारोह बेहद भव्य तरीके से आयोजित किया गया। कार्यक्रम दिल्ली विश्वविद्यालय के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स स्थित मल्टीपरपस हॉल में हुआ, जहां बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, अभिभावक और विश्वविद्यालय के शिक्षक मौजूद रहे। इस खास मौके पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता दिल्ली के उपराज्यपाल Taranjit Singh Sandhu और दिल्ली सरकार के शिक्षा मंत्री Ashish Sood मुख्य रूप से कार्यक्रम में शामिल हुए। दीक्षांत समारोह के दौरान विश्वविद्यालय के विभिन्न कोर्सों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को डिग्रियां और सम्मान प्रदान किए गए। मंच पर मौजूद अतिथियों ने विद्यार्थियों को डिग्री देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। जैसे ही छात्रों को डिग्री मिली, पूरे हॉल में तालियों की गूंज सुनाई दी और छात्रों के चेहरों पर खुशी साफ दिखाई दी।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा ही किसी भी समाज और देश को आगे बढ़ाने का सबसे मजबूत माध्यम है। उन्होंने कहा कि आज का युवा देश का future है और नई पीढ़ी को बेहतर शिक्षा और अवसर देना सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने छात्रों से अपील की कि वे अपनी शिक्षा और प्रतिभा का इस्तेमाल देश और समाज के विकास के लिए करें। वहीं उपराज्यपाल तरणजीत सिंह संधू ने भी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि मेहनत और लगन से हासिल की गई सफलता जीवन में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाती है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय से निकलने वाले छात्र आने वाले समय में देश की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि दिल्ली सरकार शिक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज का यह दिन उनकी मेहनत और संघर्ष का परिणाम है।

कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गईं, जिसने समारोह को और खास बना दिया। दीक्षांत समारोह में शामिल होने पहुंचे अभिभावकों ने भी अपने बच्चों की उपलब्धियों पर खुशी जाहिर की। पूरे कार्यक्रम के दौरान उत्साह और जश्न का माहौल देखने को मिला।

ईमानदार कार्यशैली का मिला सम्मान, दरोगा छेदा लाल मौर्य को दूसरा स्टार

मोहम्मद यासीन

उत्तर प्रदेश: बरेली कस्बा सीबीगंज के ग्राम भेजुईया निवासी छेदा लाललाल मौर्य अब से पूर्व एक स्टार के दरोगा थे।

छेदा लाल मौर्य की अच्छी कार्य शैली और ईमानदारी के बलबूते पर आज उनकी वर्दी पर दूसरा स्टार चमकने लगा यह स्टार डीएफओ बरेली श्रीमती दीक्षा भंडारी ने अकाउंटेंट डिविजन फॉरेस्ट ऑफिस बरेली में छेदा लाल मौर्य की वर्दी पर लगाया और शुभकामनाएं दीं। अकाउंटेंट डिविजन फॉरेस्ट ऑफिस बरेली में उपस्थित वन विभाग स्टाफ के मित्र साथियों ने शुभकामनाएं देने के साथ आगे भी उज्जवल भविष्य के लिए ईश्वर से प्रार्थना की इस शुभ अवसर पर डी एफ ओ बरेली श्रीमती दीक्षा भंडारी एस डी ओ श्री विमल कुमार भारद्वाज एस डी ओ श्री संजीव कुमार जौहरी श्री रेंज ऑफिसर श्री संतोष कुमार मठपाल रेंज ऑफिसर नवाबगंज विनोद कुमार आदि उपस्थित रहे।

PMEGP लोन के नाम पर करोड़ों की ठगी का हुआ खुलासा, 6 शातिर आरोपी हुए गिरफ्तार

दीपक यादव

उत्तर प्रदेश: दिनांक 13.05.2026 को थाना बिसरख पुलिस एवं साइबर सेल टीम द्वारा मैनुअल इंटेलिजेंस एवं गोपनीय सूचना की सहायता से संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए PMEGP प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत सब्सिडी लोन दिलाने का झांसा देकर ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए। 06 अभियुक्त 1. धर्मराज राठौर पुत्र चुकलु 2. रवि कुमार पुत्र शिवाजी 3. किशन राठौर पुत्र मोतीलाल 4.अक्षय पुत्र रुपसिंह 5.किरन नायर पुत्र मोहन 6.किरन बाबू राठौर पुत्र बाबू को कृष्णा काउन्टी टॉवर ए सेक्टर 01 की छत से गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्तों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त 18 की-पैड मोबाइल फोन, 06 स्मार्ट फोन एवं 15 रजिस्टर कॉलिंग डाटा बरामद किया गया है।

अपराध करने का तरीका

पूछताछ करने पर अभियुक्तों द्वारा बताया गया कि उनके द्वारा इंस्टाग्राम, फेसबुक आदि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आधार कार्ड/पैन कार्ड से संबंधित विज्ञापन चलाए जाते थे। जो व्यक्ति उक्त विज्ञापनों को देखकर उन पर क्लिक करता था, उसके समक्ष अभियुक्तों द्वारा प्रदर्शित मोबाइल नंबर आ जाता था। इसके उपरांत अभियुक्तगण स्वयं को फर्जी लोन अधिकारी बताकर पीड़ित व्यक्तियों को PMEGP (प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम) के अंतर्गत सब्सिडी आधारित होम लोन दिलाने का झांसा देते थे तथा फाइल चार्ज, प्रोसेसिंग फीस एवं अन्य शुल्कों के नाम पर प्रति व्यक्ति लगभग 02 से 04 लाख रुपये तक विभिन्न बैंक खातों में जमा कराते थे। इस प्रकार अभियुक्तगण द्वारा अनेक व्यक्तियों के साथ फर्जीवाड़ा कर करोड़ों रुपये की ठगी की गई है। अभियुक्तों ने यह भी बताया कि वे की-पैड मोबाइल फोन का प्रयोग करते थे तथा सिम कार्ड बदल-बदलकर उपयोग करते थे। इस पूरे गिरोह का संचालन एक 'बॉस' के निर्देश पर किया जाता था, जिससे वे मोबाइल फोन के माध्यम से संपर्क में रहते थे। ठगी से प्राप्त धनराशि को विभिन्न बैंक खातों में जमा किया जाता था।

गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण

धर्मराज राठौर पुत्र चुकलु निवासी ग्राम अरकेरी, थाना बीजापुर रुरल, बीजापुर (कर्नाटक), उम्र 38 वर्ष, शिक्षा 12वीं। रवि कुमार पुत्र शिवाजी निवासी ग्राम होर्ती, थाना होर्ती, बीजापुर (कर्नाटक), उम्र 26 वर्ष, शिक्षा 10वीं। किशन राठौर पुत्र मोतीलाल निवासी ग्राम अरकेरी, थाना बीजापुर रुरल, बीजापुर (कर्नाटक), उम्र 32 वर्ष, शिक्षा 06वीं।

अक्षय पुत्र रुपसिंह निवासी ग्राम आदर्श नगर, थाना बीजापुर रुरल, बीजापुर (कर्नाटक), उम्र 28 वर्ष, शिक्षा 10वीं। किरण नायर पुत्र मोहन निवासी ग्राम बरडगी, थाना बीजापुर रुरल, बीजापुर (कर्नाटक), उम्र 21 वर्ष, शिक्षा बीएससी। किरण बाबू राठौर पुत्र बाबू निवासी ग्राम बरडगी, थाना विजयपुर, विजयपुर (कर्नाटक), उम्र 28 वर्ष, शिक्षा 09वीं।

जीजा ने साली की गोली मारकर करी हत्या, फिर खुद भी की आत्महत्या

पवन तिवारी

उत्तर प्रदेश: कुशीनगर जिले में बुधवार सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां एक जीजा ने अपनी सगी साली की गोली मारकर हत्या कर दी और बाद में खुद को भी गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। जानकारी के अनुसार आरोपी युवक बाइक से बिहार से अपने ससुराल पहुंचा था। परिवार के लोगों से सामान्य बातचीत करने के बाद उसने अपनी साली को बातचीत के बहाने कमरे में बुलाया। अंदर जाते ही युवक ने कमरे का दरवाजा बंद कर लिया। कुछ देर बाद कमरे के भीतर से गोली चलने की आवाज सुनाई दी।

परिजन जब मौके पर पहुंचे तो दरवाजा अंदर से बंद मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा खुलवाया तो कमरे के अंदर युवती और युवक दोनों खून से लथपथ पड़े मिले। बताया जा रहा है कि युवक ने पहले तमंचा साली की कनपटी पर सटाकर गोली मारी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद उसने उसी तमंचे से खुद को गोली मार ली। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल से तमंचा बरामद कर शवों को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल हत्या और आत्महत्या के पीछे के कारणों की जांच की जा रही है। पुलिस ने इस मामले को लेकर जांच और भी तेज कर दी है।

दो मकानों में हुई बड़ी चोरी, लाखों के जेवर और नकदी ले उड़े बदमाश

अजय सिंह तोमर

मध्य प्रदेश: पोरसा मुरैना जिले के पोरसा शहर में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। भिंड रोड स्थित संगम नगर में देर रात अज्ञात बदमाशों ने दो मकानों को निशाना बनाते हुए लाखों रुपए के सोने-चांदी के जेवरात और हजारों रुपए की नकदी चोरी कर ली। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत फैल गई है, वहीं लोगों में आक्रोश भी देखा जा रहा है। जानकारी के अनुसार, घटना रात करीब 2 बजे के बाद की है। सबसे पहले चोरों ने अमर सिंह कुशवाह के मकान में सेंध लगाई। बदमाश गेट और ताले तोड़कर घर के अंदर घुसे। इसी दौरान आहट सुनकर गृहस्वामी की नींद खुल गई, जिन्होंने साहस दिखाते हुए चोरों का पीछा किया, लेकिन बदमाशों ने उन्हें धक्का देकर घायल कर दिया और मौके से फरार हो गए। इस दौरान चोर करीब 5 हजार रुपए नकद लेकर भाग निकले।

इसके बाद बदमाशों ने पास ही रहने वाले शासकीय शिक्षक हरवेंद्र सिंह तोमर के मकान को निशाना बनाया। चोरों ने मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर अलमारी से सोने-चांदी के आभूषण और करीब 72 हजार रुपए नकद पर हाथ साफ कर दिया। चोरी गए जेवरातों में सोने की चार चूड़ियां, छह अंगूठियां, बृजबाला, बाला, तोड़िया, बच्चों की बालियां सहित ठाकुर जी महाराज की बाली और अन्य कीमती आभूषण शामिल हैं। सुबह जब परिवार के लोग जागे तो घर का सामान बिखरा पड़ा था और अलमारी के ताले टूटे मिले, जिसके बाद चोरी का खुलासा हुआ। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है और संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से क्षेत्र में भय का माहौल है। स्थानीय लोगों ने रात के समय पुलिस गश्त बढ़ाने और चोरों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है।

केंद्रीय जांच ब्यूरो की बड़ी कार्रवाई, पूर्व नारकोटिक्स इंस्पेक्टर सुबाष यादव हुआ गिरफ्तार

तरुण शर्मा

दिल्ली: केंद्रीय जांच ब्यूरो सीबीआई ने आज पूर्व इंस्पेक्टर सुबाष यादव को गिरफ्तार कर लिया है, जो द्वारका स्थित नारकोटिक्स सेल के प्रमुख रह चुके हैं। जांच एजेंसी ने खुलासा किया है कि पूछताछ के दौरान सुबाष यादव से जुड़े 100 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियों और बड़े पैमाने पर अवैध धन लेन-देन के मजबूत सबूत मिले हैं। आरोपी अधिकारी पर भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग के गंभीर आरोप हैं।

सीबीआई के अनुसार, नारकोटिक्स मामलों की जांच के दौरान उन्होंने रिश्वतखोरी और संपत्ति अर्जन में लिप्त होने के सबूत छिपाए थे। गिरफ्तारी के बाद उन्हें कल 15 मई दिल्ली की विशेष अदालत में पेश किया जाएगा, जहां रिमांड की मांग की जाएगी। यह मामला दिल्ली पुलिस के नारकोटिक्स विभाग में फैले भ्रष्टाचार की गहरी परतें उजागर करता है। आगे की जांच जारी है।

महिला स्टार्टअप्स को 10 करोड़ तक का कोलैटरल-फ्री लोन, गारंटी सरकार की: रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार राजधानी की महिलाओं को आत्मनिर्भर, उद्यमी और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए बड़े स्तर पर कार्य कर रही है। इसी दिशा में सरकार ने महिला स्वयं सहायता समूहों और स्टार्टअप्स के लिए 10 करोड़ रुपये तक के कोलैटरल-फ्री लोन (बिना गिरवी ऋण) की व्यवस्था की है, जिसकी गारंटी स्वयं दिल्ली सरकार लेगी। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि दिल्ली सरकार अब मॉल और बड़े शॉपिंग कॉम्प्लेक्सों में स्वदेशी उत्पादों के लिए नियमित रूप से उचित मंच उपलब्ध कराएगी, जहां स्थानीय उत्पादों को व्यापक बाजार मिल सके। मुख्यमंत्री ने शनिवार शाम उत्तर पश्चिम दिल्ली स्थित यूनिटी वन मॉल, रोहिणी वेस्ट मेट्रो स्टेशन के पास आयोजित दो दिवसीय मेगा सेल्फ हेल्प ग्रुप (एसएचजी) मेला-2026 के उद्घाटन अवसर पर संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार स्वदेशी अपनाओ, आत्मनिर्भर भारत और वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट का विजन देश के सामने रख रहे हैं। उसी सोच को आगे बढ़ाते हुए यह मेला महिलाओं द्वारा तैयार स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहन देने और उन्हें बाजार से जोड़ने का सशक्त प्रयास है। इस अवसर पर सांसद योगेंद्र चंदोलिया, विधायक कुलवंत राणा, उत्तर पश्चिम जिला की डीएम सौम्या सौरभ, जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, विभिन्न बैंकिंग संस्थानों के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं उपस्थित थीं। मेले का आयोजन उत्तर पश्चिम जिला प्रशासन द्वारा किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की महिलाएं घरों में रहकर छोटे-छोटे उद्योगों और हस्तनिर्मित उत्पादों के माध्यम से न केवल अपने परिवार की आय बढ़ा रही हैं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूत कर रही हैं। अक्सर लोग विदेशी ब्रांडों के पीछे भागते हैं, जबकि भारत में बने हस्तशिल्प, खादी, घरेलू उत्पाद और हस्तनिर्मित वस्तुएं गुणवत्ता में किसी से कम नहीं हैं। जरूरत केवल उनकी बेहतर ब्रांडिंग और मार्केटिंग की है। उन्होंने कहा कि आज भारत रक्षा, अंतरिक्ष, कृषि और विनिर्माण सहित हर क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है और भारतीय उत्पाद दुनिया भर में निर्यात हो रहे हैं। ऐसे में महिलाओं द्वारा तैयार किए जा रहे घरेलू और हस्तनिर्मित उत्पादों को भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने लोगों से विदेशी वस्तुओं के बजाय स्थानीय और स्वदेशी उत्पादों के उपयोग की अपील। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार चाहती है कि राजधानी की प्रत्येक महिला स्वयं सहायता समूहों से जुड़े, अपना उत्पाद तैयार करे और उसे बाजार तक पहुंचाए। सरकार बैंकों के माध्यम से महिलाओं को आसान ऋण उपलब्ध कराने के प्रयास कर रही है। इस मेले में विभिन्न बैंकों को भी शामिल किया गया, ताकि स्वयं सहायता समूहों की बैंकिंग और वित्तीय पहुंच मजबूत हो सके। मुख्यमंत्री के अनुसार दिल्ली सरकार ने महिला स्वयं सहायता समूहों और स्टार्टअप्स के लिए 10 करोड़ रुपये तक के कोलैटरल-फ्री लोन (बिना गिरवी ऋण) की व्यवस्था की है, जिसकी गारंटी स्वयं दिल्ली सरकार ले रही है। इस मेगा मेले में लगभग 24 स्वयं सहायता समूहों ने भाग लिया। मेले में हस्तशिल्प, क्रोशिया कार्य, खादी, घरेलू उत्पाद, खाद्य सामग्री और अन्य हस्तनिर्मित वस्तुओं की प्रदर्शनी एवं बिक्री की गई। उत्तर पश्चिम जिले के वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट के तहत हस्तशिल्प को विशेष रूप से प्रदर्शित किया गया।

एक नजर

महंगाई से आम जनता परेशान : अरुण तोमर

नई दिल्ली, एजेंसी। पेट्रोल, डीजल और सीएनजी की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर आम आदमी पार्टी के पूर्व संगठन मंत्री अरुण तोमर ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि लगातार बढ़ती महंगाई से गरीब और मध्यम वर्ग की परेशानियां लगातार बढ़ रही हैं।

अरुण तोमर ने कहा कि बीते कुछ दिनों में पेट्रोल, डीजल, सीएनजी, दूध और सोने की कीमतों में तेजी से वृद्धि हुई है, जिससे आम लोगों का घरेलू बजट प्रभावित हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि महंगाई के कारण लोगों के लिए रोजमर्रा की जरूरत की वस्तुएं खरीदना भी कठिन होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार आम जनता को राहत देने में विफल रही है और बढ़ती कीमतों का सीधा असर गरीब तथा मध्यम वर्ग पर पड़ रहा है। अरुण तोमर ने दावा किया कि लोग बढ़ती महंगाई को लेकर नाराज हैं और खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। अरुण तोमर ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में परिवहन और आवश्यक वस्तुओं की लागत बढ़ने से आम नागरिकों की आर्थिक स्थिति पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की नीतियों का लाभ केवल बड़े उद्योगपतियों को मिल रहा है, जबकि आम जनता महंगाई की मार झेल रही है।

व्यावसायिक स्थानों पर मल्टीलेवल कार पार्किंग बनाएगा निगम

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में कई व्यस्त व्यावसायिक स्थानों पर सरफेस और मल्टीलेवल कार पार्किंग की सुविधा को एमसीडी प्रशासन की ओर से तैयार किया जाएगा। इस संबंध में एमसीडी की आगामी सदन की बैठक में प्रस्ताव भी प्रस्ततु किए जाएंगे। एमसीडी की योजना है कि पहले चरण के तहत 50 स्थानों पर सरफेस पार्किंग और 10 स्थानों पर मल्टीलेवल कार पार्किंग का निर्माण किया जाएगा। निगम अधिकारियों ने बताया करोल बाग जोन, रोहिणी जोन, पश्चिम जोन, नजफगढ़ जोन, सिटी सदर पहाड़गंज जोन, सिविल लाइंस, शाहदरा उत्तरी, मध्य जोन और दक्षिण जोन में सरफेस पार्किंग बनाने की योजना है। जगह चिन्हित कर ली गई है। सरफेस पार्किंग को इसी वर्ष के अंत तक शुरू करने की योजना है। वहीं, शाहदरा दक्षिणी जोन, केशवपुरम जोन, शालीमार बाग करोल बाग, रानी बाग जैसे स्थानों पर मल्टीलेवल कार पार्किंग का निर्माण किया जाएगा। इस परियोजना को अगले दो से तीन वर्षों में पूरा करेंगे।

महंगाई के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। बढ़ती महंगाई को लेकर कांग्रेस कार्यकताओं ने जहांगीरपुरी में विरोध प्रदर्शन कर केंद्र और राज्य सरकार के खिलाफ नाराजगी जताई। प्रदर्शन का नेतृत्व रोहिणी जिला कांग्रेस कमेटी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष एमएल भास्कर ने किया। बादली विधानसभा क्षेत्र के वार्ड संख्या 18 में पेट्रोल पंप के सामने आयोजित प्रदर्शन में कार्यकताओं ने पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस और अन्य आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों को लेकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने महंगाई को आम जनता पर आर्थिक बोझ बताते हुए सरकार की नीतियों की आलोचना की। एमएल भास्कर ने कहा कि लगातार बढ़ती कीमतों से गरीब और मध्यम वर्ग की परेशानियां बढ़ गई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पेट्रोल, डीजल और गैस सिलेंडर के दाम बढ़ाकर आम लोगों पर अतिरिक्त बोझ डाला जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि बढ़ी हुई कीमतें वापस नहीं ली गईं तो कांग्रेस आने वाले दिनों में बड़ा जन आंदोलन चलाएगी। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

कचरा प्रबंधन में जोर बाग को मिला अनुपम कॉलोनी का टैग

नई दिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली नगर पालिका परिषद ने अपने क्षेत्र के जोर बाग को अनुपम कॉलोनी का टैग दिया है। सौ फीसदी कचरा प्रबंधन और पर्यावरण के मुफीद तरीकों के अपनाने वाली कॉलोनियों को एनडीएमसी द्वारा अनुपम कॉलोनी के रूप में प्रमाणित किया जाता है। रविवार दिन में जोर बाग में एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत पौधारोपण भी किया गया। इस मौके पर एनडीएमसी उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने कहा कि स्वच्छ और हरित कॉलोनियों की परिकल्पना के अंतर्गत अब जोर बाग को एनडीएमसी की अगली अनुपम कॉलोनी के रूप में प्रमाणित किया गया है। इससे पूर्व सत्य सदन आफिसर्स फ्लैट्स, भारती नगर, आराधना कॉलोनी, बापू धाम कॉलोनी, न्यू मोती बाग एवं काका नगर को अनुपम कॉलोनी घोषित किया जा चुका है। एनडीएमसी की अनुपम कॉलोनियों में स्रोत पर ही कचरे का 100 फीसदी पृथक्करण, मौके पर ही कंपोस्टिंग, रीसाइकिलिंग, विकेन्द्रीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन आदि के उपाय किए जाते हैं। चहल ने कहा कि इससे न केवल कचरा परिवहन की लागत कम होती है बल्कि स्वच्छ वातावरण, बेहतर सफाई व्यवस्था, हरित क्षेत्रों के विकास और पर्यावरण संरक्षण के प्रति नागरिकों में जिम्मेदारी की भावना को भी बढ़ावा मिलता है। इस मौके पर आरडब्लूए जोरबाग के अध्यक्ष अनमोल खन्ना, राहुल ग्रोवर, गायत्री पुरी व अन्य लोग मौजूद रहे।

डीजीसीए उप-महानिदेशक को जमानत नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। राउज एवेन्यू कोर्ट ने भ्रष्टाचार के एक मामले में नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) के उप-महानिदेशक मुदावत देवुला की नियमित जमानत याचिका खारिज कर दी। अदालत ने कहा कि मामला संवेदनशील चरण में है। जांच को प्रभावित होने से बचाने के लिए इस समय जमानत नहीं दी जा सकती। विशेष न्यायाधीश छवि कपूर की अदालत ने कहा कि आरोपी के कब्जे से मिले करीब 100 बैंक डिपॉजिट स्लिप और विभिन्न खातों में जमा रकम के बीच संबंध स्थापित करना अभी बाकी है। साथ ही इन खातों में मौजूद रकम को सुरक्षित रखने के लिए जांच एजेंसी को आवश्यक कदम उठाने हैं। ऐसे में फिलहाल जमानत देने का कोई आधार नहीं बनता। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि सह-आरोपी भरत माथुर को पहले जमानत मिलने के आधार पर देवुला को राहत नहीं दी जा सकती, क्योंकि दोनों मामलों की परिस्थितियां अलग हैं। कोर्ट के अनुसार, देवुला एक लोक सेवक हैं और उन पर भ्रष्ट आचरण में शामिल होने का आरोप है, इसलिए उनके पास से मिली नकदी और अन्य खातों में कथित तौर पर जमा अवैध धन की गहन जांच जरूरी है। मामले की अगली सुनवाई 19 मई तय करते हुए संबंधित अधीक्षक को निर्देश दिया है कि आदेश में की गई टिप्पणियों के मद्देनजर आगे की जांच पर स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करें।

व्यावसायिक स्थानों पर मल्टीलेवल कार पार्किंग बनाएगा निगम

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में कई व्यस्त व्यावसायिक स्थानों पर सरफेस और मल्टीलेवल कार पार्किंग की सुविधा को एमसीडी प्रशासन की ओर से तैयार किया जाएगा। इस संबंध में एमसीडी की आगामी सदन की बैठक में प्रस्ताव भी प्रस्ततु किए जाएंगे। एमसीडी की योजना है कि पहले चरण के तहत 50 स्थानों पर सरफेस पार्किंग और 10 स्थानों पर मल्टीलेवल कार पार्किंग का निर्माण किया जाएगा। निगम अधिकारियों ने बताया करोल बाग जोन, रोहिणी जोन, पश्चिम जोन, नजफगढ़ जोन, सिटी सदर पहाड़गंज जोन, सिविल लाइंस, शाहदरा उत्तरी, मध्य जोन और दक्षिण जोन में सरफेस पार्किंग बनाने की योजना है। जगह चिन्हित कर ली गई है। सरफेस पार्किंग को इसी वर्ष के अंत तक शुरू करने की योजना है।

खंडित हीरा लाल चतुर्वेदी को पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय शास्त्रीय संगीत के प्रख्यात संगीताचार्य एवं चतुर्वेदी संगीत विद्यालय के संस्थापक स्वर्गीय पंडित हीरा लाल चतुर्वेदी की 49वीं पुण्यतिथि पर संगीत, साहित्य और सांस्कृतिक जगत की अनेक हस्तियों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर वक्ताओं ने उनके भारतीय शास्त्रीय संगीत में योगदान को अविस्मरणीय बताया। वक्ताओं ने कहा कि पंडित हीरा लाल चतुर्वेदी ने अपना संपूर्ण जीवन भारतीय शास्त्रीय संगीत और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण व प्रसार को समर्पित किया। वर्ष 1914 में पुरानी दिल्ली के नई सड़क क्षेत्र में स्थापित चतुर्वेदी संगीत विद्यालय के माध्यम से उन्होंने हजारों विद्यार्थियों को संगीत शिक्षा प्रदान की और देश की समृद्ध संगीत परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का कार्य किया। पद्म भूषण से सम्मानित शास्त्रीय गायक पंडित साजन मिश्रा ने कहा कि पंडित हीरा लाल चतुर्वेदी केवल संगीतकार नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति के सच्चे साधक थे। उन्होंने संगीत को सेवा, संस्कार और आध्यात्म से जोड़ने का कार्य किया।

पूर्व सांसद जय प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि उन्होंने समाज के हर वर्ग तक संगीत शिक्षा पहुंचाने के लिए निस्वार्थ भाव से कार्य किया और भारतीय सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। पंडित उमा शंकर चतुर्वेदी ने कहा कि उनके पिता का मानना था कि संगीत आत्मा की भाषा है। उनका अनुशासन, समर्पण और शिक्षाएं आज भी शिष्यों और परिवार को प्रेरित करती हैं। राष्ट्र टाइम्स के संपादक विजय शंकर चतुर्वेदी ने कहा कि गुरुजी का जीवन संघर्ष, समर्पण और सांस्कृतिक मूल्यों का प्रतीक था। वहीं तबला वादक शरीफ भारती ने कहा कि पंडित हीरा लाल चतुर्वेदी जैसी विभूतियां अपनी साधना और समर्पण से समाज को निरंतर प्रेरणा देती रहती हैं। कार्यक्रम में उपस्थित शिष्यों और संगीत प्रेमियों ने गुरुजी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनकी शिक्षाएं और संस्कार सदैव जीवित रहेंगे।

भोजशाला निर्णय पर जय भगवान गोयल का बयान, कहा- अभी बहुत कुछ बाकी

नई दिल्ली, एजेंसी। भोजशाला को सरस्वती मंदिर मानने संबंधी न्यायालय के फैसले पर यूनाइटेड हिंदू फ्रंट के अंतरराष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और राष्ट्रवादी शिवसेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष जय भगवान गोयल ने प्रतिक्रिया व्यक्त की है। नवीन शाहदरा स्थित शिव मंदिर में आयोजित एक बैठक के दौरान उन्होंने कहा कि यह केवल शुरूआत है और आगे भी कई धार्मिक स्थलों को लेकर आंदोलन जारी रहेगा। बैठक में कार्यकताओं को संबोधित करते हुए जय भगवान गोयल ने कहा कि पिछले कई वर्षों से संत समाज विभिन्न धार्मिक स्थलों को लेकर संवाद की कोशिश करता रहा, लेकिन उनकी मांगों को गंभीरता से नहीं लिया गया। उन्होंने कहा कि इसी कारण अब सड़कों से लेकर न्यायालय तक संघर्ष का रास्ता अपनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अयोध्या, मथुरा और काशी से जुड़े मामलों के बाद अब अन्य धार्मिक स्थलों को लेकर भी अभियान चलाया जाएगा। जय भगवान गोयल ने दावा किया कि देश में ऐसे कई स्थल हैं, जिन्हें ऐतिहासिक आक्रमणों के दौरान क्षति पहुंचाई गई थी। उन्होंने कहा कि विभिन्न मामलों में न्यायालयों में सुनवाई चल रही है और संगठन आगे भी कानूनी तथा जन आंदोलन जारी रखेगा। उन्होंने दिल्ली स्थित कुतुब मीनार और जामा मस्जिद का भी उल्लेख करते हुए कहा कि इन स्थलों को लेकर भी आंदोलन शुरू किया जाएगा। उनके अनुसार, इन मामलों को लेकर संगठन सड़क से लेकर न्यायालय तक अपनी लड़ाई जारी रखेगा। बैठक में महंत श्यामगिरि महाराज, राधाकांत वत्स, धर्मेंद्र बेदी, ईश्वर चौधरी, अवध कुमार, सुबोध बिहारी, कृपा शंकर, शंकर लाल अग्रवाल, विष्णु गर्ग, रमेश गुप्ता, सुमन प्रजापति, लक्ष्मी देवी, दिलबाग धनखड़, राजेश अरोड़ा, भरत लाल शर्मा, मुकेश गुप्ता, पूनम, काजल वर्मा, संजय सिंह, दीपक रावत, ओमवती, कमलेश, मालती, विनीता श्रीवास्तव, मंजू बिष्ट, के.पी. मिश्रा, नेकसिंह गिल, काजल शर्मा, सीमा सहोता, राम लाल अग्रवाल, विकास चौहान, अभिषेक मिश्रा और सौरभ मित्तल सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

45 वर्ष से बसे लोगों को बेघर करना अन्यायपूर्ण : डॉ. नरेश कुमार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली कांग्रेस के प्रवक्ता डॉ. नरेश कुमार ने शालीमार गांव पहुंचकर उन प्रभावित परिवारों से मुलाकात की, जो सड़क संख्या 320 के चौड़ीकरण योजना के तहत बेदखली का सामना कर रहे हैं। इस दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुखबीर शर्मा और जेएस नियॉल भी मौजूद रहे। डॉ. नरेश कुमार ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपकर प्रभावित परिवारों को कानूनी और सरकारी सहायता उपलब्ध कराने की मांग की। ज्ञापन की प्रति उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू को भी भेजी गई है। उन्होंने कहा कि पिछले चार महीनों से शालीमार गांव से सटे क्षेत्र में करीब 200 परिवारों को हटाने की कार्रवाई की जा रही है। दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश के बाद प्रभावित लोगों ने पुनर्विचार याचिका दायर की है, जिस पर 18 मई को सुनवाई होगी।

डॉ. नरेश कुमार ने कहा कि प्रभावित परिवार कोई अस्थायी बस्ती में रहने वाले लोग नहीं हैं, बल्कि पिछले 45 वर्षों से अपनी खरीदी हुई जमीन पर रह रहे हैं। उनके पास पंजीकरण पत्र, अधिकार पत्र और अन्य वैध दस्तावेज मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त 1511 कॉलोनियों की सूची में भी इस बस्ती का नाम शामिल है। इसके बावजूद लोगों को बेघर करने की कोशिश बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और अन्यायपूर्ण है।

डीएनडी से दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे सफर के लिए तैयार

- डीएनडी से जैतपुर तक नौ किलोमीटर खंड का निर्माण कार्य लगभग पूरा हुआ
- मंगलवार को केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी करेंगे निरीक्षण

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे का डीएनडी फ्लाईवे से जैतपुर तक नौ किलोमीटर का हिस्सा लगभग बनकर तैयार है। इसे परखने के लिए केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी मंगलवार को एक्सप्रेसवे के इस हिस्से का निरीक्षण करेंगे। इसके लिए महारानी बाग के पास एक्सप्रेसवे पर तैयारी शुरू हो गई है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि निरीक्षण के बाद इस खंड के उद्घाटन के लिए प्रस्ताव प्रधानमंत्री कार्यालय भेजा जाएगा। अगले माह इसे वाहनों के लिए खोले जाने की संभावना है। इससे खुलने से पूर्वी दिल्ली, दक्षिणी दिल्ली, मध्य व नई दिल्ली के साथ गाजियाबाद और नोएडा के लोगों का फरीदाबाद, पलवल, सोहना जाना सुगम हो जाएगा। जयपुर तक पहुंचने में मात्र ढाई घंटे का समय लगेगा। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के जैतपुर तक खंड के निर्माण में 1836 करोड़ रुपये की लागत आई है। यह सराय काले खां के पास डीएनडी फ्लाईवे से शुरू होता है। यहां से इस पर चढ़ने के दो रास्ते हैं। एक प्रवेश डीएनडी फ्लाईवे के पूर्वी दिल्ली व नोएडा से आश्रम की ओर आ रहे कैरिजवे पर है। दूसरा प्रवेश रिंग रोड से आश्रम जाने वाले कैरिजवे पर बना है। इसके बाद मीठापुर के पास एनटीपीसी ईको पार्क के पास उतरने व चढ़ने का रास्ता है।

इससे आगे केएमपी के रास्ते फरीदाबाद और सोहना होते जयपुर तक जा सकते हैं। इसी तरह एक्सप्रेसवे से दिल्ली आने वालों के लिए तैमूर नगर के पास एक रास्ता आश्रम रिंग रोड, दूसरा आश्रम फ्लाईओवर और तीसरा सराय काले खां रिंग पर उतरता है? इस खंड को पिछले वर्ष सितंबर तक बनकर तैयार होना था। लेकिन आगरा कैनाल में उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग की ओर से पिलर बनाने की अनुमति न मिलने के कारण इसका डिजाइन बदलना पड़ा। सिंचाई विभाग का मानना था कि पिलर से कैनाल का प्रवाह प्रभावित हो सकता है। इस बदलाव के तहत बिना पिलर के 130 मीटर का स्टील का आर्च ब्रिज बनाकर एक्सप्रेसवे को पूरा करने का निर्णय किया गया, जिसकी वजह से इसकी लागत भी बढ़ी। इस बदलाव के बाद जून 2026 इसे पूरा करने की नई समय सीमा तय की गई थी।

इस समय सीमा से पहले एक्सप्रेसवे का यह खंड बनाकर लगभग तैयार कर दिया गया है।

महंगाई को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन, भाजपा पर साधा निशाना

नई दिल्ली, एजेंसी। पेट्रोल और दूध की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर राजधानी में सियासी माहौल गर्म हो गया है। कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर जनविरोधी नीतियां अपनाने का आरोप लगाते हुए विभिन्न क्षेत्रों में विरोध प्रदर्शन किया और आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी। कांग्रेस कार्यकताओं ने शनिवार को हल्ला बोल अभियान के तहत सड़कों पर उतरकर भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान कार्यकताओं ने महंगाई के विरोध में तख्तियां लेकर पेट्रोल और आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों पर नाराजगी जताई। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष एवं कबीर नगर वार्ड के निगम पार्षद हाजी जरीफ ने कहा कि पेट्रोल और दूध की कीमतों में वृद्धि से आम लोगों का घरेलू बजट बिगड़ गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार की नीतियों का सबसे अधिक असर गरीब और मध्यम वर्ग पर पड़ रहा है। हाजी जरीफ ने कहा कि पेट्रोल महंगा होने से परिवहन लागत बढ़ेगी, जिसका प्रभाव सब्जियों, राशन और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर भी पड़ेगा। उन्होंने इसे आम जनता पर आर्थिक बोझ बताते हुए कहा कि कांग्रेस जनता की आवाज बनकर हर स्तर पर विरोध जारी रखेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार वास्तविक मुद्दों से लोगों का ध्यान भटकाने का प्रयास कर रही है, लेकिन जनता अब महंगाई के खिलाफ खुलकर आवाज उठा रही है।

गर्मी के चलते रेलवे स्टेशनों पर व्यवस्था बेहतर करने के निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली एनसीआर में बढ़ती हुई गर्मी को देखते हुए रेलवे स्टेशनों एवं रेलगाड़ियों में पानी के उचित प्रबंध करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही स्टेशनों पर साफ-सफाई और हवा के लिए पंखे की उचित व्यवस्था करने को कहा गया है ताकि गर्मी में यात्रियों को परेशानी का सामना न करना पड़े। इसे लेकर उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक राजेश कुमार पांडे ने सभी जोन में अधिकारियों को निगरानी रखने की सलाह दी है। जानकारी के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में एक बार फिर तापमान बढ़ने लगा है। ऐसे में कभी-कभी स्टेशन परिसर एवं रेलगाड़ियों में पानी नहीं मिलने की शिकायतें आती हैं। इसे ध्यान में रखते हुए उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक ने दिल्ली से लेकर लखनऊ मंडल तक के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि स्टेशन परिसर एवं गाड़ियों में यात्रियों के लिए पानी की उचित व्यवस्था होनी चाहिए। रेलगाड़ियों के अलावा प्लेटफॉर्म, प्रतीक्षालय और ट्रैक पर भी सफाई व्यवस्था को बेहतर करने के लिए कहा गया है।

मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने नवनिर्मित बाल्मीकि बस्ती चौपाल का उद्घाटन किया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने आज घिटोरनी गांव में नव-निर्मित बाल्मीकि बस्ती चौपाल का उद्घाटन किया। उन्होंने ने कहा कि यह चौपाल सामाजिक समरसता, जनसुविधाओं और स्थानीय नागरिकों के संवाद का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनेगी। प्रवेश साहिब सिंह ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि जब मेरे पिताजी डॉ. साहिब सिंह जी दिल्ली के मुख्यमंत्री थे, तब दिल्ली देहात में विकास कार्यों की एक नई धारा शुरू हुई थी। आज 27 वर्षों बाद दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के साथ ही पुनः विकास और जनकल्याण के कार्य तेज गति से आगे बढ़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में दिल्ली के गांव, देहात और हर वर्ग के विकास के संकल्प को भाजपा सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ा रही है। इस अवसर पर सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी, विधायक करतार सिंह तंवर, निगम पार्षद सुंदर तंवर, शिखा त्यागी, मंडल अध्यक्ष ज्योति, आलोक, रविन्द्र मलिक सहित अनेक कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

बच्चे की कस्टडी को लेकर हुआ विवाद, दो महिलाओं ने 6 साल के मासूम पर जताया दावा

छत्र पाल

उत्तर प्रदेशः बरेली के इज्जतनगर थाना क्षेत्र में एक ट्रांसपोर्टर परिवार का विवाद अब थाने तक पहुंच गया है। मामला 6 साल के मासूम युवराज को लेकर है, जिस पर दो महिलाएं अपना हक जता रही हैं। पहली पत्नी ने अपने पति पर चार शादियां और बच्चे के अपहरण का आरोप लगाया है, जबकि पति की लिव-इन पार्टनर ने इन आरोपों को गलत बताया है। विष्णुधाम कॉलोनी निवासी ट्रांसपोर्टर हरवेंद्र कुमार सिंह की पहली पत्नी सुमन अपने तीन बच्चों के साथ थाने पहुंचीं और रो-रोकर बेटे को वापस दिलाने की गुहार लगाई। सुमन का आरोप है कि उनका 6 साल का बेटा युवराज बेदी इंटरनेशनल स्कूल में दूसरी कक्षा में पढ़ता है। रोज की तरह वह स्कूल वैन से स्कूल गया था, लेकिन वापस घर नहीं लौटा।

नेहा नाम की महिला बेटे को अपने साथ ले गई।

सुमन का आरोप है कि जब उन्होंने स्कूल जाकर जानकारी की तो पता चला कि उनके पति के साथ रह रही नेहा नाम की महिला युवराज को अपने साथ ले गई है। आरोप है कि जब सुमन ने नेहा को फोन किया तो उसने साफ कह दिया कि बच्चा उसी का है और वह वापस नहीं करेगी। अब पहली पत्नी थाने पहुंचकर पुलिस से मदद की गुहार लगा रही है।

थाने पहुंचे सुमन के तीनों बच्चों ने भी पुलिस से न्याय की मांग की। बड़ी बेटी ईशा सिंह ने कहा कि उनके पिता की तीसरी पत्नी ने उनके भाई को अपने पास रख लिया है और पूरा परिवार परेशान है। सुमन की 2003 में लव मैरिज हुई थी, उनके चार बच्चे हैं। सुमन का आरोप है कि पति और ससुराल वाले मारपीट करते थे। करीब चार साल से वह पति से अलग रह रही हैं।

युवराज सुमन का नहीं, नेहा का बेटा है पति

सुमन ने अपने पति पर चार शादियां करने का आरोप लगाया. उनका कहना है कि 2013 में हरवेंद्र ने दीपा बोरा नाम की महिला से शादी की। 2020 में नेहा के साथ रहने लगे और फिर 2022 में प्रियंका नाम की महिला से शादी कर ली, जो लखनऊ में रहती है। सुमन का आरोप है कि उनके पति हर शनिवार और रविवार को प्रियंका से मिलने लखनऊ जाते हैं।

वहीं, दूसरी तरफ हरवेंद्र कुमार सिंह ने सभी आरोपों को निराधार बताया है. उनका कहना है कि युवराज सुमन का नहीं बल्कि नेहा का बेटा है और वह फिलहाल नेहा के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे हैं। हरवेंद्र ने कहा कि सुमन उनके साथ अच्छा व्यवहार नहीं करती थीं और मारपीट कर घर से निकाल दिया था, इसलिए वह अब उसके साथ नहीं रहते।

दोनों महिला ने थाने में लिखित शिकायत दी

हरवेंद्र कुमार सिंह का दावा है कि बेदी इंटरनेशनल स्कूल की मार्कशीट में युवराज की मां के रूप में नेहा का नाम दर्ज है। उनका कहना है कि सुमन द्वारा दिखाई गई। मार्कशीट गलत तरीके से तैयार कराई गई है। हालांकि सुमन का कहना है कि उनके पास भी स्कूल के दस्तावेज हैं जिनमें मां के रूप में उनका नाम दर्ज है। इस पूरे मामले में खास बात यह है कि पहली पत्नी सुमन और हरवेंद्र के साथ रह रही नेहा, दोनों ने इज्जतनगर थाने में लिखित शिकायत दी है। जामनगर थाना प्रभारी सुरेश गौतम का कहना है कि मामला पारिवारिक विवाद और बच्चे की अभिरक्षा से जुड़ा है। दोनों पक्षों के दस्तावेज और आरोपों की जांच की जा रही है. जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्ट्रेट बना 'नो व्हीकल जोन', डीएम ने बस से पहुंचकर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

राजू

उत्तर प्रदेशः बरेली प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की पर्यावरण संरक्षण, ईंधन बचत और सामूहिक परिवहन को बढ़ावा देने की पहल का असर अब बरेली प्रशासन में भी देखने को मिल रहा है। शनिवार को बरेली कलेक्ट्रेट परिसर में नई व्यवस्था लागू करते हुए इसे 'नो व्हीकल जोन' के रूप में संचालित किया गया। इस दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों ने निजी वाहनों की जगह सामूहिक परिवहन को प्राथमिकता दी जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने खुद इस पहल की अगुवाई की। डीएम अपने अधीनस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ सामूहिक रूप से बस में बैठकर मीरगंज तहसील के लिए रवाना हुए। प्रशासनिक अधिकारियों के मुताबिक इस कदम का उद्देश्य ईंधन की बचत करना, प्रदूषण को कम करना और लोगों को सार्वजनिक परिवहन के प्रति जागरूक करना है। कलेक्ट्रेट परिसर में निजी वाहनों की आवाजाही सीमित रहने से वहां

अलग तरह का माहौल दिखाई दिया। अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी इस पहल को सकारात्मक बताते हुए सहयोग किया। प्रशासन का मानना है कि इस तरह की पहल से आम लोगों में भी जागरूकता बढ़ेगी और पर्यावरण संरक्षण को मजबूती मिलेगी।

बताया जा रहा है कि जिलाधिकारी अविनाश सिंह पहले भी अपने सरकारी स्कॉट से अतिरिक्त वाहनों को हटाकर सादगी और जिम्मेदारी का संदेश दे चुके हैं। शनिवार को बस से यात्रा कर उन्होंने यह संदेश देने का प्रयास किया कि प्रशासनिक अधिकारी भी आम लोगों की तरह सामूहिक परिवहन का उपयोग कर सकते हैं मीरगंज तहसील पहुंचकर डीएम ने अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक और जनसुनवाई कार्यक्रम में हिस्सा लिया। प्रशासन की इस नई पहल को लेकर लोगों के बीच चर्चा बनी रही और कई लोगों ने इसे पर्यावरण हित में सराहनीय कदम बताया।

श्रीमद् भागवत कथा का हुआ भव्य समापन, विशाल भंडारे में उमड़ी श्रद्धालु की भारी भीड़

जय प्रकाश शर्मा

उत्तर प्रदेशः खुर्जा श्री हरिदास चैरिटेबल ट्रस्ट खुर्जा के तत्वाधान में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का मंगलवार को श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ समापन हो गया। यह आयोजन 7 मई से 13 मई तक श्री नवदुर्गा शक्ति मंदिर के पास, गली नंबर-4, सिद्धेश्वर रोड, खुर्जा में आयोजित किया गया। कथा में सुप्रसिद्ध कथावाचक संतोष व्यास महाराज शास्त्री जी ने अपने मुखारविंद से श्रद्धालुओं को श्रीमद् भागवत कथा का रसपान कराया। कथा के दौरान प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर धर्म लाभ प्राप्त करते रहे और भक्ति रस में सराबोर हुए।

कार्यक्रम में श्री हरिदास चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक एवं भारतीय किसान यूनियन चढूनी के राष्ट्रीय सचिव सोनपाल सिंह चौहान व उनकी धर्मपत्नी मुख्य यजमान रहे। ट्रस्ट के जिला अध्यक्ष डीसी गुप्ता कांटे वाले ने बताया कि 13 मई को कथा का पूर्ण विधि-विधान और पूजा-अर्चना के साथ विश्राम हुआ, जबकि 14 मई को विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। भक्ति ज्ञान यज्ञ महोत्सव में क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में यशपाल सिंह, जसवंत सिंह, दानवीर सिंह, जयप्रकाश बाबा, हरी चौहान, हिमांशु चौहान, आकाश चौहान, गौरव, निशांत, उदय शर्मा, संजीत सिंह, एमपी सिंह राणा, राजेश गोविल और भूपेंद्र शर्मा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की।

गैस सिलेंडर लीक से भीषण आग, विदाई के बाद घर में मचा हड़कंप

अमर दीप

उत्तर प्रदेशः शाहजहांपुर के मिजार्पुर क्षेत्र में एक खुशी का माहौल उस वक्त चीख-पुकार में बदल गया, जब एक युवती की विदाई के बाद घर में खाना बनाते समय गैस लीक होने से भीषण आग लग गई। इस दर्दनाक हादसे में दो बालिकाओं और तीन महिलाओं सहित कुल 5 लोग गंभीर रूप से झुलस गए हैं, जबकि आग बुझाने के प्रयास में एक युवक भी घायल हुआ है। घायलों का इलाज फरुर्खाबाद के डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में चल रहा है।

क्या है पूरी घटना?

मिली जानकारी के अनुसार, गुरुवार को बहोरन की बेटी रूबी की बारात आई थी। शुक्रवार शाम को विदाई संपन्न होने के बाद घर की महिलाएं गैस सिलेंडर पर खाना बना रही थीं। इसी दौरान पास ही रखा एक अन्य गैस सिलेंडर लीक होने लगा और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। परिवार और पड़ोसियों ने समरसेबल चलाकर पानी डाला और कपड़ों की मदद से भारी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

हादसे में झुलसे लोगों का विवरण

मंजू 25 वर्ष, निवासी चकया काठ शाहजहांपुर, मोनिका 8 वर्ष, निवासी नौगमा, अनीता 28 वर्ष, निवासी चकया, साक्षी 11 वर्ष, निवासी कुबेरपुर, कायमगंज फरुर्खाबाद, नीतू 25 वर्ष, निवासी मिजार्पुर, पारस युवक आग बुझाने के दौरान घायल।

फरुर्खाबाद के लोहिया अस्पताल में मची अफरा-तफरी

परिजनों ने तुरंत सभी घायलों को जरियनपुर सीएचसी पहुंचाया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें फरुर्खाबाद के लोहिया अस्पताल रेफर कर दिया गया। एक साथ इतने झुलसे हुए मरीजों के आने से अस्पताल में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। अस्पताल के सीएमएस ने तत्काल डॉ. अभिषेक चतुवेर्दी और डॉ. अमन कुमार को इमरजेंसी में भेजकर घायलों का उपचार शुरू करवाया।

सीएमओ ने अस्पताल पहुंचकर लिया जायजा, जताई नाराजगी

घटना की सूचना मिलते ही सीएमओ डॉ. अवनींद्र कुमार लोहिया अस्पताल के बर्न वार्ड पहुंचे। वार्ड में एसी कूलिंग की उचित व्यवस्था न मिलने पर उन्होंने कड़ी नाराजगी व्यक्त की और सर्जन से जानकारी ली। मरीजों के बेहतर उपचार के लिए तत्काल डिप्टी सीएमओ दीपक कटारिया की ड्यूटी लगाई गई है। वहीं, डीएम डॉ. अंकुर लाठर ने भी अस्पताल के प्रभारी सीएमएस डॉ. प्रभात वर्मा से बात कर स्थिति की मॉनिटरिंग की। बताया जा रहा है कि दो मरीजों को निजी अस्पताल में भी शिफ्ट किया गया है।

सड़क सुरक्षा पर DM सख्त, हाईवे सुधार कार्यों को 15 दिन की समय सीमा

अमर दीप

उत्तर प्रदेशः फरुर्खाबाद जिलाधिकारी (DM) डॉ. अंकुर लाठर ने सड़क सुरक्षा को लेकर सख्त तेवर अपनाए हैं। फतेहगढ़ में हुई 'सड़क सुरक्षा समिति' की बैठक के मुख्य बिंदु इस प्रकार है। स्ट्रीट लाइट पर सख्तीः रात के समय नेशनल हाईवे पर स्ट्रीट लाइटें बंद रहने पर उन्होंने कड़ी नाराजगी जताई है। उन्होंने साफ चेतावनी दी है कि लाइट बंद होने पर संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों पर सख्त एक्शन होगा। विजिबिलिटी में सुधारः फतेहगढ़-कानपुर मार्ग पर पेड़ों और झाड़ियों की वजह से रिफ्लेक्टर नहीं दिख रहे हैं। इन्हें तुरंत छांटने के निर्देश

दिए गए हैं ताकि रात में एक्सीडेंट कम हो सकें।

15 दिन का अल्टीमेटमः हाईवे पर स्पीड ब्रेकर बनाने और व्हाइट पेंटिंग (सड़क की पट्टियां) का काम 15 दिनों के भीतर हर हाल में पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। ब्लैक स्पॉट का सर्वेः जिले में 12 नए 'ब्लैक स्पॉट' (दुर्घटना संभावित क्षेत्र) चिन्हित किए गए हैं, जहाँ सुरक्षा के लिए जल्द ही सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे। एआरटीओ द्वारा पेश किए गए आंकड़ों में सड़क दुर्घटनाओं और मौतों की बढ़ती संख्या पर उन्होंने गहरी चिंता व्यक्त की है।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में महाराणा प्रताप के नाम पर चेयर व अध्ययन केंद्र की स्थापना होगीः मुख्यमंत्री

- महाराणा प्रताप जयंती पर अंबाला के शहजादपुर में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में की कई घोषणाएं
- बड़ागढ़ के कॉलेज का नाम महारानी पद्मावती के नाम पर रखने की घोषणा की
- राजपूत छात्रावास के निर्माण कार्य के लिए 31 लाख रुपये देने की घोषणा की

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने घोषणा की कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में महाराणा प्रताप के नाम पर अध्ययन केंद्र व एक चेयर की स्थापना की जाएगी। इसके अलावा शहजादपुर के बड़ागढ़ में स्थित राजकीय महिला महाविद्यालय का नाम बदलकर महारानी पद्मावती राजकीय महाविद्यालय किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने यह घोषणाएं रविवार को अंबाला के शहजादपुर में ह्वसंत-महापुरुष सम्मान एवं विचार प्रसार योजनाह्न के अंतर्गत आयोजित महाराणा प्रताप जयंती के राज्य स्तरीय समारोह में कीं। उन्होंने नारायणगढ़ विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों के लिए 5 करोड़ रुपये, राजपूत छात्रावास के निर्माण कार्य के लिए 31 लाख रुपये देने तथा शहजादपुर के कच्चे नाले को पक्का करवाए जाने की भी घोषणा की। इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने महाराणा प्रताप की नवीकृत प्रतिमा का अनावरण भी किया। समारोह में मिजोरम के राज्यपाल जनरल (डॉ.) विजय कुमार सिंह ने विशेष रूप से शिरकत की।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि महाराणा प्रताप ऐसे महान यौद्धा थे जिनका नाम लेते ही रोम रोम में देशभक्ति की लहर दौड़ने लगती है। इनका नाम सुनते ही हृदय गर्व से और आंखें श्रद्धा से भर जाती हैं। राजपूत समाज में महाराणा प्रताप का जन्म ऐसे समय में हुआ था जब भारतीय समाज पर अन्याय, अत्याचार की घोर घटा छाई हुई थी और हमारी गौरवशाली संस्कृति को नष्ट करने तथा धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का काम किया जा रहा था। उन्होंने महाराणा कुंभा और राणा सांगा से वीरता और शौर्य विरासत में प्राप्त की और मेवाड़ की सत्ता संभालने के बाद साहस, पराक्रम और वीरता की अनुपम मिसाल कायम की थीं। उनका घोड़ा ह्यचेतकह्न और हाथी ह्यरामप्रसादह्न भी उन्हीं की भांति अद्भुत थे जिन्होंने राष्ट्र, धर्म और सम्मान की रक्षा के लिए त्याग के उदाहरण प्रस्तुत किए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब महाराणा प्रताप ने मेवाड़ की सत्ता संभाली तब आधा मेवाड़ मुगलों के अधीन हो चुका था। अपनी जन्मभूमि व कर्मभूमि को मुगलों से आजाद करवाने के लिए महाराणा प्रताप ने लगभग 20 साल जंगलों में बिताए। उन्होंने घास की रोटियां खाना स्वीकार किया लेकिन हार नहीं मानी। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप का जन्म बहादुर राजपूत कौम में हुआ। राजपूत एक जाति का नहीं, बल्कि न्याय व सच्चाई का एक प्रतीक है। इस कौम ने देश को महान शासक दिए। भारत की आजादी और आजादी के बाद राष्ट्र की आन, बान व शान की रक्षा के लिए कुबार्नी देने वालों में इस समाज का अग्रणी स्थान है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन हमें यह संदेश देता है कि जब तक स्वाभिमान जीवित है तब तक हमारी आत्मा जीवित है। देश की सभ्यता व संस्कृति पर कोई आंच न आने देने के उनके सिद्धांत आज भी हमारा मार्गदर्शन कर रहे हैं। उनकी बहादुरी से प्रेरित होकर ही हमारी सेनाओं ने युद्धों में अनेक बार दुश्मनों को धूल चटाई है।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हाल ही में हमने ऑपरेशन सिंदूर की बरसी मनाई है। एक साल पहले प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में हमारी सेनाओं ने पहलगाम में निहत्थे नागरिकों की हत्या करने वाले आतंकियों को सबक सिखाया। प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में आज देश सशक्त भारत के रूप में उभर रहा है और भारत की शक्ति का डंका पूरी दुनिया में बज रहा है। यह वही सशक्त भारत है जिसका सपना महाराणा प्रताप जैसे महापुरुषों ने देखा था। महाराणा प्रताप की वीर गाथाएं हमारे इतिहास की शान हैं।

मिजोरम के राज्यपाल जनरल (डॉ.) विजय कुमार सिंह ने कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन हर भारतीय के लिए प्रेरणा होना चाहिए। उनके जीवन से हमें सीखना चाहिए कि हमें कभी अपनी धरोहर, संस्कृति व धर्म को नहीं भूलना चाहिए। महाराणा प्रताप ने हमेशा जनता की भलाई को प्राथमिकता दी और स्वयं के सुख या कल्याण की कभी परवाह नहीं की। उनके आदर्शों पर चलने से ही समाज, प्रदेश व देश का उत्थान होगा।

उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप ने जिस युद्ध शैली से मुगलों के दांत खट्टे किए उसी युद्ध शैली को छत्रपति शिवाजी ने अपनाया। महाराणा प्रताप की युद्धनीति बेजोड़ थी जिससे हम यह सीख सकते हैं कि कभी भी किसी काम को भावावेश में नहीं करना चाहिए बल्कि हर काम को सोच-समझकर करेंगे तो जीत हमेशा आपकी होगी। जिस प्रकार महाराणा प्रताप कठिनाइयों के बावजूद अपने कर्म व धर्म को नहीं भूले, उन्हें घास की रोटी खानी पड़ी और जंगल में रहना पड़ा, उसी प्रकार हमें भी कठिनाइयों से जूझना और लड़ना सीखना चाहिए। हरियाणा को आगे ले जाने के लिए हमें उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए।

समारोह की अध्यक्षता कर रहे कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने महाराणा प्रताप, उनके घोड़े तथा हाथी के शौर्य, वीरता व त्याग के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए उनके द्वारा किए गए संघर्ष व हल्दीघाटी में हुए युद्ध की घटनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप सच्चे अर्थों में शूरवीर थे। महाराणा प्रताप के साथ-साथ उनसे पूर्व की 12 पीढ़ियों ने भी देश के लिए कुर्बानियां दी। उनकी जयंती देश के अलग-अलग हिस्सों में पूरी श्रद्धा व आस्था के साथ मनाई जा रही है।

इस अवसर पर शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा, खाद्य आपूर्ति मंत्री राजेश नागर, असंध के विधायक योगेंद्र राणा, पूर्व मंत्री संजय सिंह, मंदीप राणा, संतोष सारवान, रेखा राणा, शशि परमार, अमरपाल राणा, डॉ. पवन सैनी व वीरेंद्र चौहान सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

शिक्षा, सुरक्षा और विकास राज्य सरकार का मुख्य विजन- कृष्ण कुमार बेदी

चण्डीगढ। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा है कि शिक्षा, सुरक्षा और विकास राज्य सरकार का मुख्य विजन है और इसी फोक्स पर निरंतर काम किया जा रहा है। शिक्षा के संसाधनों का ग्रामीण आंचल तक विस्तार किया जा रहा है। इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए आधारभूत ढांचा की मजबूती को प्राथमिकता दी जा रही है। सुरक्षा के माहौल में प्रदेश के प्रत्येक नागरिक की तरक्की सुनिश्चित हो, सरकार इसके लिए कटिबद्ध है।

कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी रविवार को नरवाना के गांव हरनामपुरा में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने फिरनी से दादा खेड़ा तक एचआरडीएफ के अंतर्गत 12 लाख रुपए से बनी गली का उद्घाटन भी किया। उन्होंने लोन माइनर से गांव में पीने के पानी की पाईपलाइन बिछाने की भी घोषणा की। इस पर करीब 18 लाख रुपए की लागत आएगी। इसके अलावा दादा खेड़ा प्रांगण में 18 लाख 50 हजार रुपए की लागत शैड निर्माण तथा ग्राम पंचायत की मांग पर गांव में विभिन्न 6 गलियों के निर्माण के लिए भी कहा।

कैबिनेट मंत्री ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि गांव, गरीब और किसान का विकास सरकार के सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शुमार है। इसके लिए सिलसिले वार तरीके से गांव दर गांव पक्की सड़कों का निर्माण करवाया जा रहा है और शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, बिजली जैसी आधारभूत सुविधाओं का भी विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा और विकास एक दूसरे के पूरक है। इसलिए सरकार का संकल्प है कि प्रदेश में शांति व्यवस्था के मामले में पूर्णतया संजीदगी बरती जा रही है। सरकार के स्पष्ट निर्देश है कि प्रदेश में अपराध तथा अपराधी के लिए कोई जगह नहीं है और प्रदेशवासियों की सुरक्षा सरकार का जिम्मा है, जिसे बखूबी निभाया जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आवश्यक सेवाओं में विशेष कर तेल बचत और (वर्क फ्रॉम होम) के संदेश पर बोलते हुए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि खाड़ी देशों में चल रहे भीषण युद्ध के मध्येनजर यह विषय वर्तमान की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि आमजन को भ्रामक प्रचार में आने की जरूरत नहीं है।

सबकी समस्या का निराकरण सरकार की प्रतिबद्धता : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ,एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार दूसरे दिन रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में विभिन्न जिलों से आए लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति की समस्या का समाधान, सरकार की प्रतिबद्धता है।

मुख्यमंत्री ने अफसरों को निर्देशित किया कि वे पूरी तत्परता और संवेदनशीलता से यह सुनिश्चित करें कि बिना भेदभाव सबको न्याय मिले। हर पात्र को जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिले,जरूरतमंदों के समुचित इलाज की व्यवस्था हो,जमीन कब्जाने वाले भू–माफिया व दबंगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो। गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 150 लोगों की समस्याएं सुनीं। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को आश्वस्त किया कि हर समस्या का प्रभावी समाधान कराया जाएगा। जनता दर्शन में एक महिला ने परिवार की कमजोर आर्थिक स्थिति का जिक्र कर बिटिया के विवाह में सहायता देने का अनुरोध किया। सीएम योगी ने जब महिला को प्रति जोड़ा एक लाख रुपये आवंटन वाले मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के बारे में बताया तो वह खुश हो गई। महिला ने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया कि योजना का लाभ उसकी बिटिया को भी दिला दीजिए। इस पर सीएम योगी ने अधिकारियों को जरूरी प्रक्रिया पूर्ण करने को निर्देशित किया। जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए कई लोगों से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो भी जरूरतमंद हैं,प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज का इस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए।

इस्टीमेट मिलते ही सरकार तुरंत धन उपलब्ध कराएगी। राजस्व और कानून व्यवस्था से जुड़े मामलों में मुख्यमंत्री ने शीघ्रता से निस्तारण के निर्देश दिए। परंपरा को रचनात्मक तरीके से प्रस्तुत किया जाएगा। आयोजकों का मानना है कि यह प्रदर्शनी युवाओं और कला प्रेमियों को भारतीय सांस्कृतिक विरासत को नए दृष्टिकोण से समझने का अवसर देगी।

जिलाधिकारी की बिजली विभाग पर सख्ती

जिलाधिकारी ने एसडीओ का वेतन रोका, अधीक्षण अभियंता को नोटिस

जौनपुर,एजेंसी। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. ने बिजली व्यवस्था को लेकर अधिकारियों की कार्यशैली पर कड़ा रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। शनिवार रात कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित विद्युत विभाग की समीक्षा बैठक में जवाब से असंतुष्ट होने पर जिलाधिकारी ने अधीक्षण अभियंता द्वितीय को कारण बताओ नोटिस जारी करने तथा उपखंड अधिकारी खेतासराय का अग्रिम आदेश तक वेतन रोकने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान डीएम ने आंधी-तूफान से क्षतिग्रस्त बिजली के खंभों और बाधित विद्युत आपूर्ति की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि विभिन्न एजेंसियों को लगाकर युद्धस्तर पर मरम्मत कार्य कराया जाए और दो दिनों के भीतर बिजली आपूर्ति पूरी तरह बहाल की जाए। साथ ही अधीक्षण अभियंता और अधिशासी अभियंताओं को प्रतिदिन शाम तक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के आदेश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि बिजली आपूर्ति बहाल होने के बाद सभी खंभों की ग्राउटिंग कराई जाए तथा जहां आवश्यकता हो वहां स्टे लगाए जाएं। उन्होंने ट्रांसफार्मरों की सुरक्षा के लिए टेललेस यूनिट और फ्यूज जैसे उपकरण लगाने तथा पर्याप्त संख्या में ट्रांसफार्मर उपलब्ध रखने के निर्देश दिए ताकि खराब होने पर तत्काल बदला जा सके। बैठक में डीएम ने ट्रिपिंग की समस्या को गंभीरता से लेते हुए मुख्यालय सहित पूरे जनपद में बिजली तारों और खंभों के नियमित रखरखाव तथा पेड़ों की छंटाई कराने के निर्देश दिए। जलभराव और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में करंट उतरने की घटनाओं को रोकने के लिए विशेष सतर्कता बरतने को कहा गया। उन्होंने सभी उपखंड अधिकारियों को चेतावनी दी कि उपभोक्ताओं के बिजली बिलों का निस्तारण उपखंड कार्यालय स्तर पर ही सुनिश्चित किया जाए। साथ ही राजस्व वसूली से संबंधित आरसी में उपभोक्ताओं का सही नाम और पता दर्ज करने के निर्देश भी दिए।

भारत की संस्कृति शाश्वत और अनादि अनंत है: अमिताभ अग्निहोत्री

एक दिवसीय व्याख्यान में 21वीं सदी में सांस्कृतिक विमर्श एवं नवाचार पर मंथन

वाराणसी, एजेंसी। इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र, वाराणसी की पहल पर शब्दन फाउंडेशन के सहयोग से शनिवार को एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। 21वीं सदी में सांस्कृतिक विमर्श एवं नवाचार विषयक व्याख्यान में संस्कृति को सहेजने और इसे अगली पीढ़ी के लिए सुरक्षित रखने पर बल दिया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता वरिष्ठ पत्रकार अमिताभ अग्निहोत्री (चेयरमैन एवं एडिटर-इन-चीफ, राष्ट्रवाणी समाचार चैनल) ने काशी को भारतीय सांस्कृतिक ऊर्जा और चेतना का शाश्वत केन्द्र बताया। उन्होंने कहा कि काशी ने राजनीति, अर्थव्यवस्था और धर्म के मध्य संतुलित समन्वय स्थापित कर भारतीय संस्कृति को नवीन आयाम प्रदान किए हैं। मुख्य अतिथि अंतर विश्वविद्यालय अध्यापक शिक्षा केन्द्र, बीएचयू के निदेशक प्रो. प्रेम नारायण सिंह ने कहा कि संस्कृति को सहेजना अगली पीढ़ी के लिए समाज को सुरक्षित रखने का मूल लक्ष्य है। अध्यक्षता कृषि विज्ञान संस्थान, बीएचयू, के प्रो० गुरु प्रसाद सिंह ने की। क्षेत्रीय केन्द्र के निदेशक डॉ अभिजित दीक्षित ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि काशी संस्कृति का जीवन्त प्रतिनिधि है, एवं हम इसे संस्कार के रूप में स्वीकार करते हैं। अतिथियों का माल्यार्पण एवं स्मृति-चिन्ह भेंटकर अभिनन्दन किया गया। शब्दन फाउंडेशन की ओर से वरिष्ठ कला-प्रशासक गौतम चटर्जी (आईजीएनसीए) को उनके दीर्घ सेवाकाल के लिये सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ देवी सरस्वती के चित्र पर पुष्पांजलि एवं दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। मंगलाचरण वृहस्पति पाण्डेय ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ० शिवेन्द्र सिंह व धन्यवाद ज्ञापन गौतम चटर्जी ने किया।

पूर्व मंत्री नारद राय की मांग पर जलशक्ति मंत्री का एक्शन

बलिया, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में गड़हांचल की लाइफ लाइन कही जाने वाली मंगई नदी से जुड़े नालों का अवरोध खत्म करने की पहल हुई है। जिससे हजारों एकड़ खेती योग्य भूमि के हर साल जलमग्न रहने की संभावना नगण्य हो गई है।

मंगई नदी से जुड़े नालों में जमी गाद की खुदाई व कई जगहों पर पुलिया के निर्माण के लिए विगत दिनों पूर्व मन्त्री नारद राय ने जलशक्ति मन्त्री स्वतन्त्रदेव सिंह से लखनऊ में मुलाकात की थी। उन्होंने जलशक्ति मंत्री से किसानों की इस विकराल समस्या के निराकरण का अनुरोध किया था। जिसके बाद जलशक्ति मन्त्री ने टेलीफोन से अधिशासी अभियन्ता सिंचाई को त्वरित समाधान के निर्देश दिए थे। जिसके बाद बलिया आने के बाद पूर्व मन्त्री नारद राय सिंचाई विभाग के कार्यालय पहुँच कर सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियन्ता राकेश कुमार से दर्जनों गांवों के किसानों के हजारों एकड़ खेत से जुड़े नाले जो मंगई नदी में गिरते हैं, को मौके पर चलकर देखने को कहा था। अधिशाषी अभियंता अपने साथ सहायक अभियन्ता राम मिलन गोंड़ व अवर अभियन्ता राजकुमार चौरसिया सहित सिंचाई विभाग के इंजीनियरों की टीम के साथ निरीक्षण करने पहुंचे थे। अधिकारियों ने नरहीं से मंगई नदी तक जाने वाली लगभग साढ़े चार किलोमीटर लंबी करौंटी ड्रेन, शहाबुद्दीन पुर (कारों) से शुरू होने वाले ढाई किलोमीटर के फिरोजपुर ड्रेन, टुटुआरी-बघौना से मंगई नदी तक जाने वाले साढ़े सात किलोमीटर के नरहीं ड्रेन, टाड़ा ब्रम्हबाबा के स्थान को जाने वाली ड्रेन की सफाई व कुछ विशेष जगहों पर पुलिया के निर्माण को लेकर निरीक्षण किया। अधिशासी अभियन्ता ने बताया कि जलशक्ति मन्त्री द्वारा टेलीफोन पर दिए गए निर्देश पर ड्रेनों की सफाई के लिए टेण्डर कर दिया गया है, बरसात के पूर्व ड्रेन सफाई का कार्य पूर्ण करा दिया जाएगा। करइल क्षेत्र के लोगों की इस विकराल समस्या के समाधान कराए जाने पर नारद राय ने जलशक्ति मन्त्री का आभार व्यक्त किया। नारद राय ने रविवार को बताया कि करईल क्षेत्र के हजारों किसान अपने खेतों के साल भर जलमग्न रहने से परेशान थे। उनकी यह समस्या दूर हो जाएगी। प्रदेश की योगी सरकार किसानों के हित में कार्य करने के लिए प्रत्यत्नशील है।

एक नजर

योगी ने गोशाला के कार्यकताओं को गोवंश के समुचित देखभाल के निर्देश दिए

गोरखपुर, एजेंसी। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान रविवार सुबह जनता दर्शन के माध्यम से जनसेवा करने के साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंदिर की गोशाला में जाकर गोसेवा में भी रमे रहे। उन्होंने गोवंश को खूब दुलारा और उन्हें गुड़ खिलाया। गर्मी को देखते हुए गोशाला के कार्यकताओं को गोवंश के समुचित देखभाल के निर्देश दिए। गोरखनाथ मंदिर प्रवास पर रविवार प्रातः काल सीएम योगी की दिनचर्या परंपरागत रही। उन्होंने गोरखनाथ मंदिर में शिवावतार महायोगी गुरु गोरखनाथ का दर्शन-पूजन किया और अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर जाकर शीश झुकाकर आशीर्वाद लिया। इसके बाद मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए गोशाला में पहुंचे और वहां गोवंश को गुड़ खिलाकर गोसेवा की।

बच्चों की शिक्षा सबसे बड़ी सेवा : हरविंदर भाटिया

कानपुर, एजेंसी। सिख उद्योग व्यापार संगठन उत्तर प्रदेश द्वारा गुरुद्वारा श्री गुरु तेग बहादुर साहिब चौक में ग्रंथी सिंह, रागी सिंह और सेवादारों के पचास बच्चों को निःशुल्क स्कूल बैग एवं कॉपियां वितरित की गईं। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं और उनकी शिक्षा के लिए समाज को आगे आकर सहयोग करना चाहिए। यह बातें शनिवार को हरविंदर सिंह भाटिया बॉबी ने कही। कार्यक्रम के दौरान संगठन की ओर से बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रेरित किया गया। पदाधिकारियों ने बताया कि संस्था पिछले तीन वर्षों से लगातार इस प्रकार की सेवा कर रही है ताकि जरूरतमंद बच्चों को पढ़ाई में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि समाज के सहयोग से इस सेवा कार्य को और अधिक व्यापक बनाया जा सकता है। संगठन की ओर से समाज के लोगों से अपील की गई कि वह इस सेवा अभियान में सहयोग करें, जिससे अधिक से अधिक जरूरतमंद बच्चों तक सहायता पहुंचाई जा सके। कार्यक्रम में हरविंदर सिंह भाटिया बॉबी, कमल भाटिया, अमरजीत सिंह बत्रा, शम्मी सिंह, राजिंदर सिंह, कंवलजीत सिंह और जानी कुमार मौजूद रहे।

केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने अपने संसदीय क्षेत्र में जनसंवाद के दौरान सुनीं लोगों की समस्याएं

मीरजापुर, एजेंसी। अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने रविवार को सरदार पटेल चौराहा स्थित सांसद जनसंपर्क कार्यालय में जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित कर आमजन की समस्याएं सुनीं। जनसंवाद कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे लोगों के साथ ही पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने अपनी समस्याएं केंद्रीय मंत्री के समक्ष रखीं। इस दौरान ग्रामीण विकास, बिजली, शिक्षा एवं स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं प्रमुख रूप से उठाई गईं। अपने संसदीय क्षेत्र में केंद्रीय मंत्री ने संबंधित अधिकारियों से दूरभाष पर वार्ता कर समस्याओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध ढंग से हल किया जाए, ताकि लोगों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। इस दौरान केन्द्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि सरकार आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है और जनप्रतिनिधियों का दायित्व है कि जनता और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जाए।

लखनऊ कलेक्ट्रेट में वकीलों के अवैध चैंबर व दुकानों पर चला बुलडोजर

लखनऊ,एजेंसी। इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश के बाद लखनऊ नगर निगम ने रविवार को जिला अदालत और कलेक्ट्रेट के पास बने करीब 240 अवैध चैंबर और दुकानों पर बुलडोजर कार्रवाई शुरू की गई। नगर निगम लखनऊ की टीम पुलिस और प्रशासन के साथ मौके पर पहुंची और हाईकोर्ट के आदेश के तहत ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू कर दी। कार्रवाई शुरू होते ही बड़ी संख्या में वकील मौके पर जमा हो गए और विरोध प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी करने लगे। इस दौरान पुलिस और वकीलों के बीच तीखी नोकझोंक और धक्का-मुक्की की स्थिति भी बनी। पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करते हुए वकीलों और दुकानदारों को हटाया। फिलहाल मौके पर भारी पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारी तैनात हैं। पुलिस प्रशासन का कहना है कि सड़क,फुटपाथ व नाले पर कब्जा कर वकीलों ने चेंबर बना लिया था। फोटोकॉपी की दुकानें खुल गयी थी। कोर्ट ने अवैध अतिक्रमण तोड़ने का आदेश दिया। इसके बाद नगर निगम की ओर से नोटिस दी गयी। कुछ लोगों ने खुद कब्जा हटा लिया,लेकिन बड़ी संख्या में कब्जे नहीं हटे थे,इसके बाद यह कार्रवाई की गई है। वकील ज्योत्सना सिंह का कहना है कि हाईकोर्ट ने 72 चैंबर तोड़ने का आदेश दिया है,लेकिन जिन चैंबरों को तोड़ने का आदेश हुआ था उन पर बुलडोजर नहीं चला है। उन्होंने यह भी कहा कि हमें पहले से कोई जानकारी नहीं दी गयी।

संपूणार्नंद संस्कृत विश्वविद्यालय के संस्कृत विद्या विभाग के दो विद्यार्थी भारतीय सेना में जे.सी.ओ. बने

अनुशासन, परिश्रम और समर्पण से मिलती है सफलताः कुलपति प्रो. बिहारी लाल शर्मा

वाराणसी,एजेंसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जनपद स्थित सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के संस्कृत विद्या विभाग ने एक बार पुनः अपनी उत्कृष्ट शैक्षणिक परम्परा एवं संस्कारमयी शिक्षा का परिचय देते हुए गौरवपूर्ण उपलब्धि अर्जित की है। विभाग के दो प्रतिभाशाली विद्यार्थियों में श्यामशंकर तिवारी एवं आनन्द द्विवेदी का चयन भारतीय सेना में जूनियर कमीशंड ऑफिसर (जेसीओ) पद पर हुआ है। विद्यार्थियों की इस सफलता से विश्वविद्यालय परिवार में हर्ष एवं गौरव का वातावरण व्याप्त है। छात्रों के सेना में चयन के बाद

विभागाध्यक्ष डॉ. रविशंकर पाण्डेय एवं विभाग के आचार्यों ने दोनों का अभिनन्दन किया। इस अवसर पर आचार्यो ने छात्रों की सफलता को संस्कृत शिक्षा की व्यापक उपयोगिता एवं राष्ट्रनिर्माण में सक्रिय भूमिका का सशक्त उदाहरण बताया। विशेष रूप से छात्र आनन्द द्विवेदी की उपलब्धियाँ विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्त्रोत मानी जा रही हैं। वे प्रारम्भ से ही विभाग के अनुशासित, मेधावी एवं सक्रिय विद्यार्थी रहे हैं। आचार्य पाठ्यक्रम में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने पर उन्हें प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक से सम्मानित किया है। साथ ही उन्होंने छह बार यूजीसी नेट परीक्षा उत्तीर्ण कर अपनी असाधारण शैक्षणिक क्षमता का परिचय दिया है। विभागीय शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में उनकी सक्रिय सहभागिता सदैव उल्लेखनीय रही है।

प्रत्येक राज्य और जनपद स्तर पर बनवाएंगे व्यापारी कल्याण बोर्ड : बालकृष्ण भरतिया

लखनऊ, एजेंसी। स्वदेशी व्यापारी जुटान का नाम परिवर्तित होकर अब स्वदेशी व्यापारी मंच होगा। इसका निर्णय रविवार को अखिल भारतीय बैठक में लिया गया। इस कार्यक्रम में स्वदेशी व्यापारी मंच के 20 राज्यों से अधिक व्यापारियों की उपस्थिति रही। बैठक में निर्णय लिया गया कि प्रत्येक राज्य में जिस प्रकार राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड का गठन है,वैसा ही बोर्ड बनवाया जाएगा और इसको जनपद स्तर पर व्यापारी कल्याण समिति के रूप में विकसित किया जाएगा। यह बातें स्वदेशी व्यापारी मंच के संयोजक बालकृष्ण भरतिया ने एक बैठक के दौरान दी। उन्होंने बताया कि प्रत्येक व्यापारी को निर्यातक बनाने के लिए विशेष प्रशिक्षण शिविर चलाए जाएंगे और इन शिविरों के जरिए व्यापारी को और विकसित किया जाएगा। ई–कॉमर्स की नीति में संशोधन कराते हुए व्यापारी के लिए उचित वातावरण तैयार किया जाएगा। सर्वसम्मति से सभी व्यापारियों ने प्रधानमंत्री द्वारा स्वावलंबी आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए डीजल पेट्रोल ईंधन को कम इस्तेमाल किया जाए,ऐसा संकल्प किया गया। व्यापारी मंच का संयोजक नागपुर से बालकृष्ण भरतिया एवं सह संयोजक लखनऊ से संदीप बंसल को चुना गया। जनपद स्तर पर स्वदेशी व्यापारी मंच की कोर कमेटी गठित हो इसके लिए भी निरंतर प्रवास कार्यक्रम किया जाएगा। बैठक में उपस्थित रहने वाले विभिन्न राज्यों के प्रमुख प्रतिनिधियों में महाराष्ट्र से शंकर ठक्कर, छत्तीसगढ़ से अजय भसीन, सुनील मिश्रा विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश से दरपू प्रसाद रेड्डी जूनागढ़, गुजरात से गोपाल मीणा, हरियाणा से अमित बंसल, दिल्ली से देवेंद्र अग्रवाल, काशी से विपिन गुप्ता, मथुरा से संजय गर्ग, सुल्तानपुर से अमर बहादुर, शाहजहांपुर से नरेंद्र शुक्ला, लखनऊ से प्रदीप अग्रवाल, सुरेश छबलानी, राजीव बंसल आकाश गौतम, अनुज गौतम, शुभम मौर्या, सनत गुप्ता, संजय निधि अग्रवाल, गोरखपुर से सौरभ सिंह, प्रवीण सिंह स्वदेशी जागरण मंच पूर्वी उत्तर प्रदेश के संयोजक अनुपम श्रीवास्तव, अवध क्षेत्र के प्रभारी हमित सिंह भाग्यनगर अहमदाबाद से मनोहर लाल अग्रवाल दिल्ली से हरीश चौधरी, मेरठ से राजीव दिल्ली से स्वदेशी व्यापारी मंच प्रभारी राकेश, सुल्तानपुर से विजय प्रधान, हिमांशु मालवीय, अश्वन वर्मा सहित पांच दर्जन व्यापारी प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

राष्ट्रवाद ही भाजपा कार्यकर्ता की मजबूत पहचान : मुख्यमंत्री

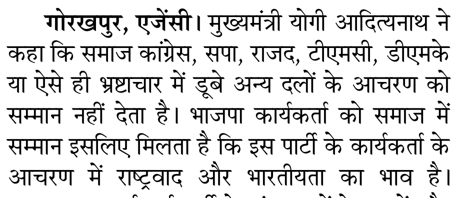

गोरखपुर, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि समाज कांग्रेस, सपा, राजद, टीएमसी, डीएमके या ऐसे ही भ्रष्टाचार में डूबे अन्य दलों के आचरण को सम्मान नहीं देता है। भाजपा कार्यकर्ता को समाज में सम्मान इसलिए मिलता है कि इस पार्टी के कार्यकर्ता के आचरण में राष्ट्रवाद और भारतीयता का भाव है। भाजपा का कार्यकर्ता पार्टी के संस्थापकों के मूल्यों और आदर्शों पर चलते हुए देश की एकता और अखंडता के लिए शुचिता और पारदर्शिता से आचरण और तदनुरूप कार्य करता है। मुख्यमंत्री योगी रविवार को गोरखपुर के सहजनवा विधानसभा क्षेत्र स्थित तेनुआ टोल प्लाजा के समीप एक रिजॉर्ट में भाजपा के जिला प्रशिक्षण वर्ग के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026 के अंतर्गत पार्टी की जिला इकाई की तरफ से आयोजित इस प्रशिक्षण वर्ग में शामिल प्रतिभागियों को राष्ट्र प्रथम के भाव से अनवरत आगे बढ़ते रहने को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा, संस्कृति, सुशासन और समृद्धि को जोड़ने का काम करने वाली भाजपा एकलौती पार्टी है।

बरेली में 70 लाख की अफीम के साथ दो गिरफ्तार, झारखंड से लाकर उत्तराखंड में करनी थी सप्लाई

बरेली, एजेंसी। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) यूनिट बरेली और देवरनियां पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में 13 किलो अफीम के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यह दोनों अंतरराज्यीय तस्कर गिरोह के सदस्य हैं। इनसे बरामद अफीम की कीमत करीब 70 लाख रुपये आंकी गई है। एएनटीएफ की टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि तस्करी की बड़ी खेप लेकर दो लोग बरेली पहुंचे हैं। इसके बाद इस पर एएनटीएफ यूनिट बरेली के प्रभारी उपनिरीक्षक विकास यादव, कांस्टेबल सौरभ चौधरी, अंकित यादव, कुश कुमार, रसविंद्र चौधरी, विनीत कुमार और महिला कांस्टेबल छाया के अलावा देवरनियां थाने के उपनिरीक्षक पुष्पेंद्र शर्मा और कांस्टेबल शिवम कुमार की टीम ने घेराबंदी कर दोनों को 16 मई की रात बरेली-बहेड़ी हाईवे पर ताज ब्रिक इंडस्ट्रीज जाने वाले रास्ते के सामने ग्राम बिचपुरी, थाना देवरनियां क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया।

संपादकीय

सोना न खरीदने की अपील : तब और अब का भारत

यह भी साफ रहना चाहिए कि सोने पर संयम से हासिल क्या होता है। अगर सोने का आयात घटता है तो विदेशी मुद्रा पर दबाव कुछ कम पड़ता है, चालू खाता घाटा नियंत्रित होता है और रुपये को थोड़ी राहत मिलती है। यह सब वास्तविक आर्थिक लाभ हैं। लेकिन इससे रोजगार पैदा नहीं होता, किसी की आय नहीं बढ़ती और न ही गरीबी सीधे कम होती है। इसलिए सोने पर संयम को उसी रूप में समझना चाहिए जिस रूप में वह है?

हाल ही में हैदराबाद से प्रधानमंत्री ने देशवासियों से अपील की कि जहां तक हो सके सोना मत खरीदिए, विदेश यात्राएं टालिए, तेल बचाइए और जितना संभव हो उतना घर से काम कीजिए। समय मुश्किल है, इसलिए सरकार की चिंता समझ में आती है। पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध ने पूरी दुनिया के ऊर्जा बाजार को अस्थिर कर दिया है। जून 2025 में शुरू हुए ईरान-इजरायल संघर्ष का असर स्वाभाविक तौर पर भारत ने भी महसूस किया, क्योंकि होर्मुज जलडमरूमध्य– जहां से भारत में आयात होने वाले कच्चे तेल के जहाज गुजरते हैं– वह ईरानी दबाव के कारण अनिश्चितता के घेरे में आ गया। ऐसे में तेल की कीमतें बढ़ीं, भारतीय रुपये पर दबाव बढ़ा, विदेशी निवेश वापस हुआ, और आयात बिल और भी भारी हो गया। ऐसे समय में सरकार नागरिकों से संयम की अपील करना बहुत स्वाभाविक सी बात है।

लेकिन इस अपील को समझने के लिए 1967 याद करना जरूरी है, क्योंकि तब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भी देश से लगभग ऐसी ही अपील की थी। फर्क यह है कि तब का भारत और आज के भारत की आर्थिक वास्तविकताएं बिल्कुल अलग हैं। 1967 में भारत की जीडीपी मुश्किल से 50 अरब डॉलर थी। विदेशी मुद्रा भंडार इतने सीमित थे कि अक्सर कुछ हफ्तों के आयात की भी चिंता खड़ी हो जाती थी। लगातार सूखा पड़ना, 1965 के युद्ध के बाद अमेरिकी खाद्य सहायता रुकना और विश्व बैंक तथा आईएमएफ का दबाव– इन सबने भारत को ऐसी स्थिति में पहुंचा दिया था जहां 1966 में रुपये का भारी अवमूल्यन लगभग मजबूरी बन गया। रुपया 4.76 से गिरकर 7.50 प्रति डॉलर पर पहुंच गया और अर्थव्यवस्था उस वर्ष सिकुड़ गई। वह केवल आर्थिक दबाव नहीं था; बल्कि भारत सचमुच अस्तित्व के संकट से गुजर रहा था।

कब तक दोहराई जाती रहेंगी निर्भया जैसी त्रासदियां?

> दुनियाभर में बालिकाओं के अस्तित्व एवं अस्मिता के लिये जागरूकता एवं आन्दोलनों के बावजूद बालिकाओं पर अत्याचार बढ़ते जा रहे हैं। हमारे देश में भी ऐसा ही हो रहा है, बालिकाओं की स्थिति, लड़कियों की तुलना में लड़कों की बढ़ती संख्या, तलाक के बढ़ते मामले, गांवों में बालिका की अशिक्षा, कुपोषण एवं शोषण, बालिकाओं की सुरक्षा, बालिकाओं के साथ होने वाली बलात्कार की घटनाएं, अश्लील हरकतें और विशेष रूप से उनके खिलाफ होने वाले अपराधों पर प्रभावी चर्चा एवं कठोर निर्णयों से एक सार्थक वातावरण का निर्माण किये जाने की अपेक्षा है।

ललित गर्ग

दिल्ली के नांगलोई में एक निजी बस के भीतर महिला के साथ हुई बस कंडक्टर एवं ड्राइवर के दुष्कर्म की घटना ने एक बार फिर पूरे देश की चेतना को झकझोर दिया है। यह घटना केवल एक आपराधिक वारदात नहीं, बल्कि उस भयावह सामाजिक और प्रशासनिक विफलता का आईना है, जो वर्षों से हमारे सामने खड़ी है। चौदह वर्ष पहले निर्भया कांड के बाद देश की सड़कों पर जनसैलाब उमड़ा था। लोगों ने सोचा था कि अब व्यवस्था बदलेगी, कानून सख्त होंगे, महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित होगी और समाज अपनी सोच बदलेगा। लेकिन आज जब उसी प्रकार की घटनाएं पुनः पुनः सामने आती हैं, तब यह प्रश्न और भी तीखा होकर उठता है कि आखिर हम बदले कहां हैं? सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर बार-बार ऐसी घटनाएं क्यों हो रही हैं? इसका उत्तर केवल कानून की कमजोरी में नहीं, बल्कि समाज की उस विकृत मानसिकता में छिपा है, जहां महिला को आज भी बराबरी के सम्मान के साथ नहीं देखा जाता। आधुनिकता के चमकदार दावों के बीच भी पुरुष प्रधान सोच का अंधेरा जस का तस मौजूद है। महिलाओं को व्यक्ति नहीं, बल्कि उपभोग की वस्तु मानने वाली सोच आज भी अनेक मन-मस्तिष्कों में गहराई तक बैठी हुई है। यही कारण है कि सार्वजनिक स्थानों, कार्यस्थलों, स्कूल-कॉलेजों और यहां तक कि घरों के भीतर भी महिलाएं असुरक्षा का अनुभव करती हैं।

विडंबना यह है कि विज्ञान, तकनीक और आर्थिक विकास के इस दौर में भी समाज स्त्री के सम्मान और सुरक्षा के बुनियादी संस्कार विकसित नहीं कर पाया। बच्चों को शिक्षा तो दी जा रही है, लेकिन संवेदनाएं नहीं दी जा रहीं। घरों में बेटियों पर नियंत्रण और बेटों को छूट देने वाली मानसिकता आज भी कायम है। एक ओर लड़कियों को ह्लसावधान रहनेह्व की नसीहत दी जाती है, दूसरी ओर लड़कों को अपने व्यवहार और दृष्टि की मयार्दा सिखाने की गंभीर कोशिश बहुत कम दिखाई देती है। यही असंतुलन आगे चलकर अपराधों की जमीन तैयार करता है। प्रश्न यह भी है कि प्रशासन बार-बार ऐसी घटनाओं को रोकने में नाकाम क्यों हो रहा है? निर्भया कांड के बाद महिला सुरक्षा को लेकर बड़े-बड़े दावे किए गए थे। सीसीटीवी कैमरे, महिला हेल्पलाइन, फास्ट ट्रैक कोर्ट, पुलिस गश्त और सार्वजनिक परिवहन में सुरक्षा उपायों की लंबी घोषणाएं हुईं। लेकिन वास्तविकता यह है कि इन व्यवस्थाओं का बड़ा हिस्सा कागजों और भाषणों तक सीमित रह गया। निजी बसें आज भी बिना पर्याप्त निगरानी के चल रही हैं। कई स्थानों पर चालक और परिचालकों का समुचित सत्यापन तक नहीं होता। सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन अक्सर केवल औपचारिकता बनकर रह जाता है।

दुनियाभर में बालिकाओं के अस्तित्व एवं अस्मिता के लिये जागरूकता एवं आन्दोलनों के बावजूद बालिकाओं पर अत्याचार बढ़ते जा रहे हैं। हमारे देश में भी ऐसा ही हो रहा है, बालिकाओं की स्थिति, लड़कियों की तुलना में लड़कों की बढ़ती संख्या, तलाक के बढ़ते मामले, गांवों में बालिका की अशिक्षा, कुपोषण एवं शोषण, बालिकाओं की सुरक्षा, बालिकाओं के साथ होने वाली बलात्कार की घटनाएं, अश्लील हरकतें और विशेष रूप से उनके खिलाफ होने वाले अपराधों पर प्रभावी चर्चा एवं कठोर निर्णयों से एक सार्थक वातावरण का निर्माण किये जाने की अपेक्षा है। क्योंकि एक टीस-सी मन में उठती है कि आखिर महिलाएं एवं बालिकाओं कब तक भोग की वस्तु बनी रहेगी? उसका जीवन कब तक खतरों से घिरा रहेगा? बलात्कार, छेड़खानी, भ्रूण हत्या और दहेज की धधकती आग में वह कब तक भस्म होती रहेगी? कब तक उसके अस्तित्व एवं अस्मिता को नौचा जाता रहेगा?

सच्चाई यह है कि हमारी व्यवस्था अपराध होने के बाद सक्रिय होती है, अपराध रोकने के लिये नहीं। हर बार घटना के बाद गिरफ्तारी, जांच और बयानबाजी होती है, लेकिन अपराध की जड़ों तक पहुंचने की गंभीर पहल नहीं दिखाई देती। राजनीतिक दल कुछ दिनों तक आरोप-प्रत्यारोप करते हैं, मीडिया में बहस चलती है और फिर धीरे-धीरे सब कुछ सामान्य मान लिया जाता है। लेकिन जिन परिवारों की बेटियां इस अमानवीयता का शिकार होती हैं, उनके जीवन में भय, पीड़ा और असुरक्षा स्थायी घाव बनकर रह जाते हैं। यह भी विचारणीय है कि आखिर महिलाएं और बालिकाएं बार-बार ऐसे अत्याचारों का शिकार क्यों बन रही हैं? इसका कारण केवल अपराधियों की क्रूरता नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदनहीनता भी है। सार्वजनिक स्थलों पर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सामूहिक जिम्मेदारी का अभाव दिखाई देता है। लोग तमाशबीन बन जाते हैं। कई बार पीड़िता को ही कठघरे में खड़ा कर दिया जाता है-उसके कपड़े, समय, जीवनशैली और व्यवहार पर सवाल उठाए जाते हैं। यह मानसिकता अपराधियों का मनोबल बढ़ाती है, क्योंकि उन्हें पता होता है कि समाज पूरी तरह पीड़िता के साथ खड़ा नहीं होगा। कब तक महिलाएं अपने ही शहरों, बसों, गलियों और कार्यस्थलों पर भय के साथ जीती रहेंगी? कब तक माता-पिता अपनी बेटियों के घर लौटने तक चिंता में डूबे रहेंगे? यह प्रश्न केवल महिलाओं का नहीं, बल्कि पूरे समाज की आत्मा का प्रश्न है। जिस समाज में आधी आबादी स्वयं को सुरक्षित महसूस न करे, वह समाज वास्तव में सभ्य नहीं कहलाया जा सकता।

आज आवश्यकता केवल कठोर कानूनों की नहीं, बल्कि कठोर सामाजिक आत्ममंथन की है। कानून अपराधी को दंड दे सकता है, लेकिन समाज ही मानसिकता बदल सकता है। स्कूलों और परिवारों में लैंगिक संवेदनशीलता की शिक्षा अनिवार्य होनी चाहिए। बेटियों को भय में जीना नहीं, बल्कि सम्मानपूर्वक जीना सिखाना होगा। फिल्मों, सोशल मीडिया और विज्ञापनों में स्त्री की वस्तुवादी छवि पर भी गंभीर विमर्श जरूरी है, क्योंकि संस्कृति और मनोरंजन भी समाज की सोच को प्रभावित करते हैं। प्रशासन को भी केवल घटनाओं के बाद की कार्रवाई तक सीमित नहीं रहना चाहिए। सार्वजनिक परिवहन में रियल-टाइम जीपीएस, सीसीटीवी, पैनिक बटन और नियमित निगरानी को पूरी कठोरता से लागू करना होगा। निजी परिवहन संचालकों और कर्मचारियों का गहन सत्यापन अनिवार्य किया जाना चाहिए। पुलिस व्यवस्था को अधिक संवेदनशील, जवाबदेह और सक्रिय बनाना होगा। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि समाज को यह समझना होगा कि महिला सुरक्षा कोई ह्लमहिला मुद्दाह्व नहीं, बल्कि मानवता और सभ्यता का प्रश्न है। जब तक स्त्री को समान सम्मान, स्वतंत्रता और सुरक्षा नहीं मिलेगी, तब तक विकास के सारे दावे अधूरे रहेंगे।

नांगलोई की यह घटना केवल एक समाचार नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए चेतावनी है। यदि अब भी हम नहीं जागे, तो निर्भया जैसी त्रासदियां बार-बार हमारे सामने आती रहेंगी और हर बार हमारी संवेदनहीनता, हमारी प्रशासनिक विफलता और हमारी विकृत मानसिकता हमें कठघरे में खड़ा करती रहेगी।

नीट-यूजी पेपर लीक प्रकरण 2026- दोबारा परीक्षा 21 जून को

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

नीट परीक्षा 2027 से पूरी तरह कंप्यूटर आधारित -सवाल वही डिजिटल युग, पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था का संकटः क्या तकनीक से तेज हो गया है परीक्षा माफियाओं का नेटवर्क?

भारत में प्रतियोगी परीक्षाएं केवल रोजगार या प्रवेश का माध्यम नही, करोड़ों युवाओं के सपनों, सामाजिक प्रतिष्ठा और भविष्य की दिशा निर्धारित करने वाली जीवनरेखा हैं

ह्लमुन्ना भाई एम.बी.बी.एस मॉडल अब तकनीक- संचालित संगठित अपराध में बदल चुका है,जहां डमी कैंडिडेट, डिजिटल इंपसोर्नेशन, बायोमेट्रिक धोखाधड़ी और प्रश्नपत्र खरीद-फरोख्त एक समानांतर उद्योग का रूप ले चुके हैं

वैश्विक स्तरपर भारत आज उस दौर से गुजर रहा है जहां एक ओर डिजिटल क्रांति ने शासन,प्रशासन,शिक्षा, स्वास्थ्य, बैंकिंग, व्यापार और नागरिक सुविधाओं को अभूतपूर्व गति दी है,वहीं दूसरी ओर इसी तकनीकी विस्तार ने साइबर अपराध,डेटा चोरी, डिजिटल धोखाधड़ी और संगठित परीक्षा माफियाओं को भी नई ताकत प्रदान कर दी है। आधुनिक तकनीक ने जीवन को आसान बनाया,लेकिन इसी तकनीक का दुरुपयोग व्यवस्था की विश्वसनीयता को चुनौती देने लगा है।विशेष रूप से शिक्षाक्षेत्र में तकनीक आधारित अपराधों ने जिस प्रकार प्रवेश किया है,उसने देश की सबसे प्रतिष्ठित परीक्षाओं की साख तक को हिला दिया है।भारत में प्रतियोगी परीक्षाएं केवल रोजगार या प्रवेश का माध्यम नहीं हैं, बल्कि करोड़ों युवाओं के सपनों, सामाजिक प्रतिष्ठा और भविष्य की दिशा निर्धारित करने वाली जीवनरेखा हैं।जब इन्हीं परीक्षाओं की गोपनीयता पर सवाल उठने लगें, तब यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं रह जातीबल्कि राष्ट्रीय नैतिक संकट का रूप ले लेती है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि, वर्ष 2026 का नीट-यूजी पेपर लीक प्रकरण इसी गहराते संकट का सबसे बड़ा उदाहरण बनकर सामने आया है। 3 मई 2026 को आयोजित हुई मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी को पेपर लीक और व्यापक अनियमितताओं के आरोपों के बाद रद्द करना पड़ा, सरकार ने पुनः परीक्षा की तिथि 21 जून 2026 घोषित की तथा यह भी स्पष्ट किया कि वर्ष 2027 से नीट परीक्षा पूरी तरह कंप्यूटर आधारित यानी सीबीटी मोड में आयोजित की जाएगी। यह निर्णय भारतीय परीक्षा प्रणाली में एक बड़े परिवर्तन का संकेत माना जा रहा है। 22 लाख से अधिक विद्यार्थियों की महीनों की मेहनत, मानसिक तनाव और अभिभावकों की अपेक्षाएं अचानक अनिश्चितता में बदल गईं। पूरे देश में छात्रों के विरोध प्रदर्शन, सोशल मीडिया अभियानों और परीक्षा प्रणाली पर तीखे सवालों ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत की परीक्षा व्यवस्था अब केवल प्रशासनिक सुधारों से नहीं, बल्कि संरचनात्मक परिवर्तन की मांग कर रही है। विडंबना यह है कि यह संकट ऐसे समय सामने आया, जब सरकार ने वर्ष 2024 में ह्लपब्लिकएग्जामिनेशंस (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) एक्ट 2024ह्व लागू किया था। इस कानून को आम भाषा में ह्लएंटी पेपर लीक कानूनह्व कहा जाने लगा। दावा किया गया था कि अब पेपर लीक जैसे अपराधों पर निर्णायक रोक लगेगी, दोषियों को कठोर दंड मिलेगा और परीक्षा प्रणाली अधिक सुरक्षित बनेगी। इस कानून के अंतर्गत संगठित नकल, प्रश्नपत्र लीक, डिजिटल हैकिंग, फजीर्वाड़ा और परीक्षा प्रक्रिया में तकनीकी हस्तक्षेप जैसे अपराधों के लिए कड़ी सजा और भारी जुमार्ने का प्रावधान किया गया था। लेकिन 2026 के नीट कांड ने यह दिखा दिया कि केवल कानून बना देना पर्याप्त नहीं होता; अपराधी नेटवर्क यदि तकनीकी रूप से अधिक उन्नत और संगठित हो जाएं, तो वे कानून की कमजोरियों और प्रशासनिक ढिलाई का आसान व सटीकता से रास्ता खोज लेते हैं।

साथियों, आज का पेपरमाफिया पारंपरिक अपराधीनहीं रह गया है। यह एक अत्यंत संगठित, बहुस्तरीय और तकनीकी रूप से दक्ष नेटवर्क में बदल चुका है। इसमें शिक्षा संस्थानों से जुड़े लोग,कोचिंग नेटवर्क, साइबर अपराधी, डेटा ब्रोकर, स्थानीय एजेंटतकनीकी विशेषज्ञ और कई बार भ्रष्ट अधिकारी तक शामिल पाए जाते हैं। यही कारण है कि प्रश्नपत्र लीक की घटनाएं केवल किसी एक राज्य या परीक्षा तक सीमित नहीं रह गईं। यह समस्या राष्ट्रीय स्तर पर फैल चुकी है। तकनीक का उपयोग अब केवल पढ़ाई या ऑनलाइन आवेदन तक सीमित नहीं है, बल्कि ब्लूटूथ डिवाइस, माइक्रो ईयरपीस, एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग, डार्क वेब चैनल और डिजिटल भुगतान नेटवर्क के जरिए संगठित धोखाधड़ी को आसान व सटीकता से अंजाम दिया जा रहा है।

साथियों, नीट-यूजी 2026 विवाद के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने 15 मई 2026 को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि दोषियों को पाताल से भी ढूंढ निकाला जाएगा और किसी भी स्तर पर अपराधियों को बख्शा नहीं जाएगा। यह बयान केवल राजनीतिक प्रतिक्रिया नहीं था, बल्कि उस जनआक्रोश

हमारे शहरों के असली हीरो : सफाई कर्मचारी

डॉ. सत्यवान सौरभ

किसी भी शहर की पहचान उसकी ऊँची इमारतों, चौड़ी सड़कों या चमकती रोशनियों से नहीं, बल्कि उसकी स्वच्छता और व्यवस्था से होती है। जब कोई व्यक्ति किसी शहर में प्रवेश करता है, तो सबसे पहले उसकी नजर वहाँ की साफ-सफाई, वातावरण और नागरिक अनुशासन पर जाती है। स्वच्छ शहर केवल सुंदर नहीं दिखते, बल्कि वे बेहतर स्वास्थ्य, सुरक्षित जीवन और सभ्य समाज का प्रतीक भी होते हैं। लेकिन इस स्वच्छता के पीछे जिन लोगों का सबसे बड़ा योगदान होता है, वे अक्सर समाज की चर्चा और सम्मान से दूर रह जाते हैं। ये लोग हैं हमारे सफाई कर्मचारी – वे अनदेखे, अनसुने और उपेक्षित नायक, जिनके श्रम पर पूरे शहर की व्यवस्था टिकी होती है।

हाल ही में विभिन्न नगरों में सफाई कर्मचारियों की हड़ताल ने लोगों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि यदि ये कर्मचारी अपना काम बंद कर दें, तो शहरों का जीवन कितनी जल्दी अस्त-व्यस्त हो सकता है। कुछ ही दिनों में सड़कों पर कचरे के ढेर लग गए, नालियाँ जाम हो गईं, बदबू फैलने लगी और बीमारियों का खतरा बढ़ गया। लोगों को पहली बार महसूस हुआ कि जिन सफाई कर्मचारियों को वे सामान्य कर्मचारी समझते हैं, वास्तव में वही शहर की धड़कन हैं।

विडंबना यह है कि हम आधुनिकता और विकास के बड़े-बड़े दावे तो करते हैं, लेकिन नागरिक जिम्मेदारियों के मामले में अभी भी बहुत पीछे हैं। हमारे शहरों में बड़ी संख्या में लोग सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकना, प्लास्टिक सड़क पर छोड़ देना और गंदगी फैलाना सामान्य बात समझते हैं। घर के भीतर सफाई रखने वाले लोग भी घर का कचरा बाहर सड़क पर डालकर अपनी जिम्मेदारी समाप्त मान लेते हैं। यही कारण है कि सफाई कर्मचारियों की अनुपस्थिति में शहर कुछ ही दिनों में कूड़े के ढेर में बदलने लगते हैं।

यह स्थिति केवल प्रशासनिक कमजोरी नहीं, बल्कि हमारी कमजोर ़ू शैल्लरी का प्रमाण भी है। विकसित देशों में नागरिक स्वयं स्वच्छता के प्रति जागरूक रहते हैं। वहाँ लोग सड़क पर कचरा फेंकना सामाजिक अपराध मानते हैं। लेकिन हमारे यहाँ स्वच्छता को अब भी केवल सफाई कर्मचारियों और नगर निगम की जिम्मेदारी समझा जाता है। जब तक समाज स्वयं स्वच्छता को अपनी संस्कृति और आदत का हिस्सा नहीं बनाएगा, तब तक किसी भी सरकारी अभियान की सफलता अधूरी रहेगी। सफाई कर्मचारियों का जीवन संघर्षों से भरा होता है। वे सुबह-सुबह तब काम शुरू कर देते हैं जब अधिकांश लोग नींद में होते हैं। तेज गर्मी, कड़ाके की सर्दी, बरसात या महामारी – हर परिस्थिति में वे सड़कों, गलियों और नालियों की सफाई करते हैं। कई बार उन्हें बिना पर्याप्त सुरक्षा उपकरणों के बेहद अस्वास्थ्यकर परिस्थितियों में काम करना पड़ता है। सीवर की सफाई करते समय जहरीली गैसों के कारण हर वर्ष कई कर्मचारियों की मृत्यु हो जाती है। इसके बावजूद समाज उन्हें वह सम्मान नहीं देता जिसके वे वास्तव में अधिकारी हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान जब पूरा देश घरों में बंद था, तब डॉक्टरों, पुलिसकर्मियों और सफाई कर्मचारियों ने अपनी जान जोखिम में डालकर समाज को सुरक्षित रखने का कार्य किया। उस समय लोगों ने ताली और थाली बजाकर उनका सम्मान तो किया, लेकिन समय बीतने के साथ हम फिर उन्हें भूल गए। आज भी अनेक सफाई कर्मचारी अस्थायी नौकरी, कम वेतन और असुरक्षित कार्य परिस्थितियों में काम करने को मजबूर हैं। समाज का एक बड़ा वर्ग अब भी सफाई कार्य को हीन दृष्टि से देखता है। यह मानसिकता केवल गलत ही नहीं, बल्कि अमानवीय भी है। कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता। यदि सफाई कर्मचारी एक दिन काम बंद कर दें, तो पूरे शहर की व्यवस्था ठप पड़ सकती है। इसलिए उनका कार्य केवल नौकरी नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और सामाजिक जीवन की रक्षा का कार्य है।

इस पूरी स्थिति का सबसे पीड़ादायक दृश्य तब दिखाई देता है जब सड़कों पर फैले कचरे में गायों को भोजन खोजते देखा जाता है। भारतीय समाज में गाय को माता का दर्जा दिया जाता है, लेकिन वास्तविकता यह है कि वही गायें प्लास्टिक, सड़ा भोजन और जहरीला कचरा खाने को मजबूर हैं। यह दृश्य हमारी सामाजिक संवेदनहीनता को उजागर करता है। श्रद्धा केवल शब्दों और नारों से नहीं, बल्कि व्यवहार से सिद्ध होती है। यदि हम सचमुच गाय को पूजनीय मानते हैं, तो हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि वह कचरे में भोजन तलाशने के लिए मजबूर न हो।

आज शहरों में बढ़ती प्लास्टिक समस्या ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। लोग बिना सोचे-समझे प्लास्टिक का उपयोग करते हैं और उसे खुले में फेंक देते हैं। यही प्लास्टिक नालियों को जाम करती है, पर्यावरण को प्रदूषित करती है और जानवरों के लिए जानलेवा बन जाती है। सफाई कर्मचारी प्रतिदिन इस गंदगी से जूझते हैं, लेकिन समस्या की जड़ नागरिकों की लापरवाही में छिपी हुई है।

सरकारें समय-समय पर स्वच्छता अभियान चलाती हैं। ह्लस्वच्छ भारत अभियानह्व ने लोगों में जागरूकता पैदा करने का प्रयास किया, लेकिन केवल अभियान चलाने से स्थायी परिवर्तन नहीं आता। जब तक नागरिक स्वयं जिम्मेदारी नहीं निभाएँगे, तब तक स्वच्छता केवल सरकारी पोस्टरों और नारों तक सीमित रहेगी। हमें यह समझना होगा कि सफाई केवल नगर निगम की जिम्मेदारी नहीं है। हर नागरिक का यह कर्तव्य है कि वह अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखे। कचरा अलग-अलग श्रेणियों में बाँटना, प्लास्टिक का कम उपयोग करना, सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी न फैलाना और दूसरों को भी जागरूक करना – ये छोटी-छोटी आदतें बड़े परिवर्तन ला सकती हैं। साथ ही सफाई कर्मचारियों के अधिकारों और सम्मान की रक्षा भी उतनी ही आवश्यक है। उन्हें उचित वेतन, स्थायी रोजगार, स्वास्थ्य सुविधाएँ और सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। सीवर सफाई जैसी खतरनाक प्रक्रियाओं में मशीनों का अधिक उपयोग होना चाहिए ताकि मानव जीवन जोखिम में न पड़े।

शिक्षा व्यवस्था में भी स्वच्छता और नागरिक जिम्मेदारी को व्यवहारिक रूप में शामिल करने की आवश्यकता है। बच्चों को केवल किताबों में स्वच्छता का पाठ पढ़ाने से काम नहीं चलेगा, बल्कि उन्हें व्यवहार में इसे अपनाने की प्रेरणा देनी होगी। जब नई पीढ़ी स्वच्छता को आदत बनाएगी, तभी समाज में वास्तविक परिवर्तन संभव होगा।

मीडिया और समाज को भी सफाई कर्मचारियों की समस्याओं और योगदान को प्रमुखता से सामने लाना चाहिए। आमतौर पर लोग उन्हें तभी याद करते हैं जब हड़ताल होती है या शहर में गंदगी फैलती है।

सरकारी स्कूलों की चुनौतियां और बदलता शिक्षा परिदृश्य

अरुण कुमार डनायक

शिक्षा केवल साक्षरता नहीं है, बल्कि दीर्घकालिक आर्थिक विकास और लोकतांत्रिक सशक्तिकरण की आधारशिला है। अतः नीतिगत बदलाव के नाम पर अव्यवहार्य योजनाओं को पुनर्जीवित करने और पाठ्यक्रम से छेड़छाड़ करने के बजाय, मौजूदा स्कूल अधोसंरचना, शिक्षक क्षमता और शिक्षण गुणवत्ता में निरंतर निवेश करना अधिक आवश्यक है।

शिक्षा किसी भी राष्ट्र की आर्थिक प्रगति, सामाजिक गतिशीलता और लोकतांत्रिक सशक्तिकरण की आधारशिला है। शिक्षा पर जीडीपी का 6प्रतिशत व्यय करने की दशकों पुरानी सिफारिश के बावजूद भारत अभी भी लगभग 4.6प्रतिशत पर अटका हुआ है। यह निवेश अंतर सीखने की गुणवत्ता को सीमित करने के अलावा भारत की प्रगति की गहराई, समावेशिता और दीर्घकालिक स्थिरता पर भी संरचनात्मक बाधाएं खड़ी करता है।

नीति आयोग की मई 2026 में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय स्कूली शिक्षा संरचनात्मक असंतुलन, अवसंरचना की कमी, शिक्षक संकट और शासन कमजोरियों से जूझ रही है। देश में 7.3 लाख प्राथमिक विद्यालय हैं, जबकि उच्चतर माध्यमिक स्तर पर यह संख्या घटकर मात्र 1.42 लाख रह जाती है। प्राथमिक से उच्चतर माध्यमिक तक निरंतर शिक्षा देने वाले स्कूलों की कमी के कारण छात्रों को बार-बार स्कूल बदलना पड़ता है, जिससे ग्रामीण, गरीब और बालिका विद्यार्थियों की शैक्षणिक निरंतरता प्रभावित होती है। कई विद्यालय न्यूनतम नामांकन के कारण आर्थिक व प्रशासनिक रूप से अप्रभावी हैं। कुछ विद्यालयों में नामांकन न होने के बावजूद वे प्रशासनिक संरचना में बने हुए हैं, जिससे संसाधनों की दक्षता पर प्रश्न उठते हैं। एक गंभीर समस्या एकल-शिक्षक विद्यालयों की है – देश में एक लाख से अधिक स्कूलों में एक ही शिक्षक को शिक्षण के साथ प्रशासनिक दायित्व भी निभाने पड़ते हैं, जिससे गुणवत्ता प्रभावित होती है।

अवसंरचना के स्तर पर पिछले वर्षों में सुधार के बावजूद स्थिति अभी भी चिंताजनक है। नीति आयोग के अनुसार लगभग 1.19 लाख विद्यालयों में बिजली उपलब्ध नहीं है। 14,505 विद्यालयों में पीने के पानी की सुविधा नहीं है और लगभग 60,000 विद्यालयों में हाथ धोने की व्यवस्था नहीं है। बालिका शिक्षा के लिए शौचालयों की कमी गंभीर है। करीब 98,592 स्कूलों में कार्यशील बालिका शौचालय नहीं हैं, जिससे किशोरियों की उपस्थिति और निरंतरता प्रभावित होती है।

विज्ञान शिक्षा कमजोर है– मात्र 51.7 प्रतिशत सरकारी माध्यमिक स्कू लों में कार्यात्मक प्रयोगशालाएं हैं। पुस्तकालय मुख्यतः भंडारण तक सीमित हैं। डिजिटल अवसंरचना की असमानता, विशेषकर बिहार और पूर्वोत्तर राज्यों में, नई शिक्षा नीति के लक्ष्यों को प्रभावित कर रही है। राष्ट्रीय शिक्षण आकलन रिपोर्टें दर्शाती हैं कि अनेक विद्यार्थी कक्षा के अनुरूप पढ़ने और गणितीय दक्षता हासिल नहीं कर पा रहे हैं इसलिए केवल नामांकन नहीं, सीखने की गुणवत्ता सुधारना भी आवश्यक है।

बालिकाओं के नामांकन में बढ़ोतरी के बावजूद, घरेलू काम, बाल विवाह, सुरक्षा, परिवहन और सुविधाओं की कमी के चलते माध्यमिक स्तर पर ड्रॉपआउट दर अधिक बनी हुई है। प्रवासी बच्चों की स्थिति बदतर है, वे भाषा, दस्तावेजों की कमी और बार-बार स्कूल बदलने से शिक्षा से वंचित हो जाते हैं। शिक्षकों में पर्याप्त जागरूकता व प्रशिक्षण के अभाव के कारण सीखने की अक्षमताएं–जैसे डिस्लेक्सिया और डिस्कैल्कुलिया–अक्सर पहचान से बाहर रह जाती हैं। भारतीय शिक्षा प्रशासन केंद्र, राज्य, जिला, ब्लॉक और पंचायत स्तरों पर विभाजित है। बहु-स्तरीय प्रशासन में भूमिकाओं की अस्पष्टता और ओवरलैप से निर्णय-प्रक्रिया धीमी हो जाती है। कई राज्यों में शिक्षकों के पद रिक्त हैं। विद्यालय प्रमुखों की नियुक्ति वरिष्ठता के आधार पर होती है, न कि नेतृत्व क्षमता पर। निरीक्षण प्रणाली शिक्षण गुणवत्ता की अपेक्षा कागजी अनुपालन तक सीमित रहती है। शिक्षक गैर-शैक्षणिक कार्यों (सर्वेक्षण, चुनाव ड्यूटी आदि) में व्यस्त रहते हैं, जिससे वास्तविक शिक्षण समय कम हो जाता है। इन चुनौतियों से परेशान अभिभावक निजी स्कूलों की ओर तेजी से जा रहे हैं। नीति आयोग की रिपोर्ट बताती है कि सरकारी स्कूलों का नामांकन 2005 के 71प्रतिशत से घटकर 2024-25 में 49प्रतिशत रह गया है, जबकि निजी स्कूलों की माध्यमिक स्तर पर हिस्सेदारी 44 प्रतिशत पहुंच गई है। अभिभावक बेहतर अंग्रेजी, अनुशासन और बालकों के भविष्य की उम्मीद में निजी स्कूल चुनते हैं, लेकिन निजी विद्यालयों में भी सीखने के परिणाम कमजोर हैं।

NCR समाचार
संपादकीय कार्यालय
जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार
प्रात: 9:00 से सायं 9:00
फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

एक नजर

सीबीएसई ने कक्षा 9-10 के लिए लागू की तीन भाषा व्यवस्था

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने कक्षा 9-10 के लिए तीन भाषा व्यवस्था लागू कर दी है। इनमें से दो भाषाएं अनिवार्य तौर पर भारतीय होना आवश्यक है। नई व्यवस्था इसी साल एक जुलाई से लागू होगी। सीबीएसई की ओर से 15 मई को जारी एक परिपत्र में यह निर्देश राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 और राष्ट्रीय विद्यालय शिक्षा पाठ्यक्रम (एनसीएफ-एसई) 2023 के अनुरूप है। यह बदलाव 2026-27 शैक्षणिक सत्र के लिए नवीनतम एनसीईआरटी पाठ्यक्रम की समीक्षा के बाद किया गया है। बोर्ड के अनुसार विद्यार्थियों को तीन भाषाएं पढ़नी होंगी। इनमें कम से कम दो भारतीय भाषाएं होना आवश्यक है। हालांकि कक्षा 10 में तीसरी भाषा के लिए कोई बोर्ड परीक्षा आयोजित नहीं की जाएगी। सीबीएसई ने स्पष्ट किया है कि तीसरी भाषा का मूल्यांकन पूरी तरह स्कूल स्तर पर और आंतरिक रूप से किया जाएगा। विद्यार्थियों के प्रदर्शन का उल्लेख सीबीएसई प्रमाणपत्र में किया जाएगा, लेकिन किसी भी छात्र को तीसरी भाषा के आधार पर बोर्ड परीक्षा से वंचित नहीं किया जाएगा। विदेशी भाषाओं को केवल तीसरी भाषा या वैकल्पिक चौथी भाषा के रूप में चुना जा सकेगा। बोर्ड ने कहा कि नई व्यवस्था के लागू कराते समय कक्षा 9 के छात्र फिलहाल कक्षा 6 की तीसरी भाषा की पुस्तकों से पढ़ाई करेंगे। जिन स्कूलों में भाषा शिक्षकों की कमी है, वहां ऑनलाइन शिक्षण, स्कूलों के बीच संसाधन साझा करने और सेवानिवृत्त शिक्षकों की मदद लेने जैसी व्यवस्थाएं अपनाई जाएंगी।

अक्षम हैं शिक्षा मंत्री, इस्तीफा दें धर्मेंद्र प्रधान : खरगे

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए आयोजित नीट परीक्षा के पेपर लीक होने और इस वजह से छात्रों की आत्महत्या की खबरों को लेकर मोदी सरकार पर हमला किया और कहा कि यह सब शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की अक्षमता का परिणाम है इसलिए उन्हें तत्काल अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। श्री खरगे ने शनिवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि मोदी सरकार का 'अमृत काल' भर्ती और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए 'मृत काल' साबित हो रहा है। उन्होंने कहा कि खबरों के अनुसार नीट पेपर लीक से उत्पन्न तनाव और सदमे के कारण कई छात्र-छात्राओं ने आत्महत्या जैसा कदम उठाया है, जो अत्यंत दुखद और चिंताजनक है। कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया कि देश में मोदी सरकार के कार्यकाल में 90 से अधिक पेपर लीक की घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिससे करोड़ों छात्र और उनके परिवार प्रभावित हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बेरोजगारी की समस्या के बीच भाजपा संरक्षित 'पेपर लीक माफिया' युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ कर रहा है और सरकार की निष्पक्ष एवं पारदर्शी परीक्षा कराने की व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर नीट पेपर लीक और छात्रों की आत्महत्या के मुद्दे पर चुप्पी साधने का आरोप लगाते हुए कहा कि 2024 के नीट पेपर लीक मामले में जिन अधिकारियों पर सवाल उठे, उन्हें दंडित करने के बजाय महत्वपूर्ण पद दिए गए। श्री खरगे ने कहा कि स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन ने भी केंद्रीय शिक्षा मंत्री को पत्र लिखा है। उन्होंने कहा कि अब ह्यपानी सिर के ऊपर जा चुका है' इसलिए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को तत्काल इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने श्री मोदी से 'परीक्षा-लीक पर चर्चा' करने की मांग करते हुए कहा कि चुप रहने से समस्या का समाधान नहीं होगा।

21वीं सदी का भारत अवसरों की भूमि : पीएम मोदी

नीदरलैंड में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय समुदाय से निवेश और सहयोग का किया आह्वान

द हेग/नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 21 वीं सदी के भारत को अवसरों की भूमि बताते हुए नीदरलैंड में भारतीय समुदाय से भारत में निवेश तथा सहयोग बढाने का आह्वान किया और विश्वास जताया कि विकसित भारत की यात्रा में वैश्विक भारतीय समुदाय की बड़ी भूमिका होगी। पांच देशों की यात्रा के दूसरे चरण में दो दिन की यात्रा पर शुक्रवार रात यहां पहुंचे श्री मोदी ने शनिवार को भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात की । भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए उन्होंने उन लोगों को दोनों देशों के संबंधों की असली ताकत तथा जीवंत सेतु करार दिया और कहा कि सरकार ने सूरीनामी हिंदुस्तानी समाज के लिए ओसीआई कार्ड पात्रता चौथी पीढ़ी से बढ़ाकर छठी पीढ़ी तक कर दी है। श्री मोदी ने आर्थिक, प्रौद्योगिकी क्षेत्र और लोकतांत्रिक उपलब्धियों को रेखांकित किया तथा उन लोगों से भारत-नीदरलैंड संबंधों को नई ऊंचाई देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत आज 'असीम आकांक्षाओं' और 'असीम प्रयासों' के साथ दुनिया की अग्रणी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि नीदरलैंड के नेताओं ने हमेशा भारतीय प्रवासी समुदाय की प्रशंसा की है और यहां रह रहे भारतीय डच समाज के लोग अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने भारतीय प्रवासियों की सांस्कृतिक जड़ों की सराहना करते हुए कहा कि पीढ़ियां बदलने और देशों की सीमाएं बदलने के बावजूद भारतीयों ने अपनी भाषा, संस्कृति, त्योहार और परंपराओं को जीवित रखा है। उन्होंने कहा कि भारतीय समुदाय केवल प्रवास की कहानी नहीं बल्कि संघर्ष, संस्कृति और प्रगति की जीवंत मिसाल है। भारत की विकास यात्रा का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन चुका है। उन्होंने बताया कि 2014 में भारत में केवल चार यूनिकॉर्न थे जबकि आज यह संख्या करीब 125 तक पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रक्षा, अंतरिक्ष और सेमीकंडक्टर क्षेत्रों में भारतीय स्टार्टअप वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत अब मोबाइल फोन निर्माण में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश बन चुका है और देश में 12 सेमीकंडक्टर संयंत्रों पर काम चल रहा है। उन्होंने दावा किया कि भारत में अब 'डिजाइन्ड इन इंडिया' और 'मेड इन इंडिया' चिप्स का उत्पादन शुरू हो रहा है। उन्होंने डिजिटल इंडिया अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल सार्वजनिक ढांचा विकसित कर चुका है। उन्होंने कहा कि हर महीने भारत में 20 अरब से अधिक यूपीआई लेनदेन हो रहे हैं, जो वैश्विक डिजिटल लेन -देन का आधे से अधिक हिस्सा है।

वैश्विक चुनौतियों का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि महामारी, युद्ध और ऊर्जा संकट के बीच दुनिया विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखला की तलाश कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत और नीदरलैंड मिलकर 'विश्वसनीय, पारदर्शी और भविष्य-उन्मुख' आपूर्ति श्रृंखला विकसित कर रहे हैं। उन्होंने हरित हाइड्रोजन, जल सुरक्षा और व्यापारिक सहयोग को दोनों देशों के रिश्तों का महत्वपूर्ण आधार बताया गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुए ऐतिहासिक व्यापार समझौते से भारत-नीदरलैंड साझेदारी और मजबूत होगी तथा भारतीय व्यवसायों के लिए यूरोप में प्रवेश का प्राकृतिक द्वार नीदरलैंड बनेगा। उन्होंने भारतीय प्रवासी समुदाय को भारत और यूरोप के बीच 'विश्वसनीय सेतु' बताया। खेल के क्षेत्र में सहयोग पर बोलते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि क्रिकेट में भारतीय मूल के खिलाड़ियों ने नीदरलैंड को मजबूत किया है जबकि भारत की हॉकी टीम को डच कोचों से लाभ मिला है। उन्होंने उम्मीद जताई कि हॉकी विश्व कप में चाहे कोई भी जीते, भारत और नीदरलैंड की दोस्ती अवश्य जीतेगी। प्रधानमंत्री ने सूरीनामी हिंदुस्तानी समाज के लिए ओसीआई कार्ड पात्रता चौथी पीढ़ी से बढ़ाकर छठी पीढ़ी तक किए जाने की घोषणा का भी उल्लेख किया। भारतीय समुदाय से भारत में निवेश और सहयोग बढ़ाने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि '21वीं सदी का भारत अवसरों की भूमि है' और विकसित भारत की यात्रा में वैश्विक भारतीय समुदाय की बड़ी भूमिका होगी।

भारत बड़े सपने देख रहा है : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत अब बड़े सपने देख रहा है और देश के युवा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और सेमीकंडक्टर जैसे उभरते क्षेत्रों में देश को आगे ले जाने की आकांक्षा रखते हैं। द हेग में एक कार्यक्रम में भारतीय प्रवासी समुदाय को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज का भारत अभूतपूर्व बदलाव के दौर से गुजर रहा है और तकनीक, नवाचार तथा डिजिटलीकरण के क्षेत्र में वैश्विक नेता बनकर उभरा है। उन्होंने कहा, आज भारत बड़े सपने देख रहा है। भारत के युवा एआई और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में देश को आगे बढ़ाने का सपना रखते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन चुका है। हमारे स्टार्टअप एआई, रक्षा और अंतरिक्ष क्षेत्र में उल्लेखनीय काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत ने हाल ही में दुनिया के सबसे बड़े और सफल एआई शिखर सम्मेलन की मेजबानी की। इससे पहले देश ने सफलतापूर्वक जी-20 शिखर सम्मेलन का आयोजन भी किया था। प्रधानमंत्री ने कहा कि अब ऐसी उपलब्धियां अपवाद नहीं रहीं, बल्कि आधुनिक भारत की पहचान बन चुकी हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने दुनिया का सबसे बड़ा यूनिक पहचान कार्यक्रम चलाया है और साथ ही विश्व की सबसे बड़ी वित्तीय समावेशन योजना भी लागू की है। उन्होंने कहा कि देश में डिजिटलीकरण की गति और उसका दायरा अभूतपूर्व है, वहीं भारत दुनिया की सबसे बड़ी सरकारी वित्तपोषित स्वास्थ्य बीमा योजना भी चला रहा है। विज्ञान और तकनीक में भारत की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत चंद्रमा के उन हिस्सों तक पहुंचा है, जहां पहले कोई देश नहीं पहुंच पाया था। इससे अंतरिक्ष अनुसंधान और नवाचार में भारत की बढ़ती क्षमता दिखाई देती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में अब करीब 125 सक्रिय यूनिकॉर्न कंपनियां हैं। उन्होंने दोहराया कि भारतीय स्टार्टअप एआई, रक्षा और अंतरिक्ष तकनीक जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश का स्टार्टअप इकोसिस्टम दुनिया में तीसरे स्थान पर पहुंच चुका है और इसके पीछे भारतीय युवाओं की आकांक्षाएं और नवाचार सबसे बड़ी ताकत हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, भारत में आकांक्षाएं असीमित हैं, इसलिए प्रयास भी असीमित होते जा रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश के युवा भारत की भविष्य की विकास यात्रा को नई दिशा दे रहे हैं।

नीट-यूजी विवादः डॉक्टर एनटीए भंग करने की मांग को लेकर पहुंचे सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। नीट-यूजी परीक्षा में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक के बाद उपजे विवाद ने अब छात्रों के साथ-साथ डॉक्टरों को भी आंदोलित किया है। डॉक्टरों के एक प्रमुख संगठन, यूनाइटेड डॉक्टर्स फ्रंट (यूडीएफ) ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) को तत्काल भंग करने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। यूडीएफ ने अपनी याचिका संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत दायर की है, जिसमें हालिया नीट-यूजी के आयोजन में प्रणालीगत और विनाशकारी विफलता का आरोप लगाया गया है। संगठन ने एनटीए के मौजूदा स्वरूप पर सवाल उठाकर परीक्षा प्रणाली में व्यापक संरचनात्मक सुधारों की आवश्यकता पर बल दिया है। उनकी मांग है कि एजेंसी को तत्काल भंग कर दिया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

गौरतलब है कि इस साल के नीट पेपर लीक मामले के सामने आने के बाद केंद्र सरकार ने पूरे पेपर को रद्द किया था। अब छात्रों को फिर से परीक्षा देनी होगी, जिसके लिए 21 जून की तारीख तय की गई है। इस बार परीक्षा में शामिल होने वाले छात्रों को अतिरिक्त 15 मिनट का समय दिया जाएगा, ताकि उन्हें तनावपूर्ण माहौल में कुछ राहत मिल सके। इस बीच, पेपर लीक की गहन जांच जारी है। पुलिस ने महाराष्ट्र के लातूर में कई कोचिंग संस्थानों के कर्मियों, छात्रों और काउंसलरों से पूछताछ की है और सीसीटीवी फुटेज भी जब्त की है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने भी महाराष्ट्र के विभिन्न हिस्सों से तीन व्यक्तियों नासिक से शुभम खैरनार, पुणे से मनीषा वाघमारे और अहिल्यानगर के राहुरी से धनंजय लोखंडे को हिरासत में लिया है। जांच एजेंसियां इस मामले की तह तक पहुंचने का प्रयास कर रही हैं, जबकि डॉक्टरों का संगठन व्यवस्था में बड़े बदलाव की मांग कर रहा है।

नीट पेपर लीक मामलाः पीवी कुलकर्णी और मनीषा वाघमारे की कोर्ट में पेशी

सीबीआई ने मांगी 14 दिन की कस्टडी

नई दिल्ली, एजेंसी। नीट यूजी 2026 पेपर लीक मामले में गिरफ्तार मास्टरमाइंड पीवी कुलकर्णी और उसकी सहयोगी मनीषा वाघमारे को शनिवार को सीबीआई ने राऊज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया। दोनों आरोपियों को पुणे से गिरफ्तार किया गया था। कुलकर्णी पेशे से केमिस्ट्री के शिक्षक बताए जा रहे हैं।

सीबीआई के विशेष जज अजय गुप्ता की अदालत में इस मामले की सुनवाई हुई, जहां जांच एजेंसी ने दोनों आरोपियों की 14 दिनों की कस्टडी की मांग की। सुनवाई के दौरान सीबीआई ने कोर्ट को बताया कि मनीषा वाघमारे, घनजय, कुलकर्णी और मनीषा मांधरे के बीच आपसी संपर्क था। सभी इस पेपर लीक साजिश में शामिल थे। आरोपियों की कस्टडी मांगते हुए एजेंसी ने कहा कि जांच के सिलसिले में आरोपियों को देश के अन्य हिस्सों में ले जाना है, इसलिए लंबी कस्टडी की जरूरत है।

मनीषा वाघमारे की ओर से पेश वकील ने सीबीआई की कस्टडी मांग का विरोध करते हुए कहा कि उनकी मुवक्किल को अवैध तरीके से हिरासत में रखा गया। उन्होंने दावा किया कि पुणे पुलिस ने मनीषा को 24 घंटे से अधिक समय तक अपनी कस्टडी में रखा। मनीषा के खिलाफ कोई ठोस सबूत नहीं है और केवल कथित डिस्क्लोजर के आधार पर कार्रवाई की जा रही है। वकील ने दलील दी कि जब मोबाइल फोन पहले से ही सीबीआई के पास है, तो आगे की कस्टडी की जरूरत नहीं है।

पीवी कुलकर्णी के वकील ने भी आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि यदि उन्होंने प्रश्नपत्र तैयार किया भी था, तो उन्हें यह जानकारी नहीं थी कि उनके द्वारा तैयार किए गए सवाल एनटीए द्वारा चयनित किए जाएंगे या नहीं। उन्होंने अदालत से अनुरोध किया कि उनके मुवक्किल को तीन दिनों से अधिक की कस्टडी न दी जाए।

बचाव पक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए सीबीआई ने कहा कि मनीषा वाघमारे को 14 मई को गिरफ्तार किया गया था और 15 मई को विधिवत ट्रांजिट रिमांड लिया गया। एजेंसी ने दोहराया कि दोनों आरोपी पेपर लीक मामले में सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं।

मामले में सीबीआई की कस्टडी की मांग पर अदालत शाम 5 बजे अपना फैसला सुनाएगी।

एससीटीआईएमएसटी के दीक्षांत समारोह में 130 छात्रों को डिग्री, स्वास्थ्य क्षेत्र में कई नई पहल की घोषणा

नई दिल्ली, एजेंसी। चित्रा तिरुनल चिकित्सा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान के 42वें वार्षिक दीक्षांत समारोह का आयोजन शनिवार को तिरुवनंतपुरम में किया गया। संस्थान के स्वर्ण जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित इस समारोह में कुल 130 स्नातकों को विभिन्न पाठ्यक्रमों की डिग्रियां प्रदान की गईं।

दीक्षांत समारोह को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने स्नातक छात्रों को बधाई दी और संस्थान की कई महत्वपूर्ण उपलब्धियों तथा नई योजनाओं की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि संस्थान में लगभग 800 स्थाई संकाय सदस्यों की नियुक्ति को मंजूरी दी गई है, जिससे इसकी कार्यक्षमता लगभग दोगुनी हो जाएगी।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सहयोग से नौ मंजिला 'प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना ब्लॉक' और चार मंजिला 'सेवा ब्लॉक' का निर्माण किया जा रहा है। इन नई सुविधाओं के शुरू होने के बाद संस्थान न्यूरोसर्जरी और कार्डियक साइंस के क्षेत्र में देश के सबसे बड़े केंद्रों में शामिल होगा।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने बताया कि वर्ष 2020 से अब तक संस्थान के चिकित्सकों ने आयुष्मान भारत योजना के तहत 17 हजार से अधिक मरीजों का सफल इलाज किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आधारशिला रखे गए इस केंद्र ने तंत्रिका और कैंसर संबंधी रोगों के सटीक एवं गैर-आक्रामक उपचार की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है।

मंत्री ने कहा कि संस्थान का विशेष ध्यान विश्वस्तरीय, प्रभावी, स्वदेशी और किफायती चिकित्सा उपकरणों के विकास पर केंद्रित है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष संस्थान में विकसित सात अत्याधुनिक तकनीकों को उद्योग जगत को हस्तांतरित किया जा रहा है।

समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्या सलीला श्रीवास्तव ने कहा कि सरकार का उद्देश्य स्वास्थ्य अवसंरचना की कमियों को दूर करना और महामारी जैसी चुनौतियों से निपटने में सक्षम स्वास्थ्य प्रणाली तैयार करना है। उन्होंने राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति-2017 का उल्लेख करते हुए कहा कि अब प्राथमिक स्वास्थ्य स्तर पर गैर-संचारी रोगों, मानसिक स्वास्थ्य, वृद्धावस्था और उपशामक देखभाल की जांच को भी शामिल किया गया है।

स्वास्थ्य सचिव ने बताया कि आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत 'आभा' खाता प्रणाली मरीजों के सुरक्षित डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड साझा करने और सटीक उपचार सुनिश्चित करने में मील का पत्थर साबित हो रही है। साथ ही प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत अब तक छह करोड़ से अधिक नागरिकों को शामिल किया जा चुका है।

सलीला श्रीवास्तव ने कहा कि सरकार कम जोखिम वाली जेनेरिक दवाओं और चिकित्सा उपकरणों के लिए नियामक प्रक्रियाओं तथा परीक्षण लाइसेंस को सरल बना रही है।

इसके अलावा स्वास्थ्य सेवाओं में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को बढ़ावा देने के लिए आईआईटी कानपुर के सहयोग से विशेष रणनीति और ओपन डेटा प्लेटफॉर्म भाषिनी पर कार्य किया जा रहा है।

दीक्षांत समारोह में विभिन्न चिकित्सा, शोध और सार्वजनिक स्वास्थ्य पाठ्यक्रमों के 130 छात्रों को डिग्रियां प्रदान की गईं। इनमें कार्डियोलॉजी, न्यूरोलॉजी, न्यूरोइमेजिंग, इंटरवेंशनल न्यूरोरेडियोलॉजी, कार्डियक इमेजिंग, वैस्कुलर इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी, कार्डियोथोरेसिक, वैस्कुलर एनेस्थीसिया और न्यूरो-एनेस्थीसिया सहित डीएम कार्यक्रमों में 29 छात्र शामिल हैं। जबकि कार्डियोवैस्कुलर, थोरेसिक सर्जरी, वैस्कुलर सर्जरी और न्यूरोसर्जरी सहित एमसीएच कार्यक्रमों में 7 छात्र शामिल हैं। इसके अलावा, पोस्ट-डॉक्टोरल (पोस्ट डीएम-एमसीएच-डीएनबी) फेलोशिप कार्यक्रमों में 15 छात्र, मास्टर ऑफ पब्लिक हेल्थ में 40 छात्र, ट्रांसफ्यूजन ट्रांसमिटेड डिजीज टेस्टिंग और न्यूरोपैथोलॉजी में पोस्ट-डॉक्टोरल सर्टिफिकेट कोर्स में 4 छात्र, 11 पीएचडी स्कॉलर, डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा कोर्स में 22 छात्र और न्यूरोलॉजिकल साइंसेज में एसीपी के 2 सदस्य शामिल हैं।

सार्वजनिक सूचना

– पता परिवर्तन संबंधी सूचना –

मैं, यादव मोहन शिवराज सिंह , पुत्र/ शिवराज सिंह ,
निवासी 48/ A रूखीबा नगर चांदलोडिया
अहमदाबाद गुजरात -382481

यह घोषित करता हूँ कि मेरा वर्तमान पता बदलकर निम्नानुसार हो गया है:

पुराना पताः
48/A रूखीबा नगर चांदलोडिया,
अहमदाबाद गुनरात - 382481

नया पताः
माधोगंज, शिकोहाबाद
फिरोजाबाद, उत्तर प्रदेश - 283141

अतः भविष्य में मेरे सभी पत्राचार एवं अभिलेखों हेतु उपरोक्त नया पता मान्य किया जाए।

(यादव मोहन शिवराज सिंह)

संक्षिप्त समाचार

आंगन का जाल काटकर घुसे चोर, किसान के घर से लाखों के गहने उड़ा ले गए, जांच में जुटी पुलिस

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में बिठूर थाना क्षेत्र के बनी गांव निवासी किसान राजेश शंकर तिवारी के घर शुक्रवार देर रात चोर आंगन के जाल का ताला काटकर लाखों रुपये के जेवर चुरा ले गए। शनिवार सुबह चोरी की सूचना पाकर बिठूर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। किसान राजेश शंकर तिवारी उर्फ राजू ने बताया कि वह अपने परिवार के साथ घर के बरामदे में सोए हुए थे। सुबह जब उनकी पत्नी उमा तिवारी उठीं। उन्होंने घर के अंदर कमरे का ताला टूटा हुआ देखा। कमरे में रखी अलमारी का सारा सामान बिखरा पड़ा हुआ था। राजेश शंकर तिवारी के अनुसार अलमारी के लॉकर में रखे करीब 20 लाख रुपये के जेवर गायब थे और कमरे का सारा सामान अस्त व्यस्त था। राजेश के बेटे अंकित ने बताया कि घर के आंगन का जाल का ताला काट कर कर घर में दाखिल हुए हैं। बिठूर के कार्यवाहक थाना प्रभारी संतोष कुमार सिंह मौके पर जांच पड़ताल के लिए पहुंचे।

घाटमपुर में देर रात चला सघन चेकिंग अभियान, 17 वाहन सीज और 74 का किया चालान, 4.48 लाख का जुर्माना वसूला

कानपुर, एजेंसी। कानपुर के घाटमपुर थाना क्षेत्र में शुक्रवार की रात राजस्व, पुलिस, परिवहन एवं खनन विभाग की संयुक्त टीम द्वारा अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान ओवरलोड, बिना नंबर प्लेट, प्रेशर हॉर्न तथा अन्य नियमों का उल्लंघन करने वाले 91 वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। संयुक्त टीम द्वारा कुल 91 वाहनों पर कार्रवाई की गई। परिवहन एवं खनन विभाग की ओर से सात वाहनों के विरुद्ध ओवरलोड, टैक्स, परमिट, लाइसेंस और प्रेशर हॉर्न संबंधी अनियमितताओं में कार्रवाई करते हुए लगभग 4 लाख 48 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। वहीं, पुलिस विभाग द्वारा 17 वाहन सीज किए गए और 74 वाहनों का चालान किया गया। अभियान में एसडीएम घाटमपुर अबिचल प्रताप सिंह, एआरटीओ कहकशां, एसीपी कृष्णकांत, खनन अधिकारी, पुलिस बल और अन्य विभागीय टीमें मौजूद रहीं। एसडीएम अबिचल प्रताप सिंह ने कहा कि सड़क सुरक्षा से जुड़े नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आगे भी इसी प्रकार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि ओवरलोडिंग और यातायात नियमों की अनदेखी न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि आम लोगों की सुरक्षा के लिए भी बड़ा खतरा है।

सड़क पर दो पक्षों में पथराव, आयुष मंत्री का रुका काफिला- पुलिस ने भीड़ को खदेड़ा

गोरखपुर, एजेंसी। गुलरिहा इलाके में निर्माणाधीन मकान से पानी के छींटे पड़ने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि जमकर ईंट–पत्थर चलने लगे। इसी दौरान उसी मार्ग से गुजर रहे आयुष मंत्री डॉ. दयाशंकर मिश्र दयालु के काफिले को बीच रास्ते में रोकना पड़ा। स्थिति बिगड़ते देख पुलिस ने मोर्चा संभालते हुए भीड़ को खदेड़ दिया। इस दौरान कई पुलिसकर्मी भी पथराव की चपेट में आने से बाल–बाल बच गए। मामले में पुलिस ने आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान भटहट निवासी बरकतुल्लाह, अब्दुल जब्बार, सद्दाब उर्फ छोटू, सगीर अहमद तथा चिलबिलवा निवासी असजद, फरद्दीन, साहिल और मेहंदी हसन के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, बड़हरिया निवासी बरकतुल्लाह का मकान निर्माणाधीन है। शुक्रवार को गांव के ही जब्बार अली वहां से गुजर रहे थे, तभी उन पर पानी के छींटे पड़ गए, जिससे कहासुनी शुरू हो गई। ग्रामीणों के हस्तक्षेप के बाद मामला शांत हो गया था। आरोप है कि इसके बाद बरकतुल्लाह ने अपने रिश्तेदारों को बुला लिया, जिसके बाद दोनों पक्षों में फिर विवाद बढ़ गया और पथराव शुरू हो गया। इसी दौरान आयुष मंत्री का काफिला वहां से गुजर रहा था। स्थिति को देखते हुए एस्कॉर्ट में तैनात चौकी प्रभारी मदन मोहन मिश्रा ने वाहन रुकवाकर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर भीड़ को तितर–बितर किया। इसके बाद मंत्री का काफिला आगे रवाना किया गया। एसपी सिटी निमिष पाटील ने बताया कि मामले में दोनों पक्षों से आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

महंगे डीजल की आग से झुलसेगी खेती

10 फीसदी बढ़ेगा माल भाड़ा, आटा, चावल, दाल और सब्जियां भी होंगी महंगी

आगरा, एजेंसी। तेल कंपनियों ने शुक्रवार की सुबह पेट्रोल और डीजल के दाम 3.25 रुपये प्रति लीटर बढ़ा दिए। इस बढ़ोतरी का आम लोगों के साथ किसानों और ट्रांसपोर्टरों ने जमकर विरोध किया है। उनका कहना है कि पहले एलपीजी सिलिंडर की कीमतें बढ़ाने से खाने-पीने की सभी चीजें महंगी हो गई। अब डीजल के दाम बढ़ाने से खेती भी महंगाई की आग में झुलस जाएगी। पैदावार की लागत बढ़ेगी, वहीं माल भाड़ा बढ़ाना मजबूरी है। ट्रांसपोर्टर 10 फीसदी की बढ़ोतरी मालभाड़े में करने की घोषणा कभी भी कर सकते हैं।

किसान राजवीर लवानिया ने डीजल मूल्य बढ़ोतरी का विरोध किया और इसे तत्काल वापस लेने की मांग की। उन्होंने कहा कि डीजल से चलने वाले ट्रैक्टर और मशीनों के कारण खेत की जुताई, बुवाई और कटाई का खर्च बढ़ जाएगा। छोटे और मध्यम किसानों पर असर ज्यादा पड़ेगा। खेतों की सिंचाई भी डीजल पंप से ज्यादा होती है। पहले ही खाद, बीज और कीटनाशक महंगे हो चुके हैं, अब डीजल की मार ने मुश्किलें और बढ़ा दी है।

ट्रांसपोर्टर योगेंद्र सिंह ने बताया कि ट्रक, पिकअप और छोटे मालवाहक वाहन डीजल से चलते हैं। इससे चीजों को भेजना महंगा हो जाएगा। 10 फीसदी की बढ़ोतरी तत्काल करनी होगी, अन्यथा ट्रांसपोर्टर अपना खर्च ही नहीं निकाल सकेंगे। हाल में ही दूध समेत अन्य चीजों के दाम दो से पांच रुपये तक बढ़ाए गए हैं। इस बढ़ोतरी से आटा, दाल और चावल जैसी रोजमर्रा की चीजों के दाम भी मालभाड़ा बढ़ने से बढ़ सकते हैं।

भाड़ा 10 फीसदी बढ़ाना पड़ेगा : डीजल के दाम बढ़ने पर ट्रांसपोर्ट कारोबारियों और व्यापारिक संगठनों ने चिंता जताई है। आगरा पब्लिक कैरियर एसोसिएशन के महासचिव देवेंद्र गुप्ता ने कहा कि डीजल महंगा होने पर कम से कम 10 फीसदी भाड़ा बढ़ाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि पहले ही एलपीजी और पेट्रोलियम उत्पादों की महंगाई से ड्राइवरों के खाने-पीने का खर्च बढ़ गया है। ऐसे में डीजल के दाम और बढ़े तो मुश्किलें और बढ़ जाएंगी।

भाड़ा 10 फीसदी बढ़ाना पड़ेगा : डीजल के दाम बढ़ने पर ट्रांसपोर्ट कारोबारियों और व्यापारिक संगठनों ने चिंता जताई है। आगरा पब्लिक कैरियर एसोसिएशन के महासचिव देवेंद्र गुप्ता ने कहा कि डीजल महंगा होने पर कम से कम 10 फीसदी भाड़ा बढ़ाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि पहले ही एलपीजी और पेट्रोलियम उत्पादों की महंगाई से ड्राइवरों के खाने-पीने का खर्च बढ़ गया है। ऐसे में डीजल के दाम और बढ़े तो मुश्किलें और बढ़ जाएंगी।

डीजल के दाम बढ़ेंगे तो होगी दिक्कत : वहीं दीपक शर्मा ने कहा कि ट्रांसपोर्ट कारोबार पहले से ही टायरों और पेट्रोलियम उत्पादों की बढ़ती कीमतों से परेशान है। अब डीजल महंगा होने से भाड़ा बढ़ाना मजबूरी होगी। फिलहाल करीब 10 फीसदी भाड़ा बढ़ाने पर विचार किया जा रहा है, लेकिन आगे डीजल के दाम बढ़े तो स्थिति और गंभीर हो सकती है।

खेती पर पड़ेगा असर : पश्चिमी उ.प्र. संयुक्त उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष पंकज अग्रवाल ने कहा कि डीजल महंगा होने का सीधा असर खेती पर पड़ेगा। किसान सिंचाई के लिए डीजल इंजन का इस्तेमाल करते हैं। इससे खेती की लागत बढ़ेगी और पैदावार को मंडियों तक पहुंचाने का भाड़ा भी महंगा हो जाएगा।

क्रूड सस्ता तो फायदा नहीं दिया : डीजल के रेट बढ़ने से शहर के ट्रांसपोर्टर नाराज हैं। ट्रांसपोर्ट चैंबर और ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस के सदस्यों ने बैठक की, जिसमें उन्होंने कहा कि जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल सस्ता था, तब सरकार ने दाम घटाकर राहत नहीं दी।

अब क्रूड ऑयल के रेट बढ़ने पर दाम तत्काल बढ़ा दिए। इससे पूरे देश में माल भाड़ा बढ़ जाएगा और खेती की लागत भी बढ़ेगी। इसका असर आम लोगों पर महंगाई के रूप में पड़ेगा। सह प्रवक्ता वीरेंद्र गुप्ता, अमरजीत सिंह और सतीश ठाकुर ने कहा कि तीन रुपये की बढ़ोतरी को वापस लिया जाना चाहिए, अन्यथा इसके दुष्परिणाम पूरे देश के लोगों को झेलने होंगे।

गिरीश अग्रवाल, गोविंद बिंदल ने कहा कि पहले ही टोल टैक्स, ई-चालान, महंगे टायर, जीएसटी, परिवहन चेक पोस्ट पर भ्रष्टाचार और बीमा दरों में बढ़ोतरी से ट्रांसपोर्टर परेशान हैं। उन्होंने डीजल बढ़ोतरी को तत्काल वापस लेने की मांग की। इस दौरान दीनदयाल मित्तल, अरुण चौहान, रामसेवक बिंदल, प्रमोद अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

झांसी-लखनऊ मेमू 40 दिन रहेगी निरस्त

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ में चल रहे निर्माण कार्य को लेकर एक बार फिर लखनऊ स्टेशन जाने वाली गाड़ियां आज से 23 जून तक प्रभावित रहेंगी। इस दौरान झांसी-लखनऊ मेमू को अगले 40 दिनों तक निरस्त कर दिया है। वहीं लखनऊ जाने वाली ट्रेनों को मार्ग परिवर्तित कर निकाला जाएगा।

पीआरओ मनोज कुमार सिंह ने बताया कि उत्तर रेलवे के लखनऊ स्टेशन पर चल रहे निर्माण कार्यों को लेकर झांसी से लखनऊ जाने वाली झांसी-लखनऊ मेमू (64701) 15 मई से 23 जून तक कानपुर सेंट्रल तक जाएगी। वहीं, लखनऊ से झांसी आने वाली मेमू लखनऊ की जगह कानपुर से संचालित होगी। इसके अलावा गोरखपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस (11080) 16 मई से 20 जून, मुजफ्फरपुर-सूरत एक्सप्रेस (19054) 17 मई से 21 जून तक बाराबंकी, लखनऊ, मानकनगर के बजाए परिवर्तित मार्ग बाराबंकी, मलहौर, ऐशबाग, कानपुर होकर चलेगी। वहीं, लोकमान्य तिलक टर्मिनस से चलकर गोरखपुर जा रही एलटीटी एक्सप्रेस (11079) 14 मई से 18 जून, पनवेल-गोरखपुर एक्सप्रेस (15066) 15 मई से 22 जून तक, पुणे-गोरखपुर एक्सप्रेस (15030) 16 मई से 20 जून तक व सूरत-मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस (19053) 15 मई से 19 जून तक कानपुर, लखनऊ, बाराबंकी की बजाए परिवर्तित मार्ग कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, मलहौर, बाराबंकी होकर चलेगी। उक्त गाड़ियां लखनऊ स्टेशन पर नहीं रुकेगी। बल्कि उक्त तिथियों तक ऐशबाग, बादशाहनगर स्टेशन पर ठहराव लेंगी।

शिक्षक-शिक्षणेत्तर कर्मियों को लेकर सख्त आदेश

अब जून-जुलाई में भी जिला मुख्यालय नहीं छोड़ सकेंगे

लखनऊ , एजेंसी। माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक व शिक्षणेत्तर कर्मी जून-जुलाई में जिला मुख्यालय नहीं छोड़ सकेंगे। इस दौरान होने वाली भर्ती परीक्षाओं के कारण शिक्षकों के जिला मुख्यालय छोड़ने पर रोक रहेगी। जिला स्तर पर डीआईओएस द्वारा इसके आदेश जारी किए जा रहे हैं।जून-जुलाई में लेखपाल भर्ती लिखित परीक्षा, पुलिस भर्ती, जीआईसी प्रवक्ता, बीएड परीक्षा, यूपीटेट समेत आधा दर्जन से अधिक परीक्षाएं प्रस्तावित हैं। इसके साथ ही जनगणना का भी भौतिक काम शुरू होने वाला है। ऐसे में ये शिक्षक गर्मी की छुट्टियों का भी लाभ नहीं उठा सकेंगे।

डीआईओएस की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि आकस्मिक व वैध कारण होने पर ही जिला विद्यालय निरीक्षक की अनुमति से वे जिला मुख्यालय से बाहर जा सकेंगे। इसके लिए उन्हें लिखित अनुमति लेनी होगी। वहीं माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. महेंद्र देव ने कहा कि परीक्षा कराने के लिए अनुभवी शिक्षकों की जरूरत होती है। लिहाजा स्कूलों के शिक्षक व स्टाफ को ही इसमें ड्यूटी लगाई जाती है। कक्ष निरीक्षक बनाया जाता है ताकि किसी प्रकार की कोई समस्या न हो।

माध्यमिक के दो अपर शिक्षा निदेशक के कार्यक्षेत्र में बदलाव : माध्यमिक शिक्षा विभाग ने समूह क श्रेणी के दो अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया है। विभाग के संयुक्त सचिव संदीप परमार की ओर से जारी आदेश के अनुसार अपर शिक्षा निदेशक (माध्यमिक) सुरेंद्र कुमार तिवारी को अपर शिक्षा निदेशक (व्यावसायिक शिक्षा) के पद पर तैनात किया गया है। वहीं अपर शिक्षा निदेशक (व्यावसायिक शिक्षा) मनोज कुमार द्विवेदी को अपर शिक्षा निदेशक (माध्यमिक) बनाया गया है। इन अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से अपने नए तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण करके इसका प्रमाण शासन को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है।

आकांक्षी जिलों के शिक्षक तबादले के लिए पहुंचे निदेशालय : प्रदेश के आकांक्षी जिलों के परिषदीय विद्यालयों में तैनात शिक्षकों ने अपने साथ दोहरा व्यवहार करने और तबादले का लाभ न देने का आरोप लगाया है। अपने तबादले के लिए कई जिलों के शिक्षक शुक्रवार को बेसिक से माध्यमिक शिक्षा निदेशालय के चक्कर काटते रहे लेकिन उन्हें कोई प्रभावी आश्वासन नहीं मिला है।

शिक्षकों ने बताया कि वर्ष 2018 और 2020 में इन जिलों के तबादले पर रोक लगा दी गई थी। 2023 में मात्र 10 फीसदी शिक्षकों के ही तबादले हुए। इसमें अधिक भारांक वाले शिक्षकों का ही तबादला हुआ। वरिष्ठ शिक्षक इससे वंचित हैं। उन्होंने कहा कि बेसिक शिक्षा नियमावली के तहत वरिष्ठता के आधार पर एक से दूसरे जिले में तबादला किया जाए। इसमें भारांक की भेदभावपूर्ण नीति को समाप्त किया जाए। वहीं, इन जिलों में लगी अघोषित रोक को तत्काल हटाया जाए ताकि हमारे परिवार को राहत मिल सके। शिक्षकों ने इस गर्मी की छुट्टी में इस आधार पर जल्द तबादला प्रक्रिया पूरी करने की मांग उठाई।

मेहंदी का रंग उतरने से पहले उजड़ा सिंदूर

विदाई के चंद घंटों बाद दूल्हे ने लगाया फंदा, सवाल- क्यों किया ?

कानपुर, एजेंसी। कानपुर के घाटमपुर में सजेती थाना क्षेत्र के गुरैयनपुर में शुक्रवार की शाम बारात के साथ दुल्हन विदा कराकर घर पहुंचे दूल्हे ने चंद घंटों बाद ही रात में खेतों पर खड़े पेड़ से फांसी लगाकर आत्महत्या की। रात में खोजबीन करने पर नहीं मिला था।

सुबह उसका लटका हुआ शव ग्रामीणों ने देखा। परिजन आत्महत्या का कारण नहीं बता पा रहे। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गुरैयनपुर निवासी कमलेश निषाद (21) पुत्र छोटे निषाद गुजरात के सूरत में नौकरी करता था। वह अपनी शादी में गांव छुट्टी पर आया था।

नौ बजे कमलेश घर से कहीं निकल गया था : 14 मई गुरुवार को उसकी बारात हमीरपुर जनपद के कोरारा थाना क्षेत्र के हरेठा गांव गई थी। शादी की रस्में दुल्हन अंजली के साथ होने पर 15 शुक्रवार को दुल्हन को विदा कराकर बरात शाम को गांव लौटी थी। पिता ने बताया कि करीब नौ बजे कमलेश घर से कहीं निकल गया था।

खेतों में पेड़ से लटका मिला शव : बरात से लौट रिश्तेदारों के साथ उसकी खोजबीन की गई, लेकिन वह कहीं नहीं मिला। सुबह उसका शव खेतों में पेड़ से लटका ग्रामीणों ने देखा, तब जानकारी हुई। उसने ऐसा कदम क्यों उठाया, इसका कारण परिजन नहीं बता सके हैं। सूचना पाकर पहुंची पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

दुल्हन समेत परिजनों का हाल बेहाल : पति कमलेश की मौत से परिजनों के साथ दुल्हन अंजली का रो-रोकर बुरा हाल है। चंद घंटों का साथ ही उसे पति का मिल पाया। पति ने अचानक यह कदम क्यों उठाया, वह कुछ भी नहीं बता पा रही है। उसकी दुनिया बसते ही उजड़ गई, इस बात ने उसे बेहाल कर दिया है।

लखनऊ के चारबाग रेलवे स्टेशन पर 44 लाख की विदेशी सिगरेट मिली

तस्करी के सिंडिकेट का बड़ा खुलासा

लखनऊ, एजेंसी। चारबाग रेलवे स्टेशन पर रेलवे सुरक्षा बल ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से तस्करी कर भारत लाई गई विदेशी सिगरेट की खेप बरामद की है। बरामद सिगरेट की अनुमानित कीमत 44 लाख 6 हजार रुपये बताई जा रही है। मामले में कस्टम विभाग ने माल को कब्जे में लेकर आगे की जांच शुरू कर दी है।

आरपीएफ लखनऊ को 18 और 19 अप्रैल 2026 को विश्वसनीय सूत्रों से सूचना मिली थी कि गाड़ी संख्या 15909 से दीमापुर से लखनऊ तक बुक होकर आए पार्सलों में संदिग्ध सामान मौजूद है। सूचना के आधार पर रेलवे सुरक्षा बल ने पार्सल कार्यालय में पहुंचे कुल आठ नगों की निगरानी शुरू कर दी और मुख्य पार्सल पर्यवेक्षक को निर्देश दिए कि डिलीवरी आरपीएफ की मौजूदगी में ही कराई जाए। हालांकि काफी समय तक कोई भी व्यक्ति पार्सल लेने नहीं पहुंचा। इस बीच आरपीएफ को पुख्ता जानकारी मिली कि पार्सलों में विदेशी सिगरेट भरी हुई है। इसके बाद मामले की सूचना कस्टम विभाग और राज्य कर विभाग को दी गई।

गुरुवार को आरपीएफ लखनऊ, अपराध आसूचना शाखा, कस्टम विभाग और राज्य कर विभाग की संयुक्त टीम ने पार्सलों की जांच की। चेकिंग के दौरान घोषित इलेक्ट्रिक सामान की जगह विदेशी ब्रांड की ESSE LIGHT और Win सिगरेट मिलीं।

कुल 4 लाख 40 हजार 600 विदेशी सिगरेट बरामद की गईं। कस्टम विभाग के अनुसार, बरामद सिगरेट विदेशी हैं और इन्हें अवैध तस्करी के जरिए भारत लाया गया था। फिलहाल पूरा माल सीज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

साउथ कॉरिडोर के तहत 298 किमी सड़क बनने का रास्ता साफ, 62 किमी निर्माण के लिए दिए 725 करोड़

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में नॉर्थ-साउथ कॉरिडोर के तहत 298.4 किमी लंबे फोरलेन मार्ग बनने का रास्ता साफ हो गया है। इसमें 62 किमी सड़क निर्माण के लिए 725.83 करोड़ रुपये दिए जाने को मंजूरी दे दी गई है। जबकि, 235.75 किमी लंबी सड़कों के निर्माण के लिए प्रस्ताव शासन को भेज दिया गया है।

वर्तमान में राज्य में निर्मित अधिकांश राष्ट्रीय राजमार्ग एवं एक्सप्रेसवे पूर्व से पश्चिम की दिशा में निर्मित हैं। इसलिए प्रदेश सरकार ने नेपाल बॉर्डर से सटे जिलों से प्रारंभ कर उत्तर से दक्षिण दिशा की ओर महत्वपूर्ण जिलों को जोड़ने का फैसला किया गया है। यह कॉरिडोर इस तरह से डिजाइन किया गया है, ताकि अन्य राज्यों मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना आदि तक पहुंच सुगम बनाई जा सके।

2340 किमी लंबा है नॉर्थ-साउथ कॉरिडोर : नॉर्थ साउथ कॉरिडोर के तहत छह प्रमुख मार्ग रखे हैं। इनकी कुल लंबाई 2340 किमी है, जिसमें से 2041.60 किमी सड़क एक्सप्रेसवे या राष्ट्रीय राजमार्ग के रूप में पहले से निर्मित हैं। शेष 298.4 किमी के लिए राज्य सरकार ने अपने स्तर से योजना तैयार की है। इसमें पहला इकौना (श्रावस्ती)-अयोध्या-सुल्तानपुर-प्रयागराज मार्ग है, जोकि 262 किमी लंबा है।

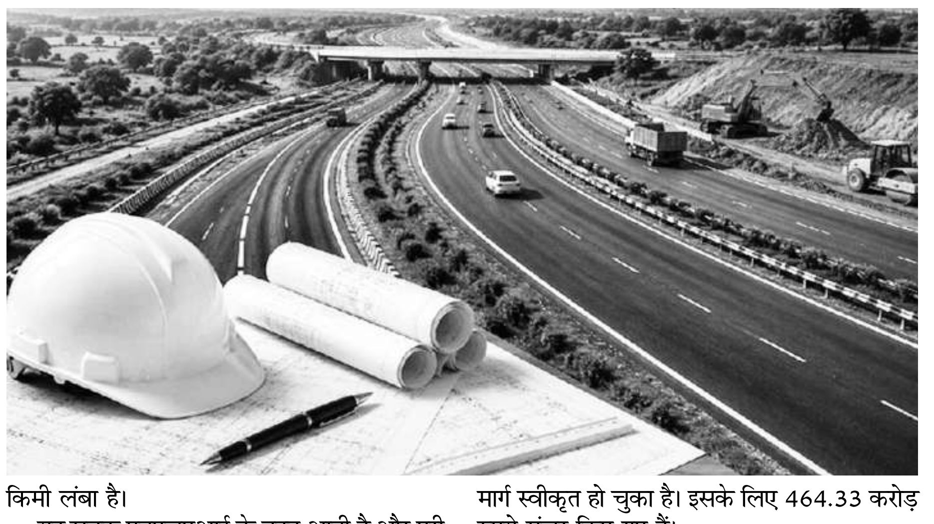

यह सड़क एनएचएआई के तहत आती है और पूरी तरह से निर्मित है। दो, कुशीनगर-देवरिया-दोहरीघाट-गाजीपुर-जमनिया मार्ग है, जिसकी कुल लंबाई 220 किमी है। इसमें से 163 किमी मार्ग फोरलेन बना हुआ है, जबकि देवरिया से कसया तक 31.5 किमी लंबा मार्ग और देवरिया से बरहज तक 21.75 किमी लंबा मार्ग स्वीकृत हो चुका है। इसके लिए 464.33 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं।

टांडा सुरहरपुर और शाहगंज मुंगरा बादशाहपुर मार्ग का प्रस्ताव भेजा : तीसरा 295 किमी लंबा पिपरी (भारत-नेपाल सीमा)-बांसी (सिद्धार्थनगर)-प्रयागराज मार्ग है। इसमें 187.6 किमी मार्ग पहले से बना हुआ है, जबकि 107.4 किमी सड़क बननी है। इसमें सिद्धार्थनगर में 9.40 किमी बर्डपुर पिपरहवा मार्ग के लिए 261.50 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है। वहीं, 30 किमी लंबा टांडा सुरहुरपुर मार्ग और 68 किमी शाहगंज-मुंगराबाद शाहपुर मार्ग का प्रस्ताव भेज दिया गया है।

चौडगरा-जोनिहा-ललौली मार्ग कार्ययोजना में शामिल : कॉरिडोर के तहत चौथा पैच 502 किमी लंबा लखीमपुर-सीतापुर-नवाबगंज-बांदा मार्ग है। इसमें 456 किमी सड़क निर्मित है। शेष 29 किमी लंबे चौडगरा-जोनिहा मार्ग और 17 किमी लंबे जोनिहा-ललौली मार्ग का प्रस्ताव कार्ययोजना में शामिल कर लिया गया है।

मुस्तफाबाद-पूरनपुर और शाहजहांपुर-मुंडेर मार्ग भी होगा चौड़ा : वहीं, कॉरिडोर में पांचवां 547 किमी लंबा बरेली-आगरा-झांसी-ललितपुर मार्ग शामिल है, जो पूरी तरह से निर्मित है। वहीं, छठा मुस्तफाबाद (पीलीभीत टाइगर रिजर्व)-शाहजहांपुर-उरई-हरपालपुर मार्ग 514 किमी लंबा है, जो 426 किमी निर्मित है, जबकि शेष 32 किमी लंबे मुस्तफाबाद-पूरनपुर और 56 किमी शाहजहांपुर-मुंडेर मार्ग को कार्ययोजना में शामिल किया गया है।

हॉस्टल में बाहर से नॉनवेज मंगाया तो इंचार्ज ने की छात्र की पिटाई, सहपाठियों ने किया हंगामा-प्रदर्शन

लखनऊ, एजेंसी। हॉस्टल में रहने वाले एक छात्र द्वारा बाहर से नॉनवेज मंगाने और मेस से रोटियां पैक कराने को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि जानकारी होने पर हॉस्टल इंचार्ज शुभम प्रताप सिंह ने छात्र की पिटाई कर दी। घटना से नाराज छात्रों ने हंगामा शुरू कर दिया।

बताया गया कि छात्र ने बाहर से नॉनवेज खाना मंगाया था और हॉस्टल मेस से रोटियां पैक कराई थीं। इसकी जानकारी हॉस्टल इंचार्ज को हुई तो दोनों के बीच कहासुनी हो गई। आरोप है कि इसी दौरान इंचार्ज ने छात्र के साथ मारपीट कर दी।

घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में छात्र एकत्र हो गए और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। छात्रों ने हॉस्टल प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कार्रवाई की मांग की। मौके पर काफी देर तक तनाव का माहौल बना रहा।

सूचना पर पहुंची पुलिस और कॉलेज प्रशासन ने छात्रों को समझाकर शांत कराया। अधिकारियों ने मामले की जांच कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

सोने का बढ़ा मूल्य तो विदेशी मुद्रा भंडार में हुई 6.3 अरब डॉलर की बढ़ोतरी

मुंबई, एजेंसी। भारत को विदेशी मुद्रा भंडार के मोर्चे पर बीते सप्ताह राहत मिली है। सोने की वैल्यू में बढ़ोतरी होने से इस सप्ताह अपने विदेशी मुद्रा भंडार में 6.3 की बढ़ोतरी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले इसमें गिरावट हुई थी। उससे एक सप्ताह पहले भी भंडार में 4.82 की कमी हुई थी। भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक 8 मई 2026 को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 6.295 की बढ़ोतरी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले इसमें 7.794 की कमी हुई थी। अब अपना विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ कर 696.988 तक पहुंच गया है। इससे पहले 27 फरवरी 2026 को

अपना भंडार 728.494 के ऑल टाइम हाई पर था।

एफसीए भंडार में मामूली बढ़ोतरी

जारी साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार 08 मई 2026 को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत की विदेशी मुद्रा आस्तियों में 562 की मामूली बढ़ोतरी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले इसमें 2.79 की कमी हुई थी। अब अपना एफसीए भंडार बढ़ कर 552.387 का हो गया है। उल्लेखनीय है कि देश के कुल विदेशी मुद्रा भंडार में विदेशी मुद्रा आस्तियां या फॉरेन करेंसी असेट एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। डॉलर में अभिव्यक्त किये जाने वाले विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसे गैर अमेरिकी मुद्राओं में आई घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है। इसी सप्ताह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास रखे हुए देश के रिजर्व मुद्रा भंडार में भी वृद्धि हुई है। इस समय अपना आईएमएफ रिजर्व का है।

गोल्ड रिजर्व खूब बढ़ा

आलोच्य सप्ताह के दौरान सोने के मूल्य में अच्छी बढ़ोतरी हुई। इससे रिजर्व बैंक के सोने के भंडार की वैल्यू में 5.637 का इजाफा हुआ है। इससे एक सप्ताह पहले इसमें 5.02 की कमी हुई थी। अब अपने सोने के भंडार का वैल्यू बढ़ कर 120.853 का हो गया है। उल्लेखनीय है कि मार्च 2026 के अंत में आरबीआई के पास सोने का भंडार 880.52 टन का हो गया है। यह देश के कुल फॉरेन एक्सचेंज रिजर्व का करीब 16.7 प्रतिशत बैठता है। इसके मूल्य में कमी होती है यह कुल विदेशी मुद्रा भंडार को प्रभावित करता है।

एसडीआर में मामूली बढ़ोतरी

रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, बीते सप्ताह भारत के स्पेशल ड्रॉइंग राइट या विशेष आहरण अधिकार में मामूली बढ़ोतरी हुई है। समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान एसडीआर में 84 की बढ़ोतरी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले भी इसमें 15 की बढ़ोतरी हुई थी। अब यह बढ़ कर 18.873 का हो गया है।

कच्चे तेल की कीमत में काफी उछाल

सरकारी तेल कंपनियों को हर महीने 30,000 करोड़ का हो रहा नुकसान

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में पिछले ढाई महीने से जारी संकट के कारण कच्चे तेल की कीमत में काफी उछाल आई है। यह 130 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया था और अब भी लगातार 100 डॉलर के ऊपर बना हुआ है। इसके कारण सरकारी तेल कंपनियों को हर महीने 30,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा था। सरकार ने शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल की कीमत में 3 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी कर दी। चार साल में पहली बार पेट्रोल-डीजल की कीमत में इजाफा किया गया था। लेकिन इसमें अभी और बढ़ोतरी हो रही है क्योंकि सरकारी तेल कंपनियों को भारी नुकसान हो रहा है।

ईरान पर अमेरिका और इजरायल ने 28 फरवरी के हमले के बाद से कच्चे तेल की कीमत 50 फीसदी से ज्यादा चढ़ी हैं। इंडस्ट्री के सूत्रों का कहना है कि शुक्रवार को बढ़ोतरी से तेल कंपनियों को हो रहे नुकसान की भरपाई नहीं हो सकती है। इसलिए आने वाले दिनों में पेट्रोल और डीजल की कीमत में और इजाफा हो सकता है। इंटस्ट्री के एक सीनियर अधिकारी ने कहा कि दाम बढ़ने के बावजूद पेट्रोल में अब भी 11 रुपये और डीजल में 39 रुपये प्रति लीटर का नुकसान हो रहा है।

शुक्रवार की बढ़ोतरी से पहले सरकारी तेल कंपनियों को हरेक लीटर पेट्रोल पर 14 रुपये और डीजल पर 42 रुपये का नुकसान हो रहा था। पेट्रोल और डीजल की कीमत में 3 रुपये की बढ़ोतरी के बाद उनके नुकसान की मामूली भरपाई हो सकती है। पूरी तरह घाटे से उबरने के लिए पेट्रोल और डीजल की कीमत में भारी इजाफा करना होगा। इस बीच कच्चे तेल शुक्रवार को काफी तेजी आई। ब्रेंट क्रूड 3.35 फीसदी की उछाल के साथ 109.3 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ। इंडियन बास्केट वाले क्रूड का भाव भी 109.3 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया।

इस बीच सरकार ने पेट्रोल के निर्यात पर 3 रुपये प्रति लीटर का अप्रत्याशित लाभ कर लगाया है जबकि डीजल पर कर घटाकर 16.5 रुपये प्रति लीटर और विमान ईंधन (एटीएफ) पर कर घटाकर 16 रुपये प्रति लीटर कर दिया। नई दरें आज यानी 16 मई से प्रभावी हो गई हैं। वित्त मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा है कि पेट्रोल और डीजल के निर्यात पर सड़क और अवसंरचना उपकर शून्य रहेगा। अमेरिका-इजराइल और ईरान युद्ध के दौरान ईंधन की घरेलू उपलब्धता बढ़ाने के लिए अप्रत्याशित लाभ कर लगाया गया है। इसके अलावा, घरेलू खपत के लिए स्वीकृत पेट्रोल और डीजल पर मौजूदा शुल्क दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

5 टुकड़ों में बंट रहा है स्टॉक, डिविडेंड का भी हुआ ऐलान, रिकॉर्ड डेट इसी महीने

नईदिल्ली, एजेंसी। जूपिटर लाइफ लाइन्स हॉस्पिटल्स लिमिटेड ने शेयरों के बंटवारे का ऐलान किया है। कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज को इसकी जानकारी दे दी है। शेयर बाजारों को दी जानकारी में कंपनी ने बताया है कि 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर को 5 हिस्सों में बांटा जाएगा। कंपनी के शेयरों का 5 हिस्सों में बंटवारा होगा। रुपये की फेस वैल्यू वाले एक शेयर को 5 टुकड़ों में बांटने के बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू घटकर 2 रुपये प्रति शेयर हो जाएगी। इस कंपनी ने निवेशकों को डिविडेंड देने का भी ऐलान किया है। कंपनी ने दी जानकारी में कहा है कि 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर योग्य निवेशकों कोो 10 प्रतिशत का डिविडेंड दिया जाएगा। इस डिविडेंड के लिए ने 22 मई की तारीख को रिकॉर्ड डेट घोषित किया है। जिन निवेशकों का नाम कंपनाी के रिकॉर्ड बुक में इस दिन रहेगा उन्हें डिविडेंड का लाभ मिलेगा। कंपनी ने तीन बार योग्य निवेशकों को डिविडेंड दिया है। पहली बार इस कंपनी ने 2024 में निवेशकों को डिविडेंड दिया था। तब एक शेयर पर 1 रुपये का डिविडेंड मिला था। दूसरी बार कंपनी के शेयर 2025 में एक्स-डिविडेंड ट्रेड किए थे। तब योग्य निवेशकों को एक शेयर पर 1 रुपये का फायदा हुआ था। अब 22 मई को भी कंपनी एक्स-डिविडेंड ट्रेड करेगी। तब योग्य निवेशकों को एक शेयर पर 1 रुपये का डिविडेंड मिलेगा।

विदेश यात्रा करने पर लगेगा टैक्स? पीएम मोदी ने बताया गलत, बोले- जरा सी भी सच्चाई नहीं

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन खबरों को सिरे से खारिज कर दिया है जिसमें कहा जा रहा था कि सरकार विदेश यात्रा पर टैक्स लगाएगी। बता दें कि पीएम मोदी ने लोगों से विदेश यात्राओं को स्थगित करने की अपील की है ताकि विदेशी मुद्रा को कम से कम खर्च किया जा सके। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन खबरों को सिरे से खारिज कर दिया है जिसमें कहा जा रहा था कि सरकार विदेश यात्रा पर टैक्स या सेस लगाएगी। पीएम मोदी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक मीडिया संस्थान की खबर को शेयर करते हुए कहा कि यह पूरी तरह से गलत है। इसमें जरा भी सच्चाई नहीं है। विदेश यात्रा पर इस तरह की पाबंदियां लगाने का तो कोई सवाल ही नहीं उठता। हम अपने लोगों के लिए 'इज ऑफ डूइंग बिजनेस' और 'इज ऑफ लीविंग' को बेहतर बनाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं।

क्या है मामला?

दरअसल, एक मीडिया संस्थान में ये खबर चल रही थी कि सरकार विदेश यात्रा पर टैक्स/सेस या अतिरिक्त चार्ज लगाने पर विचार कर रही है। मीडिया रिपोर्ट में यह दावा किया जा रहा था कि इस प्रस्ताव पर उच्च स्तरीय स्तर पर चर्चा चल रही है। हालांकि, अब पीएम नरेंद्र मोदी ने खुद इस खबर को अफवाह बता दिया है। इसके बाद मीडिया संस्थान ने माफी मांगते हुए अपने एक्स हैंडल से पोस्ट किया कि विदेशी यात्रा पर टैक्स/सेस लगाने पर सरकार के विचार से जुड़ी हमारी खबर सही नहीं है। हम इस खबर को हटाते हैं और इस त्रुटि के लिए खेद व्यक्त करते हैं।

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम एशिया में तनाव के मद्देनजर मितव्ययिता उपाय अपनाने की अपील की है। मोदी ने बीते रविवार को कहा था कि सरकार लोगों को पश्चिम एशिया संकट के प्रतिकूल प्रभाव से बचाने की कोशिश कर रही है। इसके लिए पीएम मोदी ने विदेशी

मुद्रा भंडार को बचाने पर जोर दिया। इसी कड़ी में उन्होंने लोगों से विदेश यात्राओं को स्थगित करने की अपील की थी ताकि विदेशी मुद्रा को कम से कम खर्च किया जा सके। पीएम मोदी ने एक साल तक सोने की खरीदारी को टालने और ईंधन का कम से कम इस्तेमाल करने को भी कहा था। हालांकि, ये अनिवार्य नहीं बनाया गया है। ये पीएम मोदी की सिर्फ अपील भर है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार आठ मई को समाप्त सप्ताह में 6.29 अरब डॉलर बढ़कर 696.99 अरब डॉलर हो गया।

सरकार ने अब तक क्या लिए एक्शन

सरकार ने पश्चिम एशिया संकट के कारण विदेशी मुद्रा भंडार पर बढ़ रहे दबाव के मद्देनजर गैर-आवश्यक आयात पर रोक लगाने के लिए सोने और चांदी पर आयात शुल्क को बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया है। सोने और चांदी पर आयात शुल्क छह प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया गया है जबकि प्लैटिनम पर इसे 6.4 प्रतिशत से बढ़ाकर 15.4 प्रतिशत किया गया है। इसके अलावा ईंधन की खपत कम करने को पेट्रोल और डीजल के दाम में क्रमशः 3-3 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। इससे तेल कंपनियों को राहत मिलेगी।

दुनिया के पहले ट्रिलियनेयर बनने जा रहे एलन मस्क

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क जल्दी ही ट्रिलियनेयर बन सकते हैं। उनकी कंपनी स्पेसएक्स अगले महीने लिस्टिंग की तैयारी कर रही है। रॉकेट और सैटेलाइट बनाने वाली यह कंपनी 2 ट्रिलियन डॉलर मार्केट कैप का टारगेट लेकर चल रही है। उसकी योजना 75 अरब डॉलर का आईपीओ लाने की है जो दुनिया के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा इश्यू होगा। स्पेसएक्स में मस्क की 40 से 42 फीसदी हिस्सेदारी है। माना जा रहा है कि कंपनी का आईपीओ आने के बाद वह दुनिया के पहले ट्रिलियनेयर बन जाएंगे। एक झटके में उनकी नेटवर्थ करीब 800 अरब डॉलर बढ़ जाएगी।

रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक स्पेसएक्स 11 जून को अपने ब्लॉकबस्टर आईपीओ की तैयारी कर रही है और उसने इसके लिए नैसडैक को लिस्टिंग वेन्यू तय किया है। कंपनी तेजी से आईपीओ की प्रोसेस को आगे बढ़ा रही है और अगले बुधवार तक उसका प्रॉसपेक्टस पब्लिक हो सकता है। कंपनी 4 जून को रोडशो और 12 जून को मार्केट डेब्यू कर सकती है। पहले इसे जून के अंत में मस्क के जन्मदिवस के आसपास लिस्ट कराने की योजना थी।

रेवेन्यू और प्रॉफिट

यह दुनिया का अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ होगा। अभी तक का सबसे बड़ा आईपीओ सऊदी अरामको का है जिसने 2019 में 29 अरब डॉलर जुटाए थे। स्पेसएक्स की कमाई में स्टारलिंक सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस की अहम हिस्सेदारी है। पिछले साल कंपनी का रेवेन्यू 16 अरब डॉलर

और नेट प्रॉफिट 8 अरब डॉलर रहा था। कंपनी के बिजनेस में डायरेक्ट-टू-मोबाइल की भी काफी संभावना है। साथ ही कंपनी चांद और मंगल ग्रह के लिए स्टारशिप रॉकेट का भी विकास कर रही है। मस्क मंगल ग्रह पर इंसानों की बस्ती बसाना चाहते हैं।

इतिहास का सबसे बड़ा आईपीओ

एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स अगले महीने लिस्टिंग की तैयारी में है इसके लिए कंपनी 2 ट्रिलियन मार्केट कैप का टारगेट लेकर चल रही है 75 अरब के साथ उसका आईपीओ दुनिया का सबसे बड़ा इश्यू होगा

इस आईपीओ से मस्क की नेटवर्थ करीब 800 अरब डॉलर बढ़ जाएगी मस्क की नेटवर्थ ब्लूमबर्ग बिलिनेयर के मुताबिक मस्क की नेटवर्थ 680 अरब डॉलर है। इस साल उनकी नेटवर्थ में 60.6 अरब डॉलर की तेजी आई है। अगर स्पेसएक्स की वैल्यूएशन 2 ट्रिलियन डॉलर पहुंचती है तो इससे मस्क की नेटवर्थ में 800 अरब डॉलर से अधिक तेजी आएगी और वह एक झटके में दुनिया के पहले ट्रिलियनेयर बन जाएंगे। माना जा रहा है कि स्पेसएक्स आईपीओ से जुटाई गई कुछ रकम का इस्तेमाल स्पेस-आधारित डेटा सेंटर विकसित करने में करेगी।

एमिरेट्स एनइबीडी का हो गया आरबीएल बैंक, 3 अरब डॉलर की डील को सरकार ने दी मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस समय 5 देशों की यात्रा पर हैं। इसकी शुरुआत उन्होंने आज यूएई से की। इस दौरान भारत और यूएई के बीच एनर्जी और डिफेंस समेत कई ऐतिहासिक समझौते हुए। वहीं इस दौरान दुबई स्थित दिग्गज बैंकिंग ग्रुप एमिरेट्स एनबीडी को आरबीएल बैंक में बहुमत हिस्सेदारी हासिल करने के लिए भारत सरकार और सभी संबंधित नियामक निकायों से अंतिम मंजूरी मिल गई।

एमिरेट्स एनबीडी आरबीएल बैंक में 60 प्रतिशत हिस्सेदारी के लिए लगभग 95.9 करोड़ शेयर खरीदेगा। यह अधिग्रहण 280 रुपये प्रति शेयर की दर से तरजीही निर्गम के माध्यम से किया जाएगा। यह कुल सौदा लगभग 3 अरब डॉलर (करीब 26,850 करोड़ रुपये) का है। करीब 3 अरब डॉलर का यह निवेश भारतीय बैंकिंग क्षेत्र में अब तक का सबसे

बड़ा इक्विटी फंड जुटाने वाला मामला है। यह पहला मौका है जब किसी विदेशी बैंकिंग संस्थान को भारत के किसी मुनाफे में चल रहे बैंक में बहुमत हिस्सेदारी खरीदने की अनुमति दी गई है। ओपन ऑफर की प्रक्रिया पूरी होने के बाद आरबीएल बैंक में एमिरेट्स एनबीडी की कुल हिस्सेदारी 51 प्रतिशत से 74 प्रतिशत के बीच रहने की उम्मीद है। सौदे के पूरा होने पर एमिरेट्स एनबीडी को आरबीएल बैंक के प्रोमोटर के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा। आरबीएल बैंक अब भारतीय रिजर्व बैंक के ढांचे के तहत एक विदेशी बैंक सहायक कंपनी के रूप में काम करेगा। भविष्य में एमिरेट्स एनबीडी की मुंबई, चेन्नई और गुरुग्राम स्थित भारतीय शाखाओं का आरबीएल बैंक में विलय कर दिया जाएगा।

कोल इंडिया की एक और कंपनी का आएगा आईपीओ, मोदी सरकार ने दी मंजूरी

नईदिल्ली, एजेंसी। महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड की शेयर बाजार में लिस्टिंग होने वाली है। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने लिस्टिंग और विनिवेश के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इससे कोयला उत्पादक कंपनी के लिए इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग के जरिए शेयर बाजार में उतरने का रास्ता खुल गया है। बता दें कि निवेश और सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग और कोयला मंत्रालय ने कोल इंडिया लिमिटेड और महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड के बोर्ड से मंजूरी मिलने के बाद इस प्रस्ताव को सामने रखा था। महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड की बात करें तो कोल इंडिया की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। यह भारत की सबसे बड़ी कोयला उत्पादक कंपनियों में से एक है और इसका ज्यादातर काम ओडिशा में होता है। यह लिस्टिंग केंद्र सरकार की एक और बड़ी विनिवेश पहल होगी,

जिसके जरिए वह सरकारी कंपनियों में पूंजी बाजार की भागीदारी को बढ़ाना चाहती है।

कोल इंडिया को मिली मंजूरीः कोल इंडिया लिमिटेड को के हिस्से के तौर पर ऑफर फॉर सेल के जरिए और बाद में अतिरिक्त चरणों में महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड में अपनी हिस्सेदारी कम करने की अनुमति मिल गई है। इस मंजूरी से महानदी कोलफील्ड्स को के दौरान इक्विटी शेयर जारी करके और बाद में फॉलो-ऑन पब्लिक ऑफर क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट या सेबी (सेबी) द्वारा मंजूर किए गए अन्य तरीकों से नई पूंजी जुटाने की भी अनुमति मिल गई है।

सरकार ने कहा कि विनिवेश और पूंजी जुटाने की ये प्रक्रियाएं एक साथ या अलग-अलग की जा सकती हैं और ये कई चरणों में हो सकती हैं। इसके तहत महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड में कोल इंडिया की हिस्सेदारी 25 प्रतिशत तक कम की जा सकेगी।

कोल इंडिया की पहले भी कंपनी हुई थी लिस्टल आपको बता दें कि कोल इंडिया की सहायक कंपनियों में से एक सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड मार्च 2026 में आईपीओ के जरिए शेयर बाजार में लिस्ट हुई थी। इसका आईपीओ 1,841.45 करोड़ रुपये का बुक-बिल्ट इश्यू था और यह पूरी तरह से 10.71 करोड़ शेयरों का ऑफर फॉर सेल था। यह पब्लिक इश्यू 172 रुपये प्रति शेयर की कीमत पर लॉन्च किया गया था। इसके शेयर अभी हस्थ्र पर 232.95 रुपये पर ट्रेड

60 लाख की नौकरी छोड़ वाट्सएप से शुरू किया काम, आज खड़ी कर दी 12 करोड़ की कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। आज के डिजिटल युग में सफलता के लिए बड़े शोरूम की नहीं, बल्कि एक ठोस विजन और सही शुरुआत की जरूरत है। इसकी जीती-जागती मिसाल हैं राम्या देवनाथन। 18 साल तक टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज जैसी दिग्गज कंपनी में डिलीवरी मैनेजर के तौर पर काम करने वाली राम्या ने जब अपना 60 लाख रुपये का सालाना पैकेज छोड़ा, तो शायद ही किसी ने सोचा होगा कि वह साड़ियों के कारोबार में क्रांति ला देंगी।

कोविड के दौर में जब दुनिया थम सी गई थी, राम्या ने अपनी नौकरी छोड़ने का जोखिम उठाया। साल 2021 में उन्होंने अपनी रिश्तेदार विबिशिका कार्की के साथ मिलकर महज 2 लाख रुपये के निवेश से मद्रास साड़ी की नींव रखी। इस सफर की शुरुआत किसी भव्य ऑफिस से नहीं, बल्कि चेन्नई में उनके घर के पास स्थित 10×10 फीट के एक छोटे से कमरे से हुई। शुरू में टीम में सिर्फ चार लोग थे, जिनमें दो लड़कियां उनकी मदद के लिए थीं। उनका यह काम कुछ ही वर्षों में 12 करोड़ रुपये के कारोबार में बदल गया है। राम्या ने बिजनेस में सोशल मीडिया की ताकत समझी। उन्होंने बिजनेस की शुरुआत एक वॉट्सऐप ग्रुप से की थी। इसके बाद इंस्टाग्राम और फेसबुक

के जरिए ब्रांड की मार्केटिंग की। शुरुआत में जहां दिनभर में सिर्फ 10 ऑर्डर आते थे, आज यह आंकड़ा बढ़कर प्रतिदिन औसतन 285 ऑर्डर्स तक पहुंच गया है। साल 2021 में कंपनी के पास 8000 ग्राहक थे, लेकिन वेबसाइट लॉन्च होने के बाद यह दायरा बढ़ता गया। आज कंपनी का 65 प्रतिशत बिजनेस दक्षिण भारत और 35 प्रतिशत उत्तर भारत से आता है। मद्रास साड़ी आज 899 रुपये से लेकर 7500 रुपये तक की कीमत में लगभग 3500 तरह की साड़ियां उपलब्ध कराती है। कंपनी की खासियत यह है कि यहां के 70 प्रतिशत डिजाइन इन-हाउस तैयार किए जाते हैं। राम्या का कहना है कि वे फिलहाल कोई दुकान खोलने के बजाय ऑनलाइन मॉडल पर ही फोकस रखेंगी। राम्या की प्रतिभा और बिजनेस मॉडल को देखते हुए उन्हें तमिल टेलीविजन शो स्टार्टअप सिंगम सीजन 2 में 2 करोड़ रुपये की फंडिंग भी मिली है। आज उनका यह स्टार्टअप मद्रास साड़ी चेन्नई की एक दो-मंजिला (3500 स्क्वायर फीट) बिल्डिंग से संचालित हो रहा है,।

संक्षिप्त

सिद्धांत बंथिया ने पुर्तगाल में एटीपी चैलेंजर युगल खिताब जीता

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के सिद्धांत बंथिया और उनके बुल्गारियाई पार्टनर अलेक्जेंडर डोंस्की ने शनिवार को पुर्तगाल में एटीपी चैलेंजर 100 टेनिस टूर्नामेंट, ओइरास ओपन 4 में डबल्स टाइटल जीता। गैर वरीय इंडो-बुल्गारियाई जोड़ी ने फाइनल में पुर्तगाल के टियागो परेरा और स्पेन के डेविड वेगा हर्नांडेज़ को 6-3, 6-2 से हराया, और क्ले कोर्ट पर एक घंटे और तीन मिनट में मुकाबला खत्म किया। भारतीय टेनिस खिलाड़ी और डोंस्की को शुरुआती सेट में आखिरी समय में मिली चुनौती का सामना करना पड़ा। चौथे गेम में अहम ब्रेक पाने के बाद, उन्होंने 5-3 के स्कोर पर सेट के लिए सर्व करते हुए एक ब्रेकपॉइंट बचाया और फिर 32 मिनट में सेट खत्म कर दिया। इसी मोमेंटम को दूसरे सेट में भी जारी रखते हुए, इंडो-बुल्गारियाई जोड़ी ने तीसरे और सातवें गेम में सर्व तोड़कर जीत हासिल की।

दिलवारा गांव की बेटियां, फुटबॉल से गढ़ रही पहचान

जयपुर, एजेंसी। नसीराबाद क्षेत्र के दिलवारा गांव की लड़कियां फुटबॉल के जरिए अपनी पहचान गढ़ रही हैं। कभी बंजर जमीन रही यह जगह अब सपनों का मैदान बन चुकी है जहां रोजाना शाम को 100 से अधिक लड़कियां घंटों अभ्यास करती हैं। गांव के युवाओं और खिलाड़ियों के सामूहिक प्रयास से कांटों और पत्थरों से भरी जमीन को खेल मैदान में बदला गया है। घास का मैदान तैयार करने का काम भी जारी है। स्थानीय निवासी राकेश प्रजापत ने बताया कि उनका सपना फुटबॉलर बनने का था लेकिन आर्थिक कारणों से अधूरा रह गया। अब वे चाहते हैं कि गांव की बेटियां उनका सपना पूरा करें। पांच साल पहले केवल पांच लड़कियां खेलती थीं आज यह संख्या सौ से अधिक हो चुकी है। इनमें से एक लड़की राष्ट्रीय स्तर पर खेल चुकी है और 6-7 राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग ले चुकी हैं।

विराट को कुछ भी साबित करने की जरूरत नहीं है: आर अश्विन

नई दिल्ली, एजेंसी। विराट कोहली ने हाल ही में एक पॉडकास्ट में टेस्ट क्रिकेट से हटने और अपने इस फैसले पर असर डालने वाले दबावों के बारे में खुलकर बात की है। विराट ने पॉडकास्ट में कहा था कि इतने लंबे समय तक क्रिकेट खेलने के बाद हर मैच में अपनी अहमियत साबित करने के दबाव ने उन्हें टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने को मजबूर किया। पूर्व क्रिकेटर आर अश्विन ने कोहली के रुख का समर्थन किया है। आर अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, "विराट ने पॉडकास्ट में कहा कि मुझे अपना काम किसी को साबित करने की जरूरत नहीं है। यह बिल्कुल सही है। मुझे भी ऐसा ही महसूस हुआ था। साबित करने के लिए कुछ भी नहीं बचा था। इतने सालों तक खेलने और भारत के लिए इतने मैच जीतने के बाद विराट को किसे साबित करने की जरूरत है?"

एलिना स्वितोलिना ने जीता इटैलियन ओपन का खिताब

रोम, एजेंसी। सातवीं वरीयता प्राप्त एलिना स्वितोलिना ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए विमेंस सिंगल्स फाइनल मुकाबले में कोको गॉफ को दो घंटे तक चले मैच में 6-4, 6-7 (3), 6-2 से हराकर इटैलियन ओपन के खिताब को अपने नाम किया। दूसरी वरीयता प्राप्त एलेना रायबाकिना और सेमीफाइनल में इगा स्वियाटेक को हराकर फाइनल में पहुंचीं स्वितोलिना पिछले साल की रनर-अप गॉफ के खिलाफ शुरुआत में दबाव में दिखाई दीं और पहले सेट में 2-4 से पीछे चल रही थीं। मैच का टर्निंग पॉइंट आठवें गेम में आया, जब गॉफ ने 40-0 की लीड बनाने के बाद दो बार डबल-फॉल्ट किया।

धर्मशाला में आरसीबी की धमाकेदार जीत

पंजाब की लगातार छठी हार, हार के साथ ही पंजाब के प्लेऑफ में पंहुचने की उम्मीदें भी न के बराबर रह गई

- **पंजाब की ओर से शशांक सिंह ही एकमात्र बल्लेबाज रहे जिन्होंने अर्धशतक लगाया**

धर्मशाला, एजेंसी।

हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के धर्मशाला स्टेडियम में खेले गए आईपीएल मुकाबले में आरसीबी ने पंजाब को उनके ही घर पर 23 रनों से मात दी है। धर्मशाला में पंजाब किंग्स इलेवन की यह लगातार तीसरी और इस सीजन में लगातार छठी हार है। इस हार के साथ ही पंजाब के प्लेऑफ में पंहुचने की उम्मीदें भी न के बराबर रह गई हैं।

धर्मशाला में खेले गए इस मुकाबले में आरसीबी की शानदार ऑलराउंड परफॉर्मेंस के चलते आरसीबी ने जीत हासिल कर टेबल पॉइंट में अपनी टॉप पोजिशन बरकरार रखी है। वहीं प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर ली है। उधर 223 रनों के लक्ष्य को लेकर बल्लेबाजी के लिए उतरी पंजाब की टीम निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट में 199 रन ही बना पाई। इस तरह आरसीबी ने यह मैच 23 रनों से जीतकर अपनी झोली में डाल लिया।

223 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब की शुरुआत बेहद खराब रही और उसके दोनों ओपनर जल्दी आउट हो गए। ओपनर प्रियांश आर्य शून्य पर जबकि प्रभसिमरन सिंह महज 2 रन बनाकर आउट हो गए। पंजाब की ओर से शशांक सिंह ही एकमात्र बल्लेबाज रहे जिन्होंने अर्धशतक लगाया। शशांक ने 27 गेंदों में 4 चौके और 4 छक्कों के साथ 56 रन बनाए। इसके अलावा कूपर कनोली ने 22 गेंदों में 3 चौके और 3 छक्कों के साथ 37 रन बनाए। मारकस स्टाइनिस ने 25 गेंदों में 37 और सूर्यांश शेडगे ने 22 गेंदों पर 35 रनों की पारी खेली। कप्तान श्रेयस अय्यर कुछ खास नही कर पाए और महज एक रन बनाकर आउट हो गए। अजमातुल्लाह ओमारजाई ने 10 गेंदों पर 14 रन बनाए।

गेंदबाजी में आरसीबी की ओर से आर सालम ने 3 विकेट आने नाम किये। इसके अलावा ऐसा सीजन में सबसे ज़्यादा विकेट टेकर भुवनेश्वर कुमार ने दो तथा जोश हेजलवुड, सुयश शर्मा और रोमारियो शेफर्ड ने एक-एक विकेट लिए।

उधर इससे पूर्व पहले बल्लेबाजी करते हुए आरसीबी ने पंजाब को जीत के लिए 223 रनों का लक्ष्य दिया था। आरसीबी ने निर्धारित 20 ओवरों में 4 विकेट पर 222 रनों के स्कोर खड़ा किया। आरसीबी की ओर से इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में टीम में शामिल वेंकटेश अय्यर ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 40 गेंदों में 73 रनों की नाबाद पारी खेलकर आरसीबी को एक बड़े स्कोर की तरफ ले गए। उन्होंने 8 चौकों और 4 छक्कों की मदद से नाबाद 73 रन बनाए। वहीं इससे पूर्व ओपनर विराट कोहली ने भी अपना अर्धशतक बनाया। कोहली ने 37 गेंदों में 4 चौकों और 3 छक्कों के साथ 58 रन बनाए। जबकि उनके साथ तीसरे नम्बर पर बल्लेबाजी करने उतरे देवदत्त पडीकल ने भी 25 गेंदों में शानदार 45 रन बनाए। पडीकल ने इस पारी में 4 चौके और 3 छक्के लगाए। इसके बाद बल्लेबाज टिम डेविड और वेंकटेश अय्यर की शानदार साझेदारी के चलते आरसीबी ने निर्धारित 20 ओवरों में 222 रन का स्कोर खड़ा किया। टिम डेविड ने भी 12 गेंदों में 2 चौकों और 2 छक्कों के साथ नाबाद 28 रन बनाकर आरसीबी को 222 तक पंहुचाने में अहम भूमिका निभाई।

धर्मशाला में आईपीएल का 'महंगा रोमांच', 45 हजार तक बिके टिकट

धर्मशाला। आईपीएल मैचों के इस सीजन में जितना बड़ा मैच, उतनी ही बड़ी जेब दर्शकों को ढीली करनी पड़ रही है। धर्मशाला में आईपीएल मैचों के टिकटों की कीमतों में हुई भारी बढ़ोतरी का असर अब साफ तौर पर देखने को मिल रहा है। रविवार को पंजाब किंग्स और आरसीबी के मुकाबले में एक ओर जहां कई दर्शक महंगे टिकटों व टिकट न मिलने के कारण स्टेडियम पहुंचने में नाकाम रहे। वहीं दूसरी ओर मैच की एक पारी समाप्त होने के बाद भी 45 हजार रुपये तक के टिकट ऑनलाइन बिकते रहे। क्लब लॉज का जो टिकट 22 हजार 500 रुपये तक रहता है, इस मैच में दोगुना से अधिक 45 हजार दामों में बेचा गया।

'आईपीएल के सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी' हैं नारायण : अंबाती रायुडू

कोलकाता, एजेंसी।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर अंबाती रायुडू का मानना है कि सुनील नारायण उनके हिसाब से आईपीएल के सर्वकालिक सबसे बेहतरीन खिलाड़ी हैं।" यह बयान तब आया जब नारायण ने गुजरात टाइटंस (जीटी) के ख़िलाफ़ अपने चार ओवरों में 29 रन देकर 2 विकेट लिए और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की आईपीएल 2026 में 29 रन की जीत में अहम भूमिका निभाई। उनके प्रदर्शन के बाद रायुडू की बात से असहमत होना मुश्किल था। नारायण साल दर साल केकेआर के लिए मैच जिताते आए हैं और ऐसा नहीं लगता कि उनका रुकने का कोई इरादा है।

ईएसपीएन क्रिकइंफो के टाइमआउट शो में, नारायण को उनके 200वें आईपीएल मैच में प्लेयर ऑफ़ द मैच चुने जाने के बाद रायुडू ने कहा, "गेंद से मैच विनर, बल्ले से भी मैच विनर। आईपीएल में कई महान खिलाड़ी आए हैं, लेकिन यह खिलाड़ी हमेशा सबसे अलग दिखता है। मेरे लिए यह सूची में सबसे ऊपर है।"

संजय बांगर, जो रायुडू के साथ बैठे थे, उतने भावुक नहीं दिखे, लेकिन उन्होंने भी नारायण को आईपीएल इतिहास के अपने "टॉप पांच" खिलाड़ियों में रखा और उन्हें "लीग का लीजेंड" बताया। बांगर ने कहा, "इस लीग में कई महान खिलाड़ियों ने खेला है, लेकिन लंबा करियर भी मायने रखता है। उन्हें अपने गेंदबाज़ी ऐक्शन पर कई बार सवालों का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने उसी ओवरस्पिन के साथ सफलता हासिल करने का नया तरीका खोज लिया, जिसके लिए वे जाने जाते हैं। साथ ही, उन्होंने गेंद को दोनों तरफ़ टर्न कराने की क्षमता भी बरक़रार रखी। यही चीज़ बल्लेबाज़ों के मन में भारी संदेह पैदा करती है। मुझे लगता है कि यही खूबियां उन्हें लीग का लीजेंड बनाती हैं।

नारायण आईपीएल में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वालों की सूची में केवल युज़वेंद्र चहल (230 विकेट) और भुवनेश्वर कुमार (220 विकेट) से पीछे हैं।

वैभव सूर्यवंशी को भारत की टी-20 टीम में जल्द मौका मिलना चाहिए : रवि शास्त्री

नई दिल्ली, एजेंसी।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री का मानना है कि युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए तैयार हैं। उसे जल्द भारत की टी-20 टीम में मौका मिलना चाहिए।

आईसीसी पुरुष अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप 2026 में भारतीय अंडर 19 टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने के बाद सूर्यवंशी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मौजूदा सीजन में राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हुए ताबड़तोड़ रन बना रहे हैं।

आईसीसी रिव्यू में बातचीत के दौरान रवि शास्त्री ने कहा कि अगर आप किसी युवा खिलाड़ी को प्रोत्साहित करना चाहते हैं या उसे जल्द से जल्द टीम में शामिल करना चाहते हैं, तो टी20 फॉर्मेट सबसे सही मंच है और यह युवा खिलाड़ी किसी भी लिहाज से पीछे नहीं है। यह लड़का इस समय विश्व क्रिकेट की कई टीमों में आसानी से जगह बना सकता है। उसकी युवावस्था के जोश को देखिए और वह जोश उसके चेहरे पर भी झलकता है।

शास्त्री ने सुझाव दिया कि जून में होने वाला आयरलैंड का आगामी दौरा सूर्यवंशी को टीम में शामिल करने का सही समय हो सकता है, जिससे वह भारत के लिए सबसे कम उम्र में डेब्यू करने वाला खिलाड़ी बन जाएगा।

वैभव की कम उम्र को लेकर शास्त्री ने कहा कि बहुत से लोग पूछेंगे वह 15 साल का है, 16 साल का है या 14 साल का।

सात्विक-चिराग थाईलैंड ओपन में उपविजेता रहे

पटुमवान (थाईलैंड), एजेंसी। भारत की शीर्ष पुरुष जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी थाईलैंड ओपन में रनर-अप रहे, उन्हें इंडोनेशिया के लियो रोली कार्नांडो और डेनियल मार्टिन से 53 मिनट में 21-12, 25-23 से हार का सामना करना पड़ा। शुरुआती गेम में सात्विक और चिराग को मोमेंटम पाने के लिए संघर्ष करना पड़ा, जिसमें इंडोनेशियाई जोड़ी ने 21-12 से जीत हासिल की। भारतीय जोड़ी ने दूसरे गेम में वापसी की, जोरदार वापसी की और गेम को आखिर तक खींचा, जहां लगातार पांच चैंपियनशिप पॉइंट बचाने के बाद, वे आखिरकार 25-23 से हार गए।

हैमस्ट्रिंग समस्या के कारण पथिराना ने छोड़ा मैदान

- **जीटी के ख़िलाफ़ दूसरे ओवर में पहली गेंद डालने के बाद पथिराना ने अपनी हैमस्ट्रिंग के आसपास परेशानी की ओर इशारा किया और ज़मीन पर बैठ गए**

कोलकाता, एजेंसी।

तेज गेंदबाज मतीशा पथिराना का आईपीएल 2026 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के लिए डेब्यू सिर्फ़ आठ गेंदों तक ही सीमित रहा। दूसरी पारी में गुजरात टाइटंस (जीटी) के ख़िलाफ़ कोलकाता में गेंदबाज़ी करते हुए हैमस्ट्रिंग में परेशानी महसूस होने के बाद उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा।

श्रीलंका के इस स्लिंगर को केकेआर ने अपनी गेंदबाज़ी पारी के दौरान इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में उतारा था और उन्हें चौथे ओवर में गेंदबाज़ी सौंपी गई। अपने पहले ओवर में उन्होंने सात रन दिए। लेकिन दूसरे ओवर में पहली गेंद डालने के बाद पथिराना ने अपनी हैमस्ट्रिंग के आसपास परेशानी की ओर इशारा किया और ज़मीन पर बैठ गए। टीम फ़िज़ियो ने उनका उपचार किया और उन्होंने एक और गेंद डालने की कोशिश की, लेकिन वह पूरी रफ़्तार से गेंदबाज़ी नहीं कर पा रहे थे। केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे से बातचीत के बाद पथिराना मैदान से बाहर चले गए। वह अपने दूसरे ओवर में सिर्फ़ दो गेंदें ही डाल सके।

रियल मैड्रिड ने मुझसे संपर्क नहीं किया है: जोस मोरिन्हो

मैड्रिड, एजेंसी।

पुर्तगाली मैनेजर जोस मोरिन्हो अपने करियर में दूसरी बार रियल मैड्रिड के कोच बनने के काफी करीब हैं। उन्होंने इस बात की पुष्टि की है कि क्लब ने उनके प्रतिनिधि जॉर्ज मेंडेस से संपर्क किया है।

शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, एस्टोरिल प्राया पर बेनफिका को 3-1 से जीत दिलाने के बाद पुर्तगाल में प्रेस से बात करते हुए, मोरिन्हो से पूछा गया कि क्या वह 2010 से 2013 के बीच क्लब को कोचिंग देने के बाद रियल मैड्रिड लौटेंगे।

शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, एस्टोरिल प्राया पर बेनफिका को 3-1 से जीत दिलाने के बाद प्रेस से बातचीत के दौरान जब रियल मैड्रिड में वापसी का सवाल मोरिन्हो से किया गया, तो उन्होंने कहा, "मुझे नहीं पता, मेरे पास रिकॉर्ड पर केवल एक ही प्रस्ताव है, वह बेनफिका की ओर से है। मैंने अभी तक देखा नहीं है, लेकिन मेंडेस ने मुझे बताया है कि यह बहुत अच्छा है।

63 वर्षीय मोरिन्हो ने कहा कि उन्होंने रियल मैड्रिड के अध्यक्ष फ्लोरेंटिनो पेरेज या क्लब से जुड़े किसी अन्य व्यक्ति से सीधे तौर पर बात नहीं की है। उन्होंने कहा कि क्लब और जॉर्ज के बीच संपर्क चल रहा है। मुझे विश्वास है कि अगले हफ्ते तक यह संपर्क मुझसे भी होगा।

मोरिन्हो ने बेनफिका में ही बने रहने की संभावना से इनकार नहीं करते हुए कहा कि उनका इरादा यह देखने का है कि अगले सप्ताह मेरे लिए क्या विकल्प उपलब्ध होगा।

इटैलियन ओपनः एंड्रीवा-श्नाइडर ने डबल्स का खिताब जीता

- **रोम में मिली इस जीत ने इसी महीने की शुरुआत में मैड्रिड में मिली निराशा को भी कम कर दिया**

रोम, एजेंसी।

रूस की मिरा एंड्रीवा और डायना श्नाइडर की जोड़ी ने रविवार को इटैलियन ओपन में महिला डबल्स का खिताब जीत लिया। एकतरफा रहे फाइनल में एंड्रीवा और श्नाइडर की जोड़ी ने क्रिस्टीना बुक्सा और निकोल मेलिचर-मार्टिनेज की जोड़ी को 6-3, 6-3 से हराया। मुकाबला 69 मिनट तक चला।

यह जीत इस जोड़ी का एक साथ दूसरा डब्ल्यूटीए 1000 खिताब और टीम के तौर पर कुल मिलाकर तीसरी ट्रॉफी थी। इस खिताब के बाद रोलैंड गैरोस से पहले टूर पर सबसे खतरनाक जोड़ियों में से एक के रूप में इस जोड़ी की साख बढ़ी है। रोम में मिली इस जीत ने इसी महीने की शुरुआत में मैड्रिड में मिली निराशा को भी कम कर दिया है। मैड्रिड में एंड्रीवा और श्नाइडर फाइनल में डबल्स विशेषज्ञ कैटरीना सिनियाकोवा

और टेलर टाउनसेंड से हार गई थीं।

इस बार मुकाबले में किसी भी तरह के उतार-चढ़ाव की गुंजाइश बहुत कम थी। मैच की शुरुआत से ही, रूसी जोड़ी ने आक्रामक रिटर्न और बेहतरीन नेट-प्ले से मैच की गति पर पूरा नियंत्रण रखा, और बुक्सा व मेलिचर-मार्टिनेज को लय बनाने का मौका दिया। पहला सेट आसानी से जीतने के बाद, उन्होंने दूसरे सेट में जीत हासिल करते हुए खिताब अपने नाम कर लिया।

एक साथ आने के बाद से एंड्रीवा और श्नाइडर का ब्रिस्बेन और मियामी के बाद यह तीसरा खिताब है। इस शानदार सफर में सेमीफाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त सिनियाकोवा और टाउनसेंड पर मिली एक यादगार जीत भी शामिल है। इसके साथ ही वे इस साल दुबई के बाद, अनुभवी चेक-अमेरिकी जोड़ी के अलावा डब्ल्यूटीए 1000 डबल्स खिताब जीतने वाली पहली टीम बन गई हैं।

एंड्रीवा के लिए, यह खिताब क्ले कोर्ट पर एकल में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद एक शानदार वापसी का भी प्रतीक है। इस युवा स्टार को मैड्रिड सिंगल्स के फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था, और उसके बाद रोम में भी कोको गॉफ से हारकर उन्हें टूर्नामेंट से जल्दी बाहर होना पड़ा था। वहीं, श्नाइडर एकल मुकाबले में नाओमी ओसाका से हारकर बाहर हो गई थीं।

लेकिन एक साथ मिलकर, इस जोड़ी ने डबल्स मुकाबले में एक बार फिर अपनी अलग ही छाप छोड़ी। पेरिस 2024 की ओलंपिक रजत पदक विजेता, एंड्रीवा और श्नाइडर, अब बढ़ती उम्मीदों और एक और बड़े क्ले-कोर्ट खिताब जीतने के आत्मविश्वास के साथ फ्रेंच ओपन की ओर बढ़ रही हैं।

चौधरी नौनिहाल सिंह क्लब बना चैम्पियन

प्रयागराज, एजेंसी।

चौधरी नौनिहाल सिंह क्लब ने ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज को दस विकेट से हराकर कर्नल एमआर शेरवानी ए डिवीजन क्रिकेट लीग का खिताब अपने नाम किया।

केपी कॉलेज मैदान पर रविवार को खेले गए फाइनल मैच में ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज ने 38.2 ओवर में 204 रन (रोहित राजपाल 53, अर्पित सिंह 41, रोशन कुशवाहा 30, सिद्धार्थ मिश्रा 27, राहुल राजपाल 22 आदि ने) बनाए। जवाब में चौधरी नौनिहाल सिंह क्लब ने 17.5 ओवर में बिना विकेट को 207 रन (प्रथम मिश्र 161 नाबाद, अनिकेत सिंह 42 नाबाद) बना लिए। मैच में शिशिर मेहरोत्रा व अरुण कुमार ने अम्पायरिंग एवं अंकित पांडेय ने स्कोरिंग की।

आईपीएल | प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए इन दोनों टीम के लिए यह मैच बेहद महत्वपूर्ण है

चेन्नई बनाम हैदराबाद : बल्लेबाजी में अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीम के पास होगा मौका

चेन्नई, एजेंसी।

अब तक अधिकतर मैचों में अपने बल्लेबाजों के दम पर जीत हासिल करने वाली चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और सनराइजर्स हैदराबाद की टीम सोमवार को यहां जब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में आमने-सामने होगी तो बल्लेबाजी विभाग में अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीम की जीत की संभावना अधिक रहेगी।

प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए इन दोनों टीम के लिए यह मैच बेहद महत्वपूर्ण है। हैदराबाद हालांकि चेन्नई की तुलना में बेहतर स्थिति में है। उसके 12 मैच में 14 अंक है और अभी वह अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है।

चेन्नई की टीम के 12 मैच में 12 अंक हैं और वह छठे स्थान पर है। जैसे कि उसके बल्लेबाजी कोच माइकल हसी ने कहा था, उनके लिए अब बाकी बचे दोनों मैच फाइनल जैसे हो गए हैं।

चेन्नई के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों ने अब तक जब भी अच्छा प्रदर्शन किया तब टीम को जीत मिली। ऐसे में उसकी संभावना बरकरार रखने के लिए संजू सैमसन, रुतुराज गायकवाड, उर्विल पटेल और कार्तिक शर्मा को अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ पिछले मैच में इनमें से केवल कार्तिक ने ही अच्छा प्रदर्शन किया था। उनके अलावा शिवम दुबे ने अंतिम ओवरों में आक्रामक पारी खेली थी लेकिन उसके गेंदबाज 188 रन के लक्ष्य का बचाव नहीं कर पाए थे।

तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज ने इससे पहले अपनी विकेट लेने की योग्यता का अच्छा नमूना पेश किया था लेकिन पिछले मैच में उन्होंने केवल 2.4 ओवर में 63 रन लुटा दिए थे। उनका इकोनोमी रेट 23.62 रहा जो टी20 क्रिकेट में कम से कम 15 गेंद करने वाले गेंदबाज का सबसे खराब प्रदर्शन है। उन्हें शीघ्र अपनी लय हासिल करनी होगी।

जहां तक सनराइजर्स की बात है तो कभी उसकी बल्लेबाजी टूर्नामेंट में सबसे मजबूत नजर आती है लेकिन कभी वह फिसड्डी साबित हो जाती है जैसा कि पिछले मैच में हुआ। गुजरात टाइटंस के खिलाफ 169 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए उसकी पूरी टीम 86 रन पर आउट हो गई थी।

सनराइजर्स को उस शर्मनाक प्रदर्शन को भुलाकर जल्द से जल्द अपने पुराने तेवर दिखाने होंगे। इसके लिए जरूरी है कि अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड और इशान किशन अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखें। अब तक लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले हेनरिक क्लासेन भी पिछले मैच में नहीं चल पाए थे।

जहां तक सनराइजर्स की गेंदबाजी की बात है तो उसके कप्तान और तेज गेंदबाज पैट कमिंस किफायती साबित हुए हैं लेकिन इशान मलिंगा पिछले मैच में महंगे साबित हुए थे।

टीम इस प्रकार हैं

चेन्नई सुपर किंग्स: रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), एमएस धोनी (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), कार्तिक शर्मा (विकेटकीपर), डेवाल्ड ब्रेविस, सरफराज खान, उर्विल पटेल (विकेटकीपर), अमन खान, शिवम दुबे, जैक फॉल्क्स, रामकृष्ण घोष, अंशुल कंबोज, मैथ्यू शॉर्ट, प्रशांत वीर, राहुल चाहर, श्रेयस गोपाल, गुरजापनीत सिंह, मैट हेनरी, अकील हुसैन, स्पेंसर जॉनसन, मुकेश चौधरी, नूर अहमद।

सनराइजर्स हैदराबाद: पैट कमिंस (कप्तान), अभिषेक शर्मा, आरएस अंबरीश, अमित कुमार, सलिल अरोड़ा, गेराल्ड कोएत्जी, हर्ष दुबे, क्रेन्स फुलेट्रा, ट्रैविस हेड, प्रफुल्ल हिंगे, ईशान किशन, हेनरिक क्लासेन, लियाम लिविंगस्टोन, दिलशान मदुशंका, ईशान मलिंगा, कामिंडु मेंडिस, नितीश कुमार रेड्डी, हर्षल पटेल, साकिब हुसैन, शिवांग कुमार, रविचंद्रन स्मरन, ओंकार तरमाले, जयदेव। उनादकट, अनिकेत वर्मा, जीशान अंसारी।

इस बारिश सेहत का कुछ ऐसे रखें ख्याल

गर्मी के मौसम के तुरंत बाद बारिश का मौसम आना जैसे बंजर जमीं पर पानी की बूंद गिरने जैसा होता है। गर्मी के बाद बारिश सबको अजीब सा सुकून देता है। बारिश में लोग भीगना पसंद है। मगर ज्यादा तर बीमारियां बारिश के आने के बाद आती हैं। तो किस तरह से इस बारिश के मौसम में रखें अपने सेहत का ख्याल आपको बतातें हैं। देश में जहां कई जगहों पर बारिश शुरू हो चुकी है वहीँ कई कोनो में लोग अभी बेसब्री से बारिश का इंतजार कर रहे हैं। तो इस तरह से सभी को मानसून एन्जॉय करने के साथ इसके साथ आने वाली बीमारियों का भी ख्याल रखना चाहिए। क्यों की मानसून जरूर ठंडक लाता है मगर साथ में वह अपने बहुत सारी बीमारियां भी लाता है।

खानपान का रखें ध्यान: बारिश के दिनों में बाहर का खाना सबको बहुत अच्छा लगता है मगर वहीँ खाना पेट की बिमारियों को जन्म देता है। बारिश में गलत खाना खाने से पीलिया, मलेरिया, टायफाइड, पेट व आंतों संबंधी बीमारियां, खांसी, जुकाम, जोड़ों में दर्द, त्वचा में इंफेक?शन, बुखार और फ्लू जैसी सकती है। इस तरह से इस बारिश जो भी आप खाते है उसे अपनी सेहत के अनुसार खाएं।

तुलसी और कड़ी पत्ते का प्राकृतिक क्लींजर

कड़ी पत्ते और तुलसी दोनों में एंटी-आक्सीडेंट होते हैं। जो आपकी त्वचा को इंफेक्शन और मुंहासों से बचाते हैं। साथ ही यह आपकी त्वचा को कोमल व नर्म बनाने के साथ पिग्मेंटशन (झाइयों) और झुरियों को कम करने में मदद करता है। इसके अलावा इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी और मॉश्चराइजिंग गुण भी होते हैं जिसे त्वचा पर लगाने से त्वचा में निखार आने लगता है।

रेड बर्थमार्क के कारण, निदान और इलाज

बर्थमार्क्स यानी जन्मजात निशान त्वचा पर मौजूद बदरंग निशान होते हैं। कई नवजात शिशुओं में लाल अथवा कुछ अन्य प्रकार के निशान होते हैं। आमतौर पर ये निशान जन्म के कुछ सप्ताहों के भीतर ही नजर आ जाते हैं। ये निशान त्वचा के करीब मौजूद रक्त वाहिनियों द्वारा बनते हैं। इन निशानों के बनने की बड़ी वजह त्वचा में पिग्मेंटशन के कारण रक्तवाहिनियों का अधिक निर्माण होता है।

कारण

आमतौर पर इन निशानों का मुख्य कारण किसी को नहीं पता। और साथ ही इन निशानों को होने से रोकने के लिए ही कुछ किया जा सकता है। बर्थमार्क्स के कारकों के बारे में भले ही अधिक जानकारी न हो, लेकिन इतना तो साफ है कि वाहिकीय समस्याओं से होने वाले बर्थमार्क्स अनुवांशिक नहीं होते। जानकार मानते हैं कि इसके पीछे त्वचा कोशिकाओं को प्रभावित करने वाले स्थानिक कारण अधिक उत्तरदायी होते हैं।

पोर्ट वाइन स्टेन

इन निशानों की मुख्य वजह रक्तवाहिनियों की चौड़ाई निर्धारित करने वाली प्रक्रिया में असंतुलन का होना है। परिणामस्वरूप, इस क्षेत्र में निरंतर प्रवाहित होने वाला रक्त लाल अथवा बैंगनी हो जाता है। पोर्ट वाइन स्टेन इसके अलावा स्ट्रग-वेबर-सिंड्रोम और क्लिपल ट्रेनायूने सिंड्रोम के कारण भी हो सकता है।

निदान

रेड बर्थमार्क्स के निदान की प्रक्रिया इस बात पर निर्भर करती है कि आखिर ये निशान नजर कैसे आते हैं। डॉक्टर इनका इलाज करने से पहले इनकी अच्छी तरह जांच करते हैं। बर्थमार्क्स की गहरी जांच करने के लिए डॉक्टर बॉयोप्सी, सीटी स्कैन और एमआरआई भी करने की सलाह दे सकता है।

इलाज

अधिकतर बर्थमार्क्स किसी प्रकार की परेशानी खड़ी नहीं करते और उन्हें किसी इलाज की जरूरत नहीं होती। हालांकि, कुछ रेड बर्थमार्क्स से परेशानी हो सकती है। कुछ निशान तो कैंसर का रूप भी ले सकते हैं। रेड बर्थमार्क्स बच्चे के थोड़ा बड़े होने के साथ ही गायब भी हो जाते हैं। बहुत कम निशान ही रक्तवाहिनियों के ट्यूमर में परिवर्तित हो सकते हैं। इन्हें हेमेन्गिओमस कहा जाता है। कुछ निशान ऐसे भी होते हैं, जो ठीक नहीं होते और स्थाई रूप से साथ रहते हैं।

हेमेन्गिओमस को इलाज करवाने की जरूरत तब पड़ती है, जब इनका असर आपके लुक पर पड़ता हो। इसके साथ ही अगर इससे आपको भावनात्मक तनाव अथवा दर्द होता हो, तो भी आपको इसका इलाज करवाना चाहिए। इतना ही नहीं अगर हेमेन्गिओमस के आकार, स्वरूप अथवा रंग में किसी प्रकार के बदलाव का आभास होने पर भी इलाज करवाया जाना चाहिए। हेमेन्गिओमस यदि बच्चे की आंख के करीब हो, तो उसका इलाज जरूर करवाना चाहिए, क्योंकि इसका असर उसके देखने की क्षमता पर पड़ सकता है।

बर्थमाक्स के आकार पर निर्भर करता है कि इसके इलाज में किस प्रकार की इलाज पद्धति को अपनाया जाए। इसके लिए लेजर ट्रीटमेंट से लेकर कॉस्मेटिक के अन्य तरीके भी आजमाए जा सकते हैं। इसके अलावा बर्थमार्क्स के निशान को छोटा करने क लिए दवाओं अथवा इंजेक्शन का भी प्रयोग किया जा सकता है।

बहुत ही दुर्लभ मामलों में बर्थमार्क्स का संबंध किसी अन्य बीमारी से होता है। लेकिन, कुछ मामलों में देखा गया है कि लिवर, फेफड़े, पेट अथवा अंत्राशय की बीमारियों के फलस्वरूप भी बर्थमार्क्स हो सकते हैं। यदि ऐसी कोई समस्या नजर आए, तो आपको डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

क्या 30 साल के बाद भी बढ़ सकती है लंबाई?

टिप्स

- योग के सही मुद्रा एक योग्य योग प्रशिक्षक की मदद से सीखें।
- कई स्वास्थ्य केन्द्र, योग केंद्र और सामुदायिक कॉलेज योग शिक्षा प्रदान करते हैं।
- लंबाई बढ़ाने का दावा करने वाले प्रोडक्ट के बारे में पूरी जानकारी लें।
- ऐसा कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है कि, सप्लीमेंट की मदद से किसी भी वयस्क की लंबाई को स्थायी रूप से बढ़ाया जा सकता है।

एक बार हड्डियां के बढ़ना रूकने के बाद, लंबाई को बढ़ाने की सीमा तय हो जाती है। फिर लंबाई को बढ़ना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि स्ट्रेचिंग की मदद से अपने पॉश्चर में सुधार कर अपनी लंबाई बढ़ा सकते हैं।

लड़कियों की लंबाई 11.5 वर्ष और लड़कों की लंबाई 13.5 वर्ष तक ही बढ़ती है। डॉक्टर के अनुसार, लड़कों को लड़कियों की तुलना में हड्डियों की ग्रोथ बंद होने से पहले लंबाई बढ़ाने का दो साल का लंबा समय मिलता है। लेकिन वयस्कों में लंबाई बढ़ाने के लिए स्ट्रेच एक अच्छा आइडिया है, क्योंकि यह रीढ़ की हड्डी में संकोचन को कम करता है। स्ट्रेचिंग से आपको पॉश्चर में सुधार करने और लंबाई की सीमा बढ़ाने में मदद मिलती हैं।

स्टेप 1

ताड़ासन को पर्वत योग मुद्रा भी कहते हैं। इस स्ट्रेच योग को करने के लिए सबसे पहले जमीन पर दरी बिछाकर सीधे खड़े हो जाएं। अपने दोनों पैर को आपस में मिलाकर और दोनों हथेलियों को अपने बगल में रखें फिर पूरे शरीर को स्थिर रखें और दोनों पैरों पर अपने शरीर का वजन सामान रखें। उसके बाद दोनों हथेलियों की अंगुलियों को मिलाकर सिर के ऊपर ले जाएं। हथेलियों सीधी रखें और सांस भरते हुए अपने हाथों को ऊपर की ओर खींचिए, जिससे आपके कंधों और चेस्ट में भी स्ट्रेच आएगा। इसके साथ ही पैरों की एड़ी को भी ऊपर उठाएं और पैरों की अंगुलियों पर शरीर का संतुलन बनाए रखिए। इस स्थिति में कुछ देर रहें। इस योगाभ्यास करते समय में पूरे शरीर में उपयुक्त रूप से स्ट्रेच महसूस होता है। योग जर्नल वेबसाइट के अनुसार यह मुद्रा आपको रीढ़ की हड्डी को सीधा करने में मदद करती है। सीधा खड़ा होना, गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव का विरोध कर आपकी लंबाई को 30 की उम्र के बाद भी बढ़ता है।

स्टेप 4

क्लॉस या होम एक्सरसाइज वीडियो के माध्यम से योग या पिलेट्स करें, जिससे आपके पूरे शरीर का स्ट्रेच हो सके। योग या पिलेट्स को नियमित करने अच्छी मुद्रा को एक आदत बनाने में मदद मिलती है और मसल्स को मजबूती मिलती है जिससे आपकी रीढ़ और अंगों को उचित एलाइनमेंट मिलती है। नियमित रूप से स्ट्रेचिंग रीढ़ की हड्डी पर संकोचन को कम करने में मदद करता है जिससे आप 30 साल की उम्र के बाद भी लंबाई बढ़ा सकते है। हालांकि इस बात के कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है।

स्टेप 2

भुजंगासान को कोबारा पोज भी कहते हैं। इस आसान में चेहरे पर स्ट्रेच महसूस करते हुए अपनी उंगालियों को कंधों की तरफ और कोहनी को अपनी साइट में रखते हैं। साथ ही अपने शरीर के निचले हिस्से पर दबाव बनाए रखते हैं। अपनी बाहों को सीधा रखते हुए शरीर के ऊपरी हिस्से को ऊपर की तरफ और निचले हिस्से को जमीन पर रखते हैं। ऊपरी हिस्से को तब तक ही उठाते हैं, जितना की आप आराम से उठा सकें। अपनी रीढ़ में स्ट्रेच महसूस करें। सांस छोड़ते और 15 की गिनती करते हुए धीरे-धीरे अपने ऊपरी हिस्से को नीचे लाएं। इससे आपके चेस्ट और पेट की मसल्स में स्ट्रेच होगा। इसको नियमित करने से लंबाई बढाई जा सकती है। इस मुद्रा को नियमित रूप से करने लंबाई बढ़ाने में मदद मिलती है क्योंकि इससे आप बैठते, उठते और खड़े होते समय रीढ़ की हड्डी लंबा बनाये रखने में मदद मिलती है।

स्टेप 3

शॉवर लेने के बाद भी नियमित रूप से स्ट्रेच करें क्योंकि इस समय आपकी मसल्स गर्म होती है। पांच मिनट एक ही जगह चलने के बाद धीरे-धीरे अपने दोनों हाथों को हिलाएं और पैरों को ढीला छोड़कर तनाव को रिलीज करें। फिर एक समय में एक हाथ को ऊपर की तरफ स्ट्रेच करें। अब अपने पैर की उंगलियों से लेकर हिप्स और कंधे तक बॉडी की एक साइड को स्ट्रेच करें। फिर दूसरी तरफ से ऐसा ही करें और तीन से पांच बार दोहराएं।

स्किन के लिए वरदान है एक कप चाय

ज्यादातर हम सभी के दिन की शुरूआत एक कप चाय से होती है। चाय से थकान दूर होती है और ताजगी आ जाती है। दिन भर की थकान को दूर करने के लिए भी एक कप चाय मिल जाए तो क्या ही बात। लेकिन अक्सर चाय और कॉफी को सेहत के लिए नुकसानदायक माना जाता है। कहा जाता है ज्यादा चाय पीने से काले हो जाते हैं, लेकिन ये सही नहीं है। चाय स्वास्थ्यवर्धक भी होती है। ये आपको ताजगी देने के साथ-साथ खूबसूरती बढ़ाने में भी मदद करती है, क्योंकि इसमें प्रचुर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं।

स्किन बनाए हेल्दी

हेल्दी स्किन यानी नम त्वचा। शरीर में नमी बनाए रखने के लिए पर्याप्त लिक्विड लेना जरूरी है। इसमें सभी तरह की चाय शामिल हो सकती है, क्योंकि गर्मी के दिनों में शरीर को ज्यादा पानी की जरूरत होती है। लिक्विड लेने से स्किन फ्रेश रहती है और पानी की कमी नहीं होती है।

ग्रीन टी

अगर आपकी स्किन रूखी और बेजान हो गई है तो ठंडी ग्रीन टी अपने चेहरे पर छिड़कें। ये एक बेहतरीन मॉइस्चराइजर का काम करती है। इससे आपकी स्किन तरोताजा हो जाएगी और चेहरा साफ व ग्लोइंग लगेगा।

डार्क सर्कल

दरअसल चाय में कैफीन होता है, जो आपके ब्लड वेसल को सिकुड़ने में मदद करता है। नींद पूरी न होने या अन्य कारणों से अगर आप की आंखों के नीचे डार्क सर्कल्स पड़ गए हैं या सूजन आ गई है तो टी बैग इसे सही करने में आपकी मदद करेगा। उसे फ्रिज में ठंडा होने के लिए रख दें। ठंडा होने पर उसे आंखों के नीचे रखें। इससे आंखों की थकान दूर होती है।

पैरों की बदबू से छुटकारा

पैरों में बदबू आने पर अगर आप डीओ का इस्तेमाल करती है तो ऐसा न करें। इसके लिए आप उबली हुई ब्लैक टी के मिश्रण में अपने पैर डुबाएं। ये एंटी बैक्टीरियल होती है, जो आपके पैरों में आ रहे पसीने को रोकती है। इससे पैरों में बदबू नहीं आती है।

बाल बनाए घने

ब्लैक टी बाल गिरने की समस्या से निजात दिलाती है। अगर आप अपने बालों को घना करना चाहती हैं तो उन्हें ब्लैक टी और ग्रीन टी से धोएं। वहीं ग्रीन टी बालों को बढ़ने में मदद करती है। ठंडी की हुई चाय को बालों पर डालें और उसे 10 मिनट तक रखें। इसके बाद अपने बालों को शैंपू और कंडीशनर से धो लें।

तकनीकी दक्षता कौशल ही नहीं बल्कि एक जरूरत

...तो कितने 'टैक स्मार्ट' हैं आप

आज की दुनिया का हर पहलू तेजी से इंटरनेट से जुड़ता जा रहा है। सोशल नैटवर्किंग वेबसाइट्स की लोकप्रियता भी इनमें शामिल हो चुकी है। ऐसे में कंपनियों का आधुनिक तकनीकों तथा रुझानों से भली प्रकार अवगत कर्मचारियों की तलाश करना स्वाभाविक हो गया है।

ऐसे कर्मचारियों को अधिक महत्व

जानकार कहते हैं कि इन दिनों संस्थान तकनीकी रूप से सक्षम कर्मचारियों का महत्व समझते हैं और वे अपने यहां नियुक्तियों के लिए आवेदन करने वाले कर्मचारियों में संबंधित कौशल की अपेक्षा भी रखते हैं। कंपनियां मानती हैं कि कर्मचारियों में तकनीकी समझ को ग्रहण करने की कुदरती खूबी होनी चाहिए तभी वे भविष्य में कंपनी में या कामकाज में होने वाले तकनीकी विकास के साथ कदम से कदम मिला कर कम्पनी के हित में कार्य कर सकेंगे। वैसे भी हर कंपनी अपनी प्रतियोगी कंपनी से आगे रहने की कोशिश करती है, जिसके लिए उसके कर्मचारियों में गहन तकनीकी ज्ञान होना अनिवार्य हो जाता है। इतना ही नहीं, बहुराष्ट्रीय कंपनियों में तो यह कौशल और भी जरूरी है।

बेहतर ढंग से दे सकते हैं अंजाम...

आज के दौर में तकनीकी दक्षता कौशल ही नहीं, एक जरूरत बन चुकी है। यह भी माना जाता है कि आज के दौर में अच्छा प्रदर्शन तथा करियर में तरक्की के लिए तकनीकी दक्षता बेहद महत्वपूर्ण है। तकनीकी रूप से सक्षम व्यक्ति अपने काम को और अधिक बेहतर ढंग से अंजाम दे सकता है जो उसके साथ-साथ कम्पनी के लिए भी लाभदायक स्थिति साबित होती है। यह सवाल भी उठ सकता है कि भला कोई कंपनी किस तरह से किसी के टीएसक्यू का आकलन लगा सकती है। इसके लिए इंटरव्यू के दौरान पूछे जाने वाले सवालों से ही प्रार्थी की तकनीकी दक्षता तथा तकनीकों से उसके लगाव के बारे में काफी कुछ पता चल सकता है। अंत में निष्कर्ष यही निकलता है कि आज के प्रतियोगी दौर में सफल होना है तो युवाओं को नवीनतम तकनीक के प्रति सजग रहते हुए अपने 'टैक-स्मार्ट क्वोशन्ट' को उम्दा बनाए रखना चाहिए।

ब्रेन फूड बनाएगा आपके दिमाग को और तेज

आमतौर पर हमेशा हमारा जोर ऐसे खाने पर रहता है, जिससे हम अपने दिमाग को और भी तेज बना सकें। ऐसे में हम ड्राई फ्रूट्स खाने पर ज्यादा जोर देते हैं। इसके अलावा दूध का भी लोग खूब इस्तेमाल करते हैं। मगर शायद आपको नहीं मालूम कि दिमाग के लिए सबसे ज्यादा फायदेमंद कौन सी चीज होती है? तो आइए आज हम आपको बताते है उस ब्रेन फूड के बारे में, जिससे आप अपने दिमाग को और भी तेज बना सकते हैं।

डीजेनरेशन को कम करता है

यदि भोजन की दिखावट और यह शरीर के लिए क्या करता है, इन दोनों में कोई संबंध है तो अखरोट जिसे ब्रेन फूड कहा जाता है, वह इस मामले में सबसे पहले आता है। विशेषज्ञों के अनुसार मानवीय दिमाग को उच्च क्वालिटी फैट्स जैसे ओमेगा थ्री फैटी एसिड्स की जरूरत होती है ताकि यह सही ढंग से काम कर सके। अखरोट में नाड़ी-तंत्र की रक्षा करने वाले कई यौगिक शामिल होते हैं जैसे विटामिन ई, फोलेट, मैलाटोनिन, ओमेगा-3 फैटी एसिड्स तथा एंटी ऑक्सीडैंट्स। यह सब उम्र बढ़ने के साथ-साथ कोग्नीटिव लाइन की डीजेनरेशन को कम करने के लिए जाने जाते हैं।

बढ़ाता है मैलाटोनिन का स्तर

इनके साथ ही मैगनीका, कॉपर, आयरन, फास्फोरस, मैगनीशियम तथा कैल्शियम भी अखरोटों में पाए जाते हैं जो रक्त में मैलाटोनिन के स्तर को बढ़ाने में सहायक होते हैं। मैलाटोनिन का स्तर शरीर में निद्रा को नियंत्रित करने वाले हार्मोन्स का मुख्य कारक है। अच्छी नींद यकीनन अच्छे स्वास्थ्य के लिए जरूरी है। इस बारे में जानकार कहते हैं। अधिकतर मेवों की तरह अखरोट कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम करने तथा हृदय के स्वास्थ्य को सुधारने में सहायक होता है। प्रतिदिन 3 या 4 अखरोटों का सेवन आपके शरीर के लिए बहुत जरूरी है। इन्हें रात भर भिगो कर रखा जाए और फिर इनका सेवन किया जाए।

रेसिपी

मैंगो केक

आइए बनाएं कुकर में मैंगो केक

अब आम का सीजन है तो मैंगो केक खाने का मन तो करेगा ही। पर लाइट नहीं आ रही ओवन कैसे चलेगा। ओफ्हो परेशानी क्या है हम बताते हैं कैसे बनाएं प्रेशर कुकर में मैंगो केक।

सामग्री

एक बड़ा प्रेशर कूकर जिसमें बेकिंग पैन समा जाए, एक बेकिंग पैन, 1 बटर पेपर, मैदा 1 कप, आम की प्यूरी आधा कप सा फिर एक टेबल स्पून मैंगो सीरप, कन्डेन्स्ड मिल्क 1/2 कप, पाउडर चीनी आधा कप, दूध आधा कप, मक्खन 1/3 कप, काजू कटे हुए 2 टेबल स्पून, किशमिश 2 टेबल स्पून, बेकिंग पाउडर1छोटी चम्मच, बेकिंग सोडा 1/4 छोटी चम्मच, आप आम को काट कर उसका पल्प निकाल कर और उसे फैंट कर भी प्यूरी बना सकते हैं।

विधि

मैदा में बेकिंग पाउडर और बेकिंग सोडा डालकर मिक्स कर लीजिए और 2 बार अच्छी तरह छान लीजिए। दूसरे बड़े प्याले में मक्खन, आम का पल्प/प्यूरी और कन्डेन्स्ड मिल्क डालकर अच्छी तरह फैट कर मिक्स कर दीजिए, पाउडर चीनी मिलाकर और अच्छी तरह मिक्स कर लीजिए। काजू और किशमिश के डंठल हटाकर कपड़े से पोंछ लीजिए। जिस कन्टेनर में केक बेक उसमें बटर या घी लगाकर चिकना कर लीजिए। बटर पेपर बर्तन के तले के आकार का काट लीजिए और तले में पेपर डालकर उसके ऊपर भी थोड़ा बटर डालकर चिकना कर लीजिए। आम का पल्प, कन्डेन्स्ड मिल्क में मैदा और बेकिंग पाउडर मिश्रण को डालकर अच्छी तरह गुठलियां खत्म होने तक मिलाइए। मिश्रण में दूध भी अच्छी तरह मिला दीजिए। काजू और किशमिश भी मिला दीजिए। ग्रीज किया हुआ केक कन्टेनर लीजिए। इसमें बर्तन में थोड़ा घी डालिए। फिर थोड़ी सी मैदा डालकर बर्तन को इस तरह हिलाइए कि उसके ऊपर पतली सी मैदा की परत बन जाए। उसमें मिश्रण डालिए और खटखटा कर एक सार कर लीजिए। अब क्योंकि कुकर में केक बनाने के लिए केक कन्टेनर का तला कुकर के तले से नहीं लगना चाहिए नहीं तो केक नीचे से जल सकता है। इसके लिए कुकर के अन्दर तले में एक कटोरी नमक फैला देते है। नमक गरम होकर ओवन की तरह तापमान भी बनाए रखता है। कुकर के अन्दर एक कटोरी नमक डालने के बाद इसे तेज आग पर दो मिनट के लिए रख दीजिए और केक कन्टेनर को पहले से गरम किए हुए कुकर में रखिए। कुकर के ऊपर ढक्कन लगाकर बन्द कर दीजिए। ढक्कन पर सीटी मत लगाइए। केक को बिल्कुल धीमी आग पर 40-50 मिनट तक पकाइए। इसके बाद केक को चैक कर लीजिए। केक के अन्दर चाकू डालने से मिश्रण चाकू पर लग कर आ रहा है तो केक को और बेक कीजिए। कुछ देर बाद दोबारा टैस्ट कीजिए केक में चाकू गड़ा कर देखिए यदि चाकू से केक नहीं चिपकता तो आपका केक बन गया है। कुकर को केक कन्टेनर सहित अच्छी तरह ठंडा होने दीजिए। ठंडा होने पर केक के किनारों से चाकू घुमाकर केक को बर्तन के किनारों से अलग कर लीजिए अब हल्के से ठोक कर केक को प्लेट में निकाल लीजिए। लीजिए आपका प्रेशर कूकर मैंगो केक तैयार है।

जैकी के 'सिचुएशनशिप' वाले बयान पर रकुल ने तोड़ी चुप्पी

रकुल प्रीत सिंह इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म पति पत्नी और वो दो के प्रमोशन में बिजी हैं। इसी बीच उनकी शादी और रिश्ते को लेकर सोशल मीडिया पर काफी चर्चा हो रही है। कुछ दिनों पहले एक इंटरव्यू में रकुल के पति जैकी ने अपनी शादी को 'सिचुएशनशिप' कहा था। अब इस मामले पर रकुल ने खुलकर चर्चा की है।

बात थोड़ी ज्यादा बढ़ गई और पर्सनल हो गई

एक इंटरव्यू में रकुल ने कहा कि वह और जैकी सिर्फ मजाक कर रहे थे, लेकिन सोशल मीडिया पर उस बात को गलत तरीके से पेश किया गया। उन्होंने बताया कि लोगों ने सिर्फ एक लाइन पकड़ ली और पूरे इंटरव्यू का मतलब बदल गया। रकुल ने कहा, 'हम दोनों उस वक्त हंस रहे थे। लेकिन बाद में बात थोड़ी ज्यादा बढ़ गई और पर्सनल हो गई। लोग हमारी जिंदगी को नहीं जानते। सिर्फ एक शब्द और एक लाइन को लेकर हेडलाइंस बना दी गईं।'

ये कोई बहुत बड़ी बात नहीं है

एक्ट्रेस ने आगे कहा कि जैकी ने वह बात किसी और जगह नहीं कही थी, बल्कि दोनों साथ बैठे हुए रिश्तों पर बातचीत कर रहे थे। उसी दौरान उन्होंने मजाक में वह शब्द इस्तेमाल किया था। रकुल ने कहा, 'गलतियां हो जाती हैं, ये कोई बहुत बड़ी बात नहीं है।'

जैकी ने क्या कहा था?

दरअसल, वायरल क्लिप में जैकी कहते नजर आए थे, 'रकुल और मैं शादीशुदा हैं, लेकिन हम 'सिचुएशनशिप' में हैं। हां, हम एक-दूसरे के लिए एक्सक्लूसिव हैं क्योंकि हमारी शादी हुई है। सबसे अच्छी बात ये है कि मैं उनसे हर बात शेयर कर सकता हूं।'
इस बयान के वायरल होते ही सोशल मीडिया पर कई तरह की बातें होने लगीं। कुछ लोगों ने तो यहां तक अंदाजा लगाना शुरू कर दिया कि दोनों के रिश्ते में सब ठीक नहीं चल रहा।
बता दें कि रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी करीब तीन साल तक रिलेशनशिप में रहे थे। इसके बाद दोनों ने 21 फरवरी 2024 को गोवा में परिवार और करीबी दोस्तों की मौजूदगी में शादी की थी।

सिविल इंजीनियर बनना चाहती थीं शरवरी, एक सवाल ने बदल दी पूरी जिंदगी

शरवरी इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म में वेदांग रैना के साथ नजर आने वाली हैं और फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त हैं। उन्होंने बताया कि बचपन में उन्हें एक्टिंग वर्कशॉप्स काफी पसंद थीं, लेकिन उन्होंने कभी एक्ट्रेस बनने के बारे में नहीं सोचा था। जानिए एक्ट्रेस ने क्या कुछ कहा।

सिविल इंजीनियर बनना चाहती थीं एक्ट्रेस

इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने 11वीं में साइंस स्ट्रीम ली थी क्योंकि उनका सपना सिविल इंजीनियर बनने का था। उनके पिता बिल्डर हैं और मां इंटीरियर डिजाइनर और आर्किटेक्ट, इसलिए उन्हें लगा कि वही रास्ता उनके लिए सही रहेगा। शरवरी ने कहा, 'मैंने कभी अपने पैरेंट्स को एक्टिंग के लिए मनाने की कोशिश नहीं की, क्योंकि वो हमेशा मेरे सपनों के साथ खड़े रहे। कॉलेज के दौरान मैंने एक टैलेंट प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था और उसे जीतने के बाद मुझे ऑडिशन मिलने शुरू हो गए।'

इस सवाल से बदली जिंदगी

हालांकि शुरुआत में उन्होंने इसे सिर्फ एक एक्सपेरिमेंट की तरह लिया, लेकिन उनके माता-पिता ने एक्टिंग के लिए उनका जुनून महसूस कर लिया था। शरवरी ने बताया, 'एक दिन मेरे पैरेंट्स ने मुझसे पूछा कि क्या तुम एक्ट्रेस बनना चाहती हो? उस पल सबकुछ बदल गया। मैंने कभी खुद से भी यह बात खुलकर नहीं कही थी, लेकिन जब उन्होंने पहली बार इसे जोर से कहा, तब मुझे हिम्मत मिली। मैं हर रात यह सपना देखती थी, लेकिन खुद से भी स्वीकार नहीं कर पाती थी।' शरवरी ने कहा कि उस सवाल के जवाब में उन्होंने सिर्फ 'हां' कहा और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा।

शरवरी का वर्कफ्रंट

वर्क फ्रंट की बात करें तो शरवरी ने साल 2024 की फिल्म 'मुंजया' से दर्शकों के बीच खास पहचान बनाई। आने वाले समय में वह इम्तियाज अली की 'मैं वापस आऊंगा' की फिल्म में नजर आएंगी। साथ ही वे आने वाले समय में सूरज बड़जात्या और आदित्य चोपड़ा जैसे बड़े फिल्ममेकर्स की फिल्मों में भी नजर आने वाली हैं।

पति से तलाक की चर्चाओं पर मौनी रॉय ने तोड़ी चुप्पी

अभिनेत्री मौनी रॉय इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर लगातार चर्चाओं में बनी हुई हैं। ऐसी अफवाहें हैं कि व्यवसायी सूरज नांबियार से उनकी शादी टूट चुकी है, कुछ खबरों में तो यह भी कहा जा रहा है कि तलाक हो चुका है और दोनों अलग-अलग रह रहे हैं। अब खबरों के तेजी से फैलने के बाद मौनी रॉय सामने आई हैं और उन्होंने इस पूरे मामले पर पहली बार प्रतिक्रिया दी है। साथ ही उन्होंने फैंस और मीडिया से एक अपील भी की है।
मौनी रॉय ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी साझा की है। इसके जरिए उन्होंने लोगों से अफवाह न फैलाने और उनकी निजता का सम्मान करने की बात कही है। अपनी स्टोरी में मौनी ने लिखा, 'सभी से विनती है कि वे झूठी खबरें न फैलाएं और हमें निजता और स्पेस दें।' इसके बाद उन्होंने हाथ जोड़ने वाला इमोजी भी लगाया। हालांकि, अभी भी उन्होंने स्पष्ट तौर पर तलाक हुआ या नहीं हुआ या दोनों अलग रहे हैं या नहीं, इस पर कुछ भी स्पष्ट नहीं किया है। न ही मौनी ने पति के साथ कोई तस्वीर साझा की है। ऐसे में अब फैंस के बीच दोनों के रिश्ते को लेकर चिंता और बढ़ गई है। मौनी रॉय के तलाक और पति से अलग होने की चर्चाएं तब शुरू हुईं, जब पता चला कि सूरज और मौनी ने इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को फॉलो करना बंद कर दिया है। वहीं मौनी और सूरज ने अपनी शादी से संबंधित तस्वीरें भी डिलीट कर दीं। इसके बाद दोनों के बीच सबकुछ ठीक न होने के कयास और भी गहरे होने लगे।

टॉक्सिक रिश्तों का महिमामंडन नहीं, बल्कि उनका दर्द दिखाएगी 'अगली स्टोरी'

छोटे से लेकर बड़े पर्दे तक अपनी पहचान बनाने वाली अभिनेत्री अविका गौर एक बार फिर तेलुगु रोमांटिक थ्रिलर फिल्म 'अगली स्टोरी' को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। यह एक रोमांटिक थ्रिलर है, जिसमें सस्पेंस, जुनून और भावनाओं का एक अनोखा संगम देखने को मिलेगा। फिल्म में अविका के साथ नंदू विजय कृष्णा मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। अभिनेत्री अविका गौर ने बताया कि फिल्म की टीम पहले से ही इस बात को लेकर सतर्क थी कि 'टॉक्सिक' और 'जुनून' के बीच एक साफ अंतर दिखाई दे। उन्होंने कहा, 'फर्क हमेशा इरादे में होता है। हम फिल्म के जरिए टॉक्सिक रिश्तों को आकर्षक या कूल दिखाने की कोशिश नहीं कर रहे हैं। हमारा मकसद यह दिखाना है कि ऐसे रिश्ते किसी इंसान की मानसिक और भावनात्मक स्थिति पर असल में क्या असर डालते हैं। 'अविका ने आगे बताया कि फिल्म में रिश्ते को महिमामंडित करने के बजाय उसके दर्दनाक नतीजों पर ध्यान दिया गया है। फिल्म में दर्शकों को वह बेचैनी, उलझन और नुकसान साफ महसूस होगा जो एक खराब रिश्ते से उपजता है। एक कलाकार के तौर पर मेरी जिम्मेदारी दर्शकों के सामने ईमानदारी से कहानी रखने की है। 'अगली स्टोरी' दर्शकों से झूठ नहीं बोलती, बल्कि एक कड़वी सच्चाई को गहराई से दिखाती है।

एक्शन और भावनाओं से भरपूर इंस्पेक्टर अविनाश 2 एक जबरदस्त सफर है

अभिनेता रणदीप हुड्डा अपकमिंग वेब सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश सीजन 2' को लेकर बेहद उत्साहित हैं। रणदीप हुड्डा एक बार फिर से इंस्पेक्टर अविनाश का किरदार निभाते नजर आएंगे। अभिनेता ने हिंट देते हुए बताया कि एक्शन और भावनाओं से भरपूर 'इंस्पेक्टर अविनाश सीजन 2' एक जबरदस्त सफर है और इस बार यह और भी मजेदार होने वाला है। रणदीप हुड्डा ने बताया, 'इस सीजन में अविनाश अपने असली और दमदार रूप में सामने आने के लिए तैयार है। वह अब सिर्फ जुर्म से नहीं लड़ रहा, बल्कि अपने परिवार, अपनी सच्चाई और अपने अस्तित्व के लिए लड़ रहा है। इसका दायरा बड़ा है, एक्शन बिल्कुल असली है और भावनाएं कहीं ज्यादा गहरी हैं। यह एक कहीं ज्यादा जबरदस्त सफर है।' अभिनेत्री उर्वशी रौतेला इस सीजन में महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगी। उन्होंने शो की तारीफ करते हुए कहा, ''इंस्पेक्टर अविनाश सीजन 2' पहले से कहीं ज्यादा बड़ा, बेबाक और धमाकेदार है। एक्शन, भावनाएं और ट्विस्ट से भरी इस कहानी का हिस्सा बनना शानदार अनुभव रहा है। हर सीन अपनी अलग और खास अंदाज के साथ अलग स्तर पर ले जाता है। जियो हॉटस्टार के साथ जुड़ना बहुत अच्छा रहा। दर्शक जिस रोमांच और ड्रामा का इंतजार कर रहे हैं, उसे हमने मिलकर तैयार किया है।'
निर्देशक नीरज पाठक ने सीजन 2 की खासियत बताते हुए कहा, 'हमने पहले सीजन की सभी पसंदीदा चीजों को इसमें शामिल किया है और उन्हें ज्यादा धमाल मचाने के माहौल में पेश किया है। अविनाश अब सिर्फ अपराधियों से नहीं, बल्कि एक ऐसे सिस्टम से भी लड़ रहा है जो उसके आसपास ढह रहा है। हमने एक्शन को बढ़ाया ही है, साथ ही भावनात्मक संघर्ष को भी और गहरा कर दिया है। इस बार लड़ाई जितनी बाहरी है, उतनी ही निजी भी है।' यह क्राइम थ्रिलर 1990 के दशक के उत्तर प्रदेश के अशांत माहौल पर आधारित है। कहानी में इंस्पेक्टर अविनाश मिश्रा खुद को एक ऐसे तूफान में फंसा पाते हैं जो निजी और राजनीतिक दोनों स्तर पर उनका जीवन बदल देता है। बेटे के मर्डर केस में फंसने और शादी टूटने की कगार पर पहुंचने के बाद अविनाश को अपनी सबसे मुश्किल लड़ाई लड़नी पड़ती है।
सीजन 2 में रणदीप हुड्डा और उर्वशी रौतेला के साथ अमित सियाल, अभिमन्यु सिंह, रजनीश दुग्गल, शालिन भनोट और फ्रेडी दारूवाला जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। जियो स्टूडियोज के प्रस्तुत इस सीरीज को ज्योति देशपांडे, नीरज पाठक, गोल्ड माउंटेन पिक्चर्स और कृष्ण चौधरी ने प्रोड्यूस किया है। कहानी नीरज पाठक, संजय मासूम और समीर अरोड़ा ने लिखी है। 'इंस्पेक्टर अविनाश सीजन 2' 15 मई को जियो हॉटस्टार पर रिलीज को तैयार है।

खतरों के खिलाड़ी में अपनी इमेज बदलने निकले ओरी

इंटरनेट सेंसेशन, बॉलीवुड पार्टियों के परमानेंट गेस्ट और सोशल मीडिया के सबसे रहस्यमयी चेहरों में शामिल ओरी अब 'खतरों के खिलाड़ी' में नजर आएंगे। लेकिन शो से पहले उन्होंने बातचीत में साफ कह दिया कि लोग उन्हें जितना पार्टी बॉय समझते हैं, वे उससे कहीं ज्यादा हैं।

इंटरनेट वाला ओरी और असली जिंदगी वाला ओरी अलग नहीं है

ओरी का कहना है कि लोग अक्सर सोचते हैं कि सोशल मीडिया वाला ओरी सिर्फ कैमरों के लिए बनाया गया एक कैरेक्टर है। लेकिन उनके मुताबिक ऐसा बिल्कुल नहीं है। उन्होंने कहा, 'सिर्फ एक ही ओरी है। लोग सोचते हैं कि इंटरनेट वाला ओरी और असली जिंदगी वाला ओरी अलग होंगे, लेकिन ऐसा नहीं है। मैं नकली रूप बनाकर नहीं जीता। लेकिन हां, यह पहली बार है जब मैं इतने लंबे फॉर्मेट में लोगों के सामने रहूंगा। इसलिए सच कहूं तो मैं खुद भी उत्साहित हूं यह देखने के लिए कि दबाव, डर और मुश्किल हालात में मेरा कौन सा रूप बाहर आता है। शायद लोग पहली बार मुझे ग्लैमर और फिल्टर्स के बिना देखेंगे'।

उम्मीद है कि रोहित को भी मेरी वाइब पसंद आए

अपने कॉन्फिडेंस को लेकर ओरी बिल्कुल भी पीछे नहीं हटे। उनका कहना है कि उनके बारे में हर चीज अपने आप में एंटरटेनमेंट है। 'मुझे सच में लगता है कि मेरे बारे में हर चीज एंटरटेनिंग है। चाहे मेरी एनर्जी हो, मेरी पर्सनैलिटी हो, मेरा बोलने का तरीका हो या मेरे रिएक्शंस... लोग मुझे नजरअंदाज नहीं कर सकते। शायद यही वजह है कि बिना कुछ समझाए भी लोग लगातार मेरे बारे में बात करते रहते हैं। बस उम्मीद है कि रोहित शेट्टी को भी मेरी वाइब पसंद आए।'

लोगों ने मुझे इंटरनेट कैरेक्टर बना दिया

अपनी वायरल इमेज को लेकर ओरी ने बेहद विवादित बयान दिया। उनका कहना है कि लोगों ने उनके बारे में जो धारणा बना ली है। वह उनकी खुद की बनाई हुई नहीं है। 'लोगों ने मेरी यह इमेज बनाई है। लोगों ने मुझे मिस्ट्री बॉय बना दिया, सेलिब्रिटी बेस्ट फ्रेंड बना दिया, इंटरनेट कैरेक्टर बना दिया। लेकिन मैंने कभी खुद को उस तरह पेश नहीं किया। मजेदार बात यह है कि लोग पहले आपको एक कैरेक्टर बनाते हैं...फिर उसी कैरेक्टर को जज भी करने लगते हैं। अगर ऑडियंस अब मेरा कोई दूसरा साइड देखेंगे, तो मुझे उससे कोई दिक्कत नहीं है, क्योंकि वह इमेज उनकी बनाई हुई थी, मेरी नहीं।'

लोगों ने मान लिया कि मैं मानसिक रूप से मजबूत नहीं हो सकता

जब ओरी से पूछा गया कि वह इस शो के जरिए लोगों की कौन सी राय बदलना चाहते हैं। तो उन्होंने कहा, 'लोग सोचते हैं कि मैं कमजोर हूं। सिर्फ इसलिए क्योंकि मैं ग्लैमरस लाइफ जीता हूं, पार्टियों में दिखता हूं, लक्जरी पसंद करता हूं..., लोगों ने मान लिया कि मैं मानसिक रूप से मजबूत नहीं हो सकता। लेकिन ताकत सिर्फ मसल्स या गुस्से में नहीं होती। कभी-कभी सबसे मजबूत लोग वही होते हैं जो दबाव में भी खुद को खोते नहीं हैं। और शायद खतरों के खिलाड़ी में लोग पहली बार वो देखेंगे।'

मैं सिर्फ वायरल नहीं हूं... खिलाड़ी भी हूं

शो साइन करने की वजह बताते हुए ओरी ने कहा कि वह सिर्फ एक और कंटेस्टेंट बनने नहीं आए हैं। 'मैंने खतरों के खिलाड़ी सिर्फ एक और कंटेस्टेंट बनने के लिए साइन नहीं किया। मैंने यह शो इसलिए किया क्योंकि मैं दुनिया को दिखाना चाहता हूं कि मैं सिर्फ वायरल नहीं हूं। मैं खिलाड़ी भी हूं।'

मुझे रेप्टाइल्स से नहीं... हारने से डर लगता है

आखिर में जब ओरी से पूछा गया कि उन्हें सबसे ज्यादा डर किस चीज से लगता है, तो उनका जवाब बेहद सीधा था। 'मुझे रेप्टाइल्स से डर नहीं लगता। मुझे खतरनाक स्टंट्स से डर नहीं लगता। लेकिन हां... मुझे हारना पसंद नहीं है, क्योंकि एक बार अगर लोगों को लगने लगे कि आप हार गए हो, तो वो आपको गंभीरता से लेना बंद कर देते हैं। और मैं कभी वो इंसान नहीं बनना चाहता।'

एनसीआर समाचार प्रा. लि. की ओर से मुद्रक, प्रकाशक मो. हनीफ द्वारा आर.डी. प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड, ए-41 सेक्टर-8 नोएडा, यू.पी.-201301 से मुद्रित व जी-12/276बी, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 9210761111 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **संपादक : मो इस्माईल खान** RNI No. DLHIN/2010/37009